

'ईठा' की मुश्किलें बढ़ाएंगे सलमान खान, श्रद्धा की फिल्म से होगा 'मातृभूमि' का क्लैश; 4 दिसंबर को होगी टक्कर

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 32
न्यूनतम - 20

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 309 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शनिवार 07 नवम्बर 2026 ● अश्विन शुक्ल 13 विक्रमी संवत ● पृष्ठ ६12 ● मूल्य 4 रूपया

सभी देशवासियों को
दीपावली,
गोवर्धनपूजा , भाईदूज की
शुभकामनाएँ
यह पावन पर्व आपके जीवन में
सुख, समृद्धि, खुशहाली और
नई ऊर्जा लेकर आए!
विशु तायल
श्री राम ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज

अनमोल वचन

आज छोटी दिवाली है। इस पर्व पर कुछ विशेष बिन्दुओं पर चिंतन करना समय तथा समाज के लिये नितान्त आवश्यक है। पर्यावरण के प्रति हमारे पूर्वज बहुत बड़े ही सतर्क और जागरूक रहते थे। पर्यावरण की रक्षा जल कल्याण से भी हो सकती है। दीपावली पर्व भी इसी भावना से जुड़ा है। विचारणीय बिन्दु यह है पर्यावरण की सुरक्षा इस पर्व से कैसे हो सकती है? वास्तव में इस दिन के प्रातः सायंप्रत्येक हिन्दू के घर में हवन होता था जो एक सप्ताह तक चलता था। उससे वायु सुगन्धित हो उठती थी। घी तथा नये अन्न चावल, बाजरा, मक्का आदि सहित हवन सामग्री की आहुतियों से पूरा पर्यावरण सुवासित होता था क्योंकि उनके सूक्ष्म परमाणु वायु का शोधन करते हैं। गौघृत में भेदक मारक शक्ति होने के कारण इसका प्रभाव दूर तक पड़ता है। इसे उत्सव का रूप दिया गया ताकि जनता प्रतिदिन इसमें और उत्साह भाग ले। लोग अपने घरों, गलियों, दुकानों सबकी सफाई करते थे। घरों की रंगाई-पुताई की जाती थी जिससे कूड़ा करकट साफ हो जाये, कीड़े-मकोड़े निकल जायें। इस प्रकार हवन और सफाई के माध्यम से पर्यावरण सुशोधित हो उठता था।

परन्तु आज स्थितियाँ बदल गयी हैं। सफाई तो की जाती है किन्तु उससे कई गुणा अधिक पटाखों से वायु को अशुद्ध बना दिया जाता है। हवन तो बहुत कम घरों में होता है और होता है वह पटाखों से पाट दिया जाता है। पटाखे हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं। ये दो-चार सौ वर्ष चीन से आये थे। अज्ञानवश लोगों ने इसे अपने धार्मिक पर्व का हिस्सा बना लिया है।

मेरठ-दिल्ली हाईवे पर कोहरे का कहर: बेतरतीब खड़े ट्रक में पीछे से घुसी रोडवेज बस, शामली की महिला परिचालक पूर्वा की दर्दनाक मौत, कई यात्री घायल

दौराला थाना क्षेत्र के वलीदपुर गांव के पास हुआ भीषण हादसा, सड़क पर फैली रोड़ी से बाइक सवार भी फिसले।

मेरठ। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर शुक्रवार तड़के घने कोहरे और बेहद कम दृश्यता (विजिबिलिटी) के कारण एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दौराला थाना क्षेत्र के वलीदपुर गांव स्थित खाटूश्यामजी भोजनालय ढाबे के पास हाईवे किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े रोड़ी से लदे ट्रक में ऋषिकेश से आ रही मेरठ डिपो की रोडवेज बस पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भयानक थी कि बस का परिचालक साइड का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में बस में तैनात 22 वर्षीय महिला परिचालक पूर्वा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो यात्री घायल हो गए। हादसे के वक्त बस में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई।

कम दृश्यता के कारण चालक को नहीं दिखा बेतरतीब खड़ा ट्रक

यह हादसा शुक्रवार सुबह लगभग चार बजे हुआ, जब पूरे हाईवे पर घना कोहरा छाया हुआ था। जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरनगर के भोराकलां थाना क्षेत्र के सिसौली गांव निवासी बस चालक अमरपाल ऋषिकेश से सवारियां लेकर मेरठ की ओर लौट रहा था। वलीदपुर के पास हाईवे किनारे रोड़ी से भरा ट्रक बिना किसी संकेतक या चेतावनी के खड़ा था। शून्य के बराबर दृश्यता होने के कारण चालक अमरपाल को खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया और बस सीधे ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी।

बस के परखच्चे उड़े, परिचालक पूर्वा ने मौके पर तोड़ा दम

इस हादसे में टक्कर होते ही बस के बाईं (परिचालक) तरफ के हिस्से के



परखच्चे उड़ गए। शामली जिले के बाबरी थाना क्षेत्र स्थित कासोपुर गांव निवासी 22 वर्षीय महिला परिचालक पूर्वा (पुत्री रमेश) उसी ओर बैठी थीं और दुर्घटनाग्रस्त हिस्से में बुरी तरह फंस गईं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय राहगीर और दौराला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद पूर्वा को बस से बाहर निकाला और दौराला सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में बुलंदशहर निवासी यात्री विशाल सहित दो लोग घायल हुए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। अन्य यात्रियों को दूसरी रोडवेज बस की व्यवस्था कर उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

सड़क पर फैली रोड़ी, कई बाइक सवार फिसले; 6 घंटे लगा रहा जाम

टक्कर के प्रभाव से ट्रक में लदी रोड़ी भारी मात्रा में हाईवे पर फैल गई, जिससे अन्य वाहनों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया। स्थानीय निवासी रोहित राज और गौरव कुमार ने दुर्घटना की आशंका को देखते हुए सड़क पर बिखरी रोड़ी के आसपास पेड़ की टहनियां रखकर आने-जाने वाले चालकों को सचेत करने का प्रयास किया।इसके बावजूद कई बाइक सवार सड़क पर फैली रोड़ी पर फिसलकर गिर गए। सुबह 10 बजे तक रोड़ी न हटाए जाने से हाईवे पर काफी देर तक यातायात बाधित रहा और जाम जैसी स्थिति बनी रही। बाद में क्रेन और पुलिस की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों व रोड़ी को हटाकर मार्ग सुचारु कराया गया।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

सीओ दौराला शिव ठाकुर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया:"हादसे में रोडवेज बस की महिला परिचालक की मौत हुई है। घायल यात्रियों का उपचार करा दिया गया है और शेष यात्रियों को दूसरी बस से सुरक्षित रवाना किया गया। दुर्घटनाग्रस्त बस को कब्जे में लेकर मोर्चरी में शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस फरार ट्रक और उसके चालक की तलाश में जुटी है।

खतौली में त्रिवेणी चीनी मिल में पेराई सत्र शुरू: वैदिक हवन-पूजन के बीच पहले किसानों का सम्मान, किसानों में खुशी की लहर

प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कैन कैरियर में डाला गन्ना

खतौली (मुजफ्फरनगर)। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की खतौली स्थित शुगर यूनिट में शुक्रवार को वैदिक रीति-रिवाज और हवन-पूजन के साथ नए पेराई सत्र का विधिवत शुभारम्भ किया गया। चीनी मिल की चिमनियों से धुआं उठते ही क्षेत्र के गन्ना किसानों के चेहरे खिल उठे और चारों ओर खुशी की लहर दौड़ गई। पंडित जगन्नाथ झा एवं सुधाकर पाण्डेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन संपन्न कराया, जिसमें मिल प्रबंधन, प्रशासनिक अधिकारियों और सैकड़ों किसानों ने आहुति दी। क्षेत्र की प्रमुख चीनी मिल में पेराई शुरू होने से मुजफ्फरनगर जिले के गन्ना किसानों में भारी उत्साह और खुशी की लहर देखने को मिल रही है।

र्मिक अनुष्ठान और अतिथियों द्वारा पेराई का उद्घाटन

समारोह की शुरूआत मिल परिसर में



आयोजित भव्य हवन-पूजन के साथ हुई, जिसे पुजारी जगन्नाथ झा एवं सुधाकर पाण्डेय ने संपन्न कराया। इसके पश्चात प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और मिल प्रबंधन ने पेराई सत्र का उद्घाटन किया।उपजिलाधिकारी (एस-डीएम) डॉ. ललित कुमार मिश्र, उप गन्ना आयुक्त ओपी सिंह, सीओ रूपाली रॉय चौधरी, सहकारी गन्ना विकास समिति खतौली के अध्यक्ष अमित कुमार, प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र बघेल तथा समिति सचिव शशि प्रकाश सिंह ने संयुक्त रूप से मिल कैरियर में गन्ना डालकर औपचारिक रूप से पेराई सत्र की शुरूआत की।

सत्र के प्रथम गन्ना आपूर्तिकर्ता किसानों का सम्मान

मिल प्रबंधन ने परंपरा का निर्वहन करते हुए चीनी मिल में सबसे पहले गन्ना लेकर पहुंचे किसानों का विशेष सम्मान किया। पिपलेहड़ा निवासी घनश्याम पुत्र हरदेवा (भैंसा बुग्गी) व रामसिंह पुत्र काले (ट्रैक्टर-बुग्गी) तथा कपसाढ़ निवासी तेजपाल पुत्र फतेहसिंह (ट्रॉली) को मिल अधिकारियों ने पगड़ी पहनाकर, फूल-मालाओं से लादकर और उपहार देकर सम्मानित किया।

प्रशासन एवं गन्ना समिति का संदेश

सहकारी गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष अमित कुमार ने किसानों से चीनी मिल और समिति के साथ समन्वय बनाए रखने और अधिक से अधिक गन्ना मिल को आपूर्ति करने का आह्वान किया। उप गन्ना आयुक्त ओपी सिंह व समिति सचिव शशि प्रकाश सिंह ने शासन द्वारा चलाई जा रही किसान कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उनका अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। एसडीएम डॉ. ललित कुमार मिश्र ने पेराई सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि "पेराई सत्र का सफल और सुचारु संचालन किसानों, मिल प्रबंधन और संबंधित विभागों के आपसी सहयोग से ही संभव है। सभी सुरक्षा नियमों और व्यवस्थाओं का सख्ती से पालन किया जाए। सुचारु तौल व व्यवस्था का मिल प्रबंधन ने दिया आश्वासन

मिल प्रबंधन ने सभी उपस्थित अतिथियों व किसानों का स्वागत करते हुए आभार जताया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि नए सत्र के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। गन्ना आपूर्ति, पारदर्शी तौल व्यवस्था और क्रय केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।इस अवसर पर मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) डॉ. अशोक कुमार, कुलदीप राठी, डीपी सिंह, ओपी मिश्रा, डीपी गुप्ता, सुशांत ठाकुर सहित मिल के अधिकारी, कर्मचारी, समिति के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, स्थानीय ग्राम प्रधान एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

खतौली में मांगी ढाई लाख की रंगदारी: महाराष्ट्र से दबोचा गया आरोपी अद्भुत जैन, पिता पहले ही पहुंच चुका जेल

लोगों को जान से मारने की धमकी देकर ऐंठता था रुपए

खतौली (मुजफ्फरनगर)। वांछित एवं शातिर अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खतौली पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जान से मारने की धमकी देकर लगातार रंगदारी वसूलने और लाखों रुपये ऐंठने के मामले में नामजद आरोपी अद्भुत जैन को पुलिस टीम ने महाराष्ट्र के रायगढ़ जनपद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वहां एंग्लो ईस्टर्न मैरीटाइम एकेडमी में शरण लिए हुए था, जहां से उसे दबोचकर न्यायालय में पेश करने और जेल भेजने की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

महाराष्ट्र के कर्जत से हुई गिरफ्तारी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार जनपद भर में अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी खतौली के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक खतौली दिनेश चन्द के कुशल नेतृत्व में गठित टीम को गुप्त सूचना मिली थी। जांच अधिकारी उपनिरीक्षक मनीष कुमार, हेड कांस्टेबल धीरेन्द्र कुमार और कांस्टेबल विवेक कुमार की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के कर्जत थाना क्षेत्र स्थित 'एंग्लो ईस्टर्न मैरीटाइम एकेडमी' में छापा मारा। वहां से खतौली के मोहल्ला मिट्ठूलाल निवासी अद्भुत जैन (पुत्र विनय जैन) को दबोच लिया गया।

रंगदारी और अपंग बनाने की धमकी आरोप

मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि कस्बे के दुगार्पुरी, अशोका मार्केट निवासी पीड़ित रवि ग्रोवर (पुत्र प्रेमनाथ ग्रोवर) ने 29 अगस्त को थाना खतौली में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित का आरोप था कि विनय जैन उर्फ किक्की जैन और उसके पुत्र अद्भुत जैन लगातार उसे और उसके परिवार को निशाना बना रहे थे।अभियुक्तों ने वादी को जान से मारने और हाथ-पैर तोड़कर भीख मंगवाने की सीधी धमकी दी थी। डरा-धमकाकर



अलग-अलग तारीखों में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए कुल ड्ड1,10,100 की डिजिटल वसूली की गई। इसके बाद अद्भुत जैन ने व्यक्तिगत रूप से 20 सितंबर 2025 को 50,000 तथा 11 अक्टूबर 2025 को 65,000 नकद ऐंठ लिए।

दोबारा मांगी ढाई लाख रुपये की मोटी रकम

पीड़ित के अनुसार, इतने पैसे देने के बाद भी आरोपियों का पेट नहीं भरा। 15 अगस्त 2026 को अभियुक्तों ने एक बार फिर रवि ग्रोवर और उसके परिजनों को जान से मारने का भय दिखाकर ढाई लाख रुपये की नई रंगदारी मांग ली। लगातार मिल रही धमकियों से तंग आकर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। मामले की गंभीरता को भांपते हुए थाना खतौली पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 271/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 308(5) एवं 351(3) के तहत मामला पंजीकृत किया था।

पिता जेल में बंद, बेटे पर दर्ज हैं दो मुकदमे

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रंगदारी के इस नेटवर्क में शामिल मुख्य सह-आरोपी और अद्भुत के पिता विनय जैन उर्फ किक्की जैन को खतौली पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज चुकी है।

अद्भुत जैन लगातार फरार चल रहा था और अपनी पहचान छिपाकर महाराष्ट्र की मैरीटाइम एकेडमी में रह रहा था।

पुलिस की बडी सफलता

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, अभियुक्त अद्भुत जैन के खिलाफ थाना खतौली में रंगदारी, डराने-धमकाने और आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित दो अलग-अलग मुकदमे (मुकदमा अपराध संख्या 271/2026 एवं मुकदमा अपराध संख्या 3/2026) पंजीकृत हैं। खतौली पुलिस की इस त्वरित और अंतरराज्यीय कार्रवाई को क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

शुक्रताल में कार्तिक पूर्णिमा मेले की सुरक्षा का अलर्ट: पुलिस गोष्ठी में एसपी देहात ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पर कड़े निर्देश

मेला कोतवाली में पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों की लगी क्लास, श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

भोपा (मुजफ्फरनगर)। धार्मिक नगरी शुक्रताल में आगामी कार्तिक पूर्णिमा मेला को सकुशल, शांतिपूर्ण और पूर्णतः सु-रक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण (SP Rural) अक्षय संजय महाडीक ने थाना क्षेत्र भोपा के अंतर्गत शुक्रताल स्थित 'मेला कोतवाली' में तैनात सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी के दौरान एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक ने मेला क्षेत्र में सुरक्षा तंत्र और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश-प्रदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अधिकारी ने मुख्य रूप से प्रभावी भीड़ प्रबंधन, सुगम यातायात व्यवस्था, नदी घाटों पर सतर्कता और संवेदनशील स्थानों पर पिकेट ड्यूटी को पूरी मुस्तैदी से संचालित करने के निर्देश दिए।

ड्यूटी में लापरवाही पर होगी सख्त का-



रंवाई

एसपी देहात ने मेला स्थल पर तैनात होने वाले पुलिसकर्मियों को ब्रीफ करते हुए स्पष्ट गाइडलाइंस जारी कीं। एसपी देहात ने दिशा-निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि सभी पुलिसकर्मी अपने आवंटित ड्यूटी पॉइंट पर निर्धारित समय से पहले उपस्थित रहेंगे।ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी; हर पॉइंट पर कड़ी निगरानी रखी जाए। वहीं दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों के साथ शालीन, नम्र और सहयोगात्मक रवैया अपनाया जाए। इसके अलावा किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पुलिस प्रशासन का मुख्य ध्येय कार्तिक पूर्णिमा पर तीर्थ नगरी शुक्रताल पहुँचने वाले श्रद्धालुओं को एक भयमुक्त, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण प्रदान करना है। गोष्ठी के अंत में एसपी देहात ने कहा कि मेला क्षेत्र में सादे कपड़ों में भी पुलिस बल की तैनाती रहेगी और सीसीटीवी व ड्रोन कैमरों के माध्यम से असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी, ताकि मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुगम दर्शन और पवित्र स्नान का अनुभव मिल सके।

धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स मंसूरपुर मिल में गन्ना पेराई सत्र 2026-27 का शुभारंभ, हवन-पूजन के बाद गन्ने की पेराई शुरू



मुजफ्फरनगर। धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड की मंसूरपुर चीनी मिल में शुक्रवार को गन्ना पेराई सत्र 2026-27 का विधिवत शुभारंभ हवन-पूजन के साथ किया गया।वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आयोजित हवन में मिल अधिकारियों, कर्मचारियों और क्षेत्र के किसानों ने आहुति देकर नए पेराई सत्र के सफल एवं निर्विघ्न संचालन की कामना की।इसके पश्चात केन कैरियर में नारियल फोड़कर तथा गन्ना डालकर पेराई सत्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। हवन-पूजन का कार्य पंडित अखिलेश तिवारी ने मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में चीनी मिल के उपाध्यक्ष सुधीर कुमार एवं गन्ना महाप्रबंधक उत्तम वर्मा रहे।इस दौरान गन्ना समिति के पूर्व चेयरमैन अरुण बालियान, बोर्ड डायरेक्टर एवं तितावी समिति के चेयरमैन भोला शंकर,भूपेंद्र प्रधान,मोहित प्रधान जीवना,चांदवीर फौजी,पंकज राठी, अंकित राठी,नीरज पहलवान,प्रमोद अहलावत,श्यामपाल चेयरमैन,संजीव त्यागी पुरा,अरुण बालियान चेयरमैन,संजय राठी जिला अध्यक्ष रालोद,प्रधान साकर अली, विनीत त्यागी नावला,नरेंद्र त्यागी,राजेन्द्र त्यागी मुबारकपुर,नीटू त्यागी,संजीव त्यागी ठेकेदार सहित क्षेत्र के अनेक किसान मौजूद रहे। पेराई सत्र के शुभारंभ पर पहली बुग्गी और ट्रॉली लेकर मिल पहुंचे किसानों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।इनमें ग्राम दूधाहेड़ी निवासी सचिन कुमार पुत्र चरण सिंह व हरेंद्र पुत्र अजीत,ग्राम पुरा निवासी मनोज त्यागी पुत्र धर्मपाल तथा ग्राम घासीपुरा निवासी माया पुत्र शौराज शामिल रहे।

गोकशी की कार्रवाई के दौरान पुलिस पर चाकू से हमले के आरोप में दो आरोपी दोषमुक्त

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली क्षेत्र के शेरपुर गांव में गोकशी के आरोप में कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम पर चाकू से हमला करने के करीब 12 साल पुराने मामले में अदालत ने दो आरोपितों को दोषमुक्त कर दिया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-तीन के न्यायाधीश अनुराग पंवार ने मामले की सुनवाई के बाद साक्ष्यों में विरोधाभास और अभियोजन पक्ष की ओर से आरोप साबित नहीं कर पाने के आधार पर यह फैसला सुनाया। अदालत ने पुलिस पर हमले के साथ-साथ गोकशी से संबंधित मुकदमे में भी इसरार और कामिल को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार घटना 22 नवंबर 2014 की है। उस समय शहर कोतवाली पुलिस की टीम रुड़की चुंगी क्षेत्र में गश्त करने के साथ संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि शेरपुर गांव में इसरार के घर के बाहर गोकशी की जा रही है। सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक बाबूलाल पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे थे। पुलिस के अनुसार मौके पर पहुंचने पर वहां भीड़ एकत्र थी और गोवंश के अवशेष पड़े हुए थे। पुलिस टीम ने मौके से इसरार पुत्र सगीर और कामिल पुत्र इस्लाम को पकड़ने का दावा किया था। आरोप था कि दोनों ने पुलिसकर्मियों को देखकर उन पर चाकू से हमला करने का प्रयास किया। इस घटना के बाद पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने इसरार और कामिल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 307, 332, 353 तथा क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। वहीं गोकशी के आरोप में गोवध निवारण अधिनियम की धारा 3/5/8 के तहत अलग मुकदमा दर्ज किया गया। दोनों मामलों की सुनवाई न्यायालय में एक साथ हुई। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का बारीकी से परीक्षण किया। सुनवाई के दौरान सामने आया कि घटना के समय मौके पर 50 से 100 लोगों की भीड़ मौजूद होने का दावा किया गया था, लेकिन अभियोजन पक्ष किसी भी स्वतंत्र व्यक्ति को गवाही के लिए न्यायालय में पेश नहीं कर सका। केवल पुलिसकर्मियों की गवाही के आधार पर आरोप साबित करने का प्रयास किया गया। अदालत ने पाया कि पुलिसकर्मियों की गवाही में कई महत्वपूर्ण विरोधाभास सामने आए। इसके अलावा कथित बरामदगी, बरामद सामान को सील करने की प्रक्रिया और मालखाने में जमा कराने से संबंधित साक्ष्यों में भी कमियां पाई गईं।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

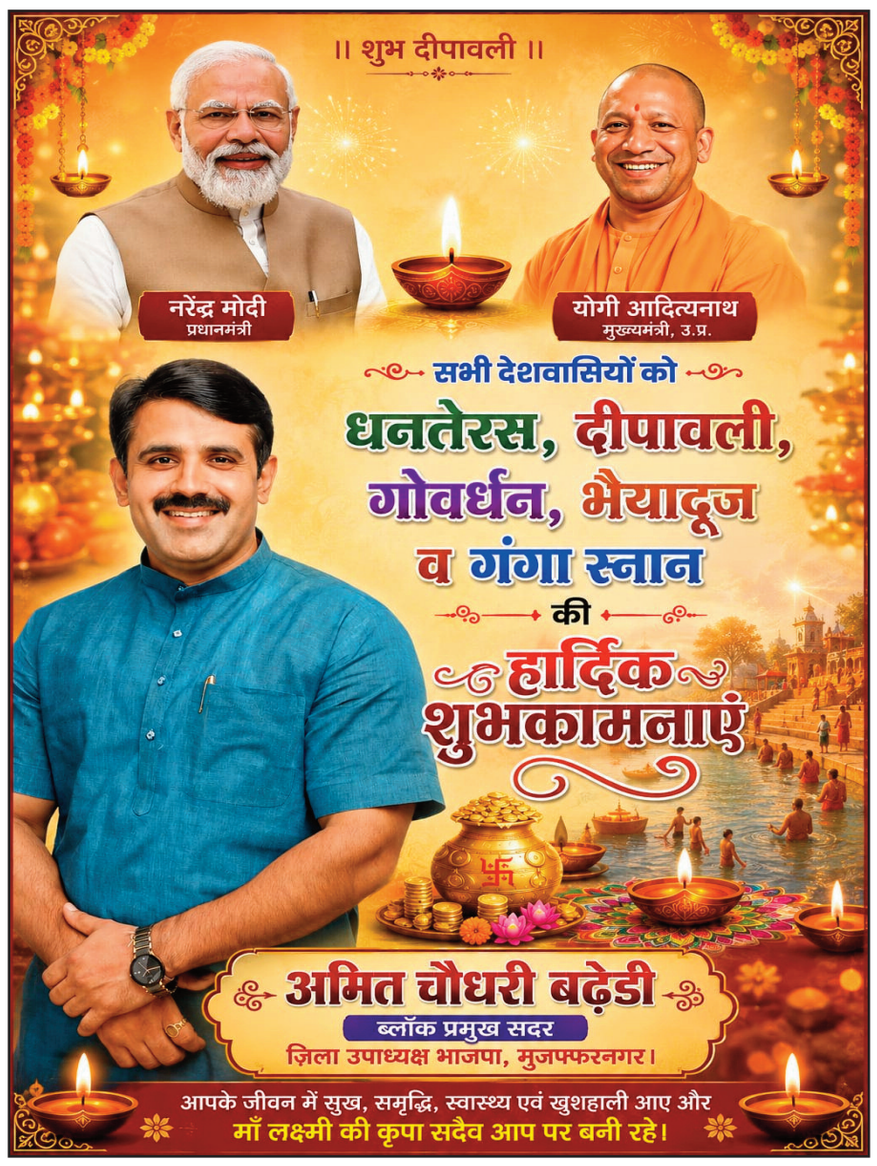
सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

समक्ष: श्रीमान निदेशक मुद्रण एवं लेखन सामग्री प्रयागराज

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स श्रवण कोल्ड स्टोरेज एण्ड जनरल मिल्स पता-रामबाग, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर तहसील सदर मुजफ्फरनगर उ.प्र.-251001 जिसका पंजीकरण सं0-31101 दिनांक 04.08.2005 है, उक्त फर्म में गोविन्द स्वरूप, आशा कुमारी स्वरूप, श्रीमती बीना कुमारी जलान व श्रीमती नन्दिता सिंघल पार्टनर थे, जिसमें दिनांक 01.01.2012 में श्रीमती आशा कुमारी स्वरूप व श्रीमती नन्दिता सिंघल स्वेच्छा से अपनी साझेदारी समाप्त की है तथा दिनांक 07.01.2013 में श्रीमती बीना कुमारी जालान की मृत्यु हो चुकी है तथा दिनांक 01.01.2012 में सिद्धार्थ कुमार स्वरूप व आनंद विक्रम स्वरूप व दिनांक 08.01.2013 में अनिरुद्ध जालान फर्म में सम्मिलित हुए है, अब फर्म में 1. गोविन्द स्वरूप, 2. सिद्धार्थ कुमार स्वरूप, 3. अनंत विक्रम स्वरूप व 4. अनिरुद्ध जलान साझेदार हैं, फर्म में कोई विवाद नहीं है।







रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शनिवार 07 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने धनतेरस पर दी 100 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

नगरपालिका बोर्ड बैठक में 112 प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मिली मंजूरी, 64 करोड़ रुपये से होंगे 329 निर्माण एवं सौंदर्यीकरण के कार्य, कर्मचारियों को भी राहत

मुजफ्फरनगर। धनतेरस के अवसर पर नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने शहरवासियों को विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी है। नगरपालिका परिषद की शुक्रवार को टाउनहाल स्थित पालिका मुख्यालय के सभागार में आयोजित बोर्ड बैठक में शहर के विकास और अन्य मद से जुड़े 112 प्रस्तावों को सदन ने सर्वसम्मति से मंजूरी प्रदान की। इन प्रस्तावों के तहत शहर में 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्माण, सौंदर्यीकरण, पेयजल, पथ प्रकाश और सफाई व्यवस्था से जुड़े कार्य कराए जाएंगे। इसके साथ ही महापुरुषों के नाम पर दो चौराहों का नामकरण किया गया। बैठक में विकास कार्यों को लेकर पूरा सदन एकजुट दिखाई दिया और सभी प्रस्तावों पर सदस्यों ने सहमति जताई।

बोर्ड बैठक की अध्यक्षता नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने की। अधिशासी अधिकारी पवन कुमार ने राष्ट्रगीत वंदेमातरम के बाद सदन के समक्ष 112 प्रस्तावों वाला एजेंडा प्रस्तुत किया। बोर्ड बैठक की शुरूआत में ही वार्ड संख्या 33 की सभासद सीमा जैन पत्नी विकल्प जैन ने जैन समाज के धार्मिक प्रतीक के रूप में पहचान रखने वाले शहर के वहलना चौक का नया नामकरण करने के प्रस्ताव का विरोध करते हुए पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप को पत्र दिया और कहा कि महाराणा प्रताप प्रतापी महापुरुष हुए मैं और समाज उनका सम्मान करते हैं, उनके नाम से शहर में दूसरा स्थान चिन्हित कर भव्य स्मारक बनाया जाये, उन्होंने जैन समाज की भावना को रखते हुए वहलना चौक के नामकरण प्रस्ताव पर विचार करने का आग्रह किया।

बोर्ड बैठक में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ ही नए विकास कार्यों और कर्मचारियों से संबंधित प्रस्ताव शामिल रहे। एजेंडे पर सदस्यों के बीच विस्तार से चर्चा हुई, जिसके बाद सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।



साथ ही पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि भी की गई। पालिका की कार्ययोजना में सबसे बड़ा हिस्सा निर्माण एवं विकास कार्यों का है। करीब 64 करोड़ रुपये की लागत से शहर में 329 निर्माण, विकास और सौंदर्यीकरण संबंधी कार्य कराए जाएंगे। इनमें विभिन्न वार्डों की सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों के विकास के साथ लंबे समय से उपेक्षित फक्करशाह चौक का कायाकल्प भी इसी योजना के अंतर्गत कराया जाएगा।

शहर को रोशनी से जगमग करने और रात्रिकालीन आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए करीब तीन करोड़ रुपये की धनराशि से आधुनिक प्रकाश व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके तहत फैंसी लाइट, हाईमास्ट लाइट और 45 से 75 वाट तक की एलईडी स्ट्रीट लाइट खरीदी जाएंगी। शहरवासियों को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए करीब 10 करोड़ रुपये के कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। विस्तारित सीमा में शामिल नए क्षेत्रों तक पेयजल आपूर्ति पहुंचाने के लिए नई पाइपलाइन बिछाई जाएंगी। इसके अलावा ट्यूबवेलों की क्षमता बढ़ाने और पुरानी पेयजल लाइनों के उच्चीकरण का कार्य भी कराया जाएगा। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पालिका में आउटसोर्सिंग के माध्यम से 50 अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति किए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। बैठक में कर्मचारियों के हितों से जुड़े प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। दिवाली के अवसर पर पालिका के सफाई कर्मचारियों सहित अन्य कर्मचारियों को ठंडे मौसम के अनुरूप वर्दी उपलब्ध कराने के लिए भुगतान तथा चिकित्सा प्रतिपूर्ति से संबंधित प्रस्ताव पारित किए गए। बोर्ड बैठक में शहर की पहचान और महापुरुषों के सम्मान से जुड़े दो महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। इसके तहत शहर में एक चौराहे का नामकरण महाराणा प्रताप के नाम पर और दूसरे का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया जाएगा।

खतौली में पटाखों का अवैध जखीरा बरामद

175.5 किलो विस्फोटक पटाखों के साथ एक गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। दीपावली के त्योहार के बाद भी अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। खतौली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक पटाखों का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 17 बोरों और गत्तों में रखे कुल 175.5 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपदभर में अवैध विस्फोटक सामग्री और पटाखों के भंडारण तथा अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी खतौली रुपाली राय चौधरी और थाना प्रभारी दिनेश चंद्र के नेतृत्व में खतौली पुलिस



ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने छह नवंबर 2026 को कार्रवाई करते हुए राजाराम मंडी निवासी अभय पुत्र राजेश सोम को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 17 बोरों और गत्तों में रखे 175.5 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद हुए। इतनी बड़ी मात्रा में पटाखों की बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। खतौली पुलिस ने बरामद पटाखों को कब्जे में लेकर आरोपी अभय के खिलाफ थाना खतौली में मुकदमा अपराध संख्या 362/2026 धारा 5/9बी विस्फोटक अधिनियम के तहत दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। अवैध पटाखों की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल धीरेन्द्र सिंह, कांस्टेबल प्रवीन कुमार और कांस्टेबल अजीत सिंह शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई को अवैध विस्फोटक सामग्री के भंडारण और बिक्री पर अंकुश लगाने के अभियान की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

मेरठ के चार गांजा तस्कर गिरफ्तार, 25 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद

त्योहारों के सीजन में मोटा मुनाफा कमाने के लिए कर रहे थे गांजे की

मुजफ्फरनगर। जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में थाना खालापार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मेरठ के रहने वाले चार कथित गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 25 किलो 700 ग्राम अवैध गांजा और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख 85 हजार 500 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार चारों आरोपी गांजे की खेप को बिक्री के लिए ले जा रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने त्योहारों के सीजन में गांजे की मांग बढ़ने और अधिक मुनाफा कमाने के उद्देश्य से तस्करी करने की बात स्वीकार की है। आरोपियों ने गांजा उत्तराखंड के रहने वाले हरीश से खरीदने की जानकारी भी दी है। गिरफ्तार आरोपियों में एक थाना कंकरखेड़ा का हिस्ट्रीशीटर बताया गया है, जबकि अन्य आरोपियों के खिलाफ भी मेरठ और मुजफ्फरनगर के विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज हैं। सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा ने थाना खालापार में पत्रकारों से वार्ता कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर के निकट पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में छह नवंबर 2026 को थाना खालापार चौकी प्रभारी असगर अली, उपनिरीक्षक संजय सिंह, मुख्य आरक्षी शिवओम भाटी, अनिल कुमार, जितेंद्र तथा आरक्षी राहुल कुमार, अंकित कुमार और अंकित कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग और गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मेरठ रोड से गरहाबाग की ओर जाने वाले रास्ते पर शारडेन स्कूल के पीछे वाली



गली की तरफ से चार व्यक्ति हाथों में बैग लेकर आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर चारों व्यक्ति अचानक पीछे मुड़कर तेज कदमों से चलने लगे। उनकी संदिग्ध गतिविधियों को देखकर पुलिस टीम को शक हुआ और घेराबंदी कर चारों को मौके पर ही पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए चारों व्यक्तियों से पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम तालिब पुत्र अनवर, अनवर पुत्र हकीमुद्दीन, इरशान पुत्र इरफान और शहजाद पुत्र इलियास बताए। चारों मेरठ जनपद के थाना कंकरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम सिंधावली, रोहटा रोड के निवासी हैं। पुलिस के मुताबिक चारों के पास एक-एक बैग था। जब पुलिस ने बैगों के संबंध में पूछताछ की तो आरोपियों ने उनमें गांजा होने की जानकारी दी। तलाशी लेने पर चारों बैगों से कुल 25 किलो 700 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग कंपनियों के चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। पुलिस ने बरामद गांजे की कीमत करीब 3,85,500 रुपये आंकी है। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने यह गांजा उत्तराखंड के रहने वाले हरीश से खरीदा था। चारों इसे बेचकर मोटा मुनाफा कमाने की तैयारी में थे। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि त्योहारों का सीजन होने के कारण गांजे की मांग अधिक थी और उन्हें इस समय ज्यादा मुनाफा मिलने की उम्मीद थी। इसी कमाई से वे अपने परिवार का खर्च और शौक पूरे करते थे। पुलिस अब इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी, इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था और इस तस्करी के नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। उत्तराखंड के बताए गए सप्लायर के संबंध में भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में अनवर पुत्र हकीमुद्दीन का आपराधिक इतिहास पुलिस के अनुसार सबसे लंबा है। वह थाना कंकरखेड़ा जनपद मेरठ का हिस्ट्रीशीटर नंबर 155ए बताया गया है।

स्कूल में चोरों ने लगाई सेंध, 45 हजार का सामान और नकदी चोरी

सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ चोरी करता चोर, मां सरस्वती की मूर्तियां और पीतल के स्मृति चिह्न ले गए बदमाश

मुजफ्फरनगर। शहर में चोरों के हौसले लगातार बुलंद नजर आ रहे हैं। अब चोरों ने रेलवे लाइन रोड स्थित साकेत क्षेत्र में विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाईस्कूल को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये के कीमती सामान और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। अज्ञात चोर विद्यालय में घुसकर 15 बिगुल, कैमरा, पीतल के स्मृति चिह्न, मां सरस्वती की मूर्तियां सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। चोरी किए गए सामान की कीमत करीब 40 से 45 हजार रुपये बताई गई है। खास बात यह है कि विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोर चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से थाना सिविल लाइन में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने और चोरी का सामान बरामद कराने की मांग की गई है। तहरीर के अनुसार रेलवे लाइन रोड स्थित साकेत में विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाईस्कूल में 24 अक्टूबर 2026 की रात करीब 11 बजे से 25 अक्टूबर की सुबह चार बजे के बीच अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर विद्यालय परिसर में दाखिल हुए और वहां रखा कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। सुबह विद्यालय पहुंचने पर सामान गायब मिलने से चोरी का पता चला। चोर विद्यालय से तांबे और पीतल के 15 बिगुल, एक कैमरा, पीतल के पांच स्मृति चिह्न तथा तांबे और चांदी की मां सरस्वती की दो मूर्तियां चोरी कर ले गए। इसके अलावा विद्यालय में लगी अनेक टोटियां भी उखाड़कर ले गए। चोर विद्यालय में रखी करीब 10 से 12 हजार रुपये की नकदी भी अपने साथ ले गए। विद्यालय प्रबंधन के मुताबिक चोरी हुए सामान की कुल अनुमानित कीमत 40 से 45 हजार रुपये है। विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे इस चोरी की घटना में अहम सुराग साबित हो सकते हैं। तहरीर में बताया गया है कि कैमरों की फुटेज में चोर चोरी करते हुए स्पष्ट दिखाई दे रहा है। इससे पुलिस को आरोपी की पहचान करने और वारदात का खुलासा करने में मदद मिलने की उम्मीद है। विद्यालय की ओर से सुधीर कुमार पुत्र लच्छीराम निवासी 433 लद्दावाला, मुजफ्फरनगर ने थाना सिविल लाइन में लिखित शिकायत देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान कर चोरी हुआ सामान बरामद कराने तथा आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। पुलिस की ओर से तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करने की कार्रवाई सीसीटीएनएस पर दर्ज किए जाने का उल्लेख किया गया है।

चरथावल में अवैध पटाखों के गोदाम पर पुलिस का छापा, विस्फोटक सामग्री बरामद

26 कार्टून पटाखों का अवैध भंडारण कर बिक्री की तैयारी का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। दीपावली के त्योहार पर अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ मुजफ्फरनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। चरथावल कस्बे में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर झोटा कबाड़ी वाली गली स्थित एक गोदाम पर छापेमारी कर करीब 605 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए हैं। गोदाम से विभिन्न मार्का के पटाखों के 26 कार्टून मिले हैं। पुलिस ने मौके से एक आरोपी लव गर्ग को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि गोदाम में लव गर्ग और उसके चाचा मनीष गर्ग के नाम से पटाखों का भंडारण किया गया था। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध पटाखों का कारोबार करने वालों में खलबली मच गई है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद में अवैध विस्फोटक सामग्री और पटाखों के भंडारण तथा अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए



अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार के नेतृत्व में चरथावल पुलिस को यह सफलता मिली। पांच नवंबर को थाना चरथावल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कस्बे की झोटा कबाड़ी वाली गली में लव गर्ग पुत्र आशीष गर्ग और उसके चाचा मनीष गर्ग पुत्र सुभाषचंद गर्ग के गोदाम में बड़ी मात्रा में अवैध पटाखे रखे हुए हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक सत्यनारायण दहिया ने पुलिस टीम के साथ गोदाम पर छापेमारी की। पुलिस टीम ने गोदाम की तलाशी ली तो वहां विभिन्न मार्का के पटाखों के 26 कार्टून रखे मिले। पुलिस के मुताबिक, इन सभी कार्टूनों में रखी विस्फोटक सामग्री और पटाखों का कुल वजन करीब 605 किलोग्राम है। इतनी बड़ी मात्रा में पटाखों का भंडारण किए जाने को लेकर पुलिस ने जांच-पड़ताल की और मौके से लव गर्ग को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि पटाखों को अवैध रूप से बिक्री करने के उद्देश्य से गोदाम में भंडारित किया गया था। बिना वैधानिक अनुमति इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री का भंडारण सुरक्षा के लिहाज से गंभीर मामला है। इससे आग लगने अथवा विस्फोट जैसी बड़ी दुर्घटना का खतरा भी बना रह सकता था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लव गर्ग पुत्र आशीष गर्ग निवासी मोहल्ला झोटा वाली गली, कस्बा चरथावल के रूप में हुई है। पुलिस की कार्रवाई में उसके चाचा मनीष गर्ग पुत्र सुभाषचंद गर्ग का नाम भी गोदाम में पटाखों के भंडारण की सूचना के संबंध में सामने आया है। बरामद पटाखों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। मामले में भंडारण, बिक्री और आवश्यक अनुमति से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी लव गर्ग की गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में थाना चरथावल पर मुकदमा अपराध संख्या 208/2026 दर्ज किया है।

एमजी पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया दीपावली पर्व

विद्यार्थियों ने दीया मेकिंग, बंदनवार और कला प्रतियोगिताओं में दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

मुजफ्फरनगर। एम.जी. पब्लिक स्कूल में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास, उमंग और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और रचनात्मकता का सुंदर संगम देखने को मिला। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी रंगोलियों, आकर्षक दीपों और सजावटी कलाकृतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वहीं शिक्षक-शिक्षिकाओं की भजन प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में एम.जी. चौरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश चन्द गोयल, एम.जी. पब्लिक स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के उपाध्यक्ष विनीत सिंघल तथा कोषाध्यक्ष रोहित सिंघल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग ने अतिथियों का स्वागत



किया। दीपावली समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा भगवान गणेश और माता लक्ष्मी के पूजन तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भगवान श्रीराम की भक्ति पर आधारित मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों और भक्तिमय वातावरण ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। दीपावली के अवसर पर विद्यालय में एक सप्ताह से विभिन्न कक्षा आधारित रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जा रही थीं। इनके समापन पर विद्यार्थियों ने दीया मेकिंग, बंदनवार मेकिंग, कला एवं शिल्प तथा सजावट प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक कौशल का परिचय देते हुए आकर्षक दीप, बंदनवार और सजावटी वस्तुएं तैयार कीं। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों का उपयोग विद्यालय परिसर की सजावट में किया गया। इसके अतिरिक्त दीपावली के पंच महोत्सव की थीम पर बनाई गई मनमोहक रंगोलियों ने समारोह की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। रंगों और दीपों से सजे विद्यालय परिसर में उत्सव का विशेष आकर्षण दिखाई दिया। इस अवसर पर एम.जी. चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश चन्द गोयल ने अपने संबोधन में दीपावली के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल रोशनी का त्योहार नहीं है, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग करने तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि त्योहारों का वास्तविक उद्देश्य समाज में प्रेम, सद्भाव और खुशियां बांटना है।

निमार्णाधीन मकान से 40 हजार के बिजली के तार चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

दीवार फांदकर मकान में घुसा चोर, तार काटकर ले गया बदमाश, पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र की वसुंधरा कॉलोनी में चोरों ने एक निमार्णाधीन मकान को निशाना बनाकर करीब 40 हजार रुपये कीमत के बिजली के तार चोरी कर लिए। चोर ने मकान की दीवार फांदकर अंदर प्रवेश किया और बिजली फिटिंग के लिए रखे तारों के बंडल चोरी करने के साथ ही दीवारों में फिट किए जा रहे तारों को भी काटकर निकाल लिया। चोरी की यह पूरी करतूत आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फुटेज में चोर मकान के अंदर घुसते, चोरी करने के बाद सामान छिपाते और अगले दिन दोबारा तार लेकर जाते हुए दिखाई दे रहा है। पीड़ित ने पहले नई मंडी थाने में शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई। पुलिस ने अब पीड़ित की शिकायत पर चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। योगेंद्रपुरी कॉलोनी निवासी ऋषिपाल सिंह पुत्र स्वर्गीय श्रीराम का फेज आठ बड़े पार्क के पास वसुंधरा कॉलोनी में मकान निमार्णाधीन है। मकान में बिजली के तारों की फिटिंग सहित अन्य निर्माण कार्य चल रहा है। पीड़ित के अनुसार वह रात में इसी निमार्णाधीन मकान में सोता है और सुबह करीब पांच बजे अपने योगेंद्रपुरी स्थित घर चला जाता है। इसके बाद सुबह करीब नौ बजे वापस निमार्णाधीन मकान पर पहुंचता है। पीड़ित ने बताया कि 20 अक्टूबर 2026 को सुबह पांच बजे मकान से जाने के बाद सुबह छह से नौ बजे के बीच अज्ञात चोर दीवार फांदकर मकान में घुस गया। चोर ने वहां रखे बिजली फिटिंग के खुले तारों के बंडल चोरी कर लिए। इसके अलावा दीवारों में फिटिंग के लिए लगाए जा रहे तारों को भी काटकर खींच लिया और अपने साथ ले गया। सुबह नौ बजे जब पीड़ित मकान पर पहुंचा तो तार गायब देखकर चोरी का पता चला। पीड़ित के अनुसार 21 अक्टूबर की सुबह करीब आठ बजे पड़ोसी सोहनवीर का फोन आया। उसने बताया कि एक चोर बिजली के तार चोरी करके ले जा रहा था। पड़ोसी अनिरुद्ध पंवार, जिनका मकान कोने पर स्थित है, ने अपने घर में लगे कैमरे में संदिग्ध को देखा।

इसके बाद वह गेट खोलकर बाहर आए तो लोगों की आवाजाही देखकर चोर घबरा गया। वह कुछ तार मौके पर छोड़कर भाग गया, जबकि कुछ सामान अपने साथ ले गया। सूचना मिलने पर ऋषिपाल सिंह अपने बेटे गौरव कुमार के साथ वसुंधरा कॉलोनी पहुंचे। वहां उन्होंने जो तार बरामद किए, उन्हें देखकर पहचान लिया। तार जिन कपड़ों में लिपटे हुए थे, वे भी उनके निमार्णाधीन मकान में रखे हुए थे। पीड़ित के अनुसार बरामद तार लिबरा कंपनी के थे, जिनमें 1.5 एमएम और अन्य माप के बिजली के तार शामिल थे। कुछ तार ऐसे भी थे, जिन्हें चोर दीवारों की फिटिंग से काटकर निकाल ले गया था और वे बरामद नहीं हुए। पीड़ित ने चोरी से करीब 40 हजार रुपये का नुकसान होना बताया है। पीड़ित ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक कराई तो उसमें चोरी की वारदात से जुड़ी गतिविधियां स्पष्ट दिखाई दीं।

नाली के पानी को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

लाठी-डंडों और सरियों से हमला, परिवार के कई लोग घायल

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांव मुस्तफाबाद में नाली के पानी की निकासी को लेकर शुरू हुआ विवाद दो पक्षों के बीच हिंसक संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने सत्यवीर सिंह के परिवार पर लाठी-डंडों और लोहे की सरियों से हमला कर दिया। हमले में परिवार के कई लोग घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने घर में घुसकर परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की और महिलाओं से भी अभद्रता की। घटना के दो वीडियो गुरुवार रात करीब 11 बजे से सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहे हैं। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच मारपीट होती दिखाई दे रही है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पीड़ित सत्यवीर सिंह के मुताबिक, विवाद की शुरूआत एक दिन पहले नाली निर्माण के दौरान हुई थी। नाली का निर्माण कराए जाने के समय पानी रोकने को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी। उस समय गांव के लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत करा दिया था। हालांकि, आरोप है कि विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ और अगले दिन फिर से दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। सत्यवीर सिंह के अनुसार, अगले दिन उनका परिवार का सदस्य सागर दौड़ लगाकर घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों ने उसे रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी और उसके साथ मारपीट की। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि इस घटना के कुछ देर बाद दूसरे पक्ष के लोग लाठी-डंडे और लोहे की सरियों से लैस होकर उनके घर पहुंच गए। पीड़ित परिवार के मुताबिक, अजय कुमार, बिट्टू, जयपाल, अक्षय कुमार और मोहित समेत कई लोग उनके घर पहुंचे। आरोप



है कि हमलावरों ने घर में घुसकर परिवार के सदस्यों पर लाठी-डंडों और सरियों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से परिवार में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान महिलाओं के साथ भी अभद्रता किए जाने का आरोप लगाया गया है। परिवार के लोगों ने हमले का विरोध किया, लेकिन आरोपियों ने मारपीट जारी रखी। हमले में प्रशांत कुमार पुत्र सत्यवीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा हरवीर सिंह, सागर और संजो को भी चोटें आई हैं। परिजनों के मुताबिक, प्रशांत के सिर में गंभीर चोट आने के कारण टांके लगाने पड़े, जबकि कमर में भी चोट आई है। उनके हाथ में फ्रैक्चर होने की बात भी बताई गई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज कराया गया। घटना के बाद मारपीट के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। गुरुवार रात करीब 11 बजे से प्रसारित हो रहे इन वीडियो में दोनों पक्षों के बीच मारपीट होती दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद गांव में हुई घटना को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, वायरल वीडियो की पूरी परिस्थितियों और घटनाक्रम की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पीड़ित सत्यवीर सिंह की शिकायत पर नई मंडी कोतवाली पुलिस ने अजय कुमार, बिट्टू, जयपाल, अक्षय कुमार और मोहित समेत अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए कुछ लोगों को हिरासत में लिए जाने की भी जानकारी सामने आई है। वहीं, पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमले के बाद से उन्हें आरोपियों की ओर से दोबारा हमला किए जाने का खतरा बना हुआ है। परिवार ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

संपादकीय

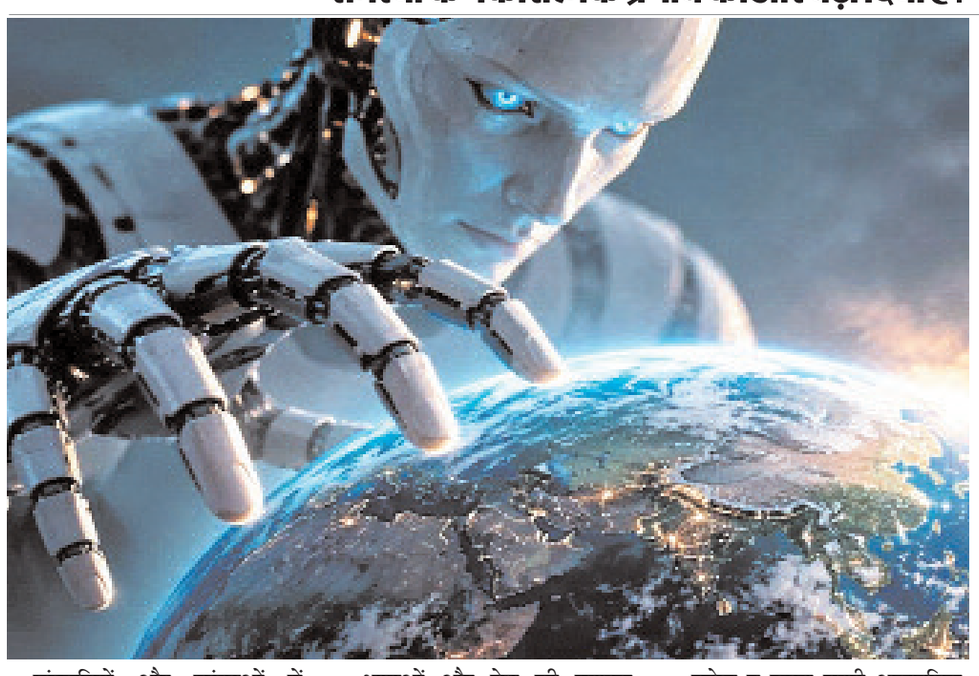
पर्यावरण की बात पर सियासत

सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों का दायित्व है कि वे समाज में जागरूकता फैलाने वाले संदेशों को प्रोत्साहित करें, न कि उन्हें नाहक ही विवाद का विषय बनाएं। कोई भी त्योहार उत्साह, प्रेम, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश देता है। भारत में सभी धर्मों के उत्सवों का सम्मान करने की परंपरा रही है। साथ ही इस बात का खयाल रखने पर भी जोर दिया जाता रहा है कि खुशियों की अभिव्यक्ति में पर्यावरण को नुकसान न हो।ऐसे में अभिनेत्री दीया मिर्जा के पर्यावरण अनुकूल दिवाली मनाने के वीडियो संदेश को सांप्रदायिकता से जोड़कर नाहक ही विवाद खड़ा करने के प्रयासों को किसी भी सूरत में उचित नहीं ठहराया जा सकता। पर्यावरण संरक्षण किसी धर्म, जाति या समुदाय का विषय नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।वैसे भी दीया मिर्जा का यह संदेश बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अभियान का हिस्सा था, जिसे बाद में राजनीतिक दबाव के कारण हटा दिया गया। मगर बंबई उच्च न्यायालय ने इस वीडियो संदेश को न केवल फिर से जारी करने का निर्देश दिया, बल्कि इस विवाद पर गंभीर चिंता भी जाहिर की। दरअसल, यह विवाद सार्वजनिक बहस के उस रूप को दर्शाता है, जहां हर चीज को उसके मूल उद्देश्य के बजाय धर्म और राजनीतिक नफा-नुकसान के तराजू में तौला जाता है। बड़ा प्रश्न यह है कि क्या प्रदूषण केवल किसी एक समुदाय को प्रभावित करता है?क्या स्वच्छ हवा का भी कोई धर्म होता है? इस मामले में अदालत का हस्तक्षेप केवल एक वीडियो संदेश की बहाली नहीं, बल्कि सार्वजनिक विवेक की पुनर्स्थापना का प्रयास भी है। राजनेताओं और धार्मिक संगठनों को यह समझना होगा कि हर मुद्दे को सांस्कृतिक संघर्ष में बदल देना सियासी लाभ का आसान रास्ता भले लगे, लेकिन वास्तव में इससे सामाजिक विश्वास और सद्भाव ही कमजोर होता है।दिवाली के दौरान पटाखों के अत्यधिक इस्तेमाल से वायु और ध्वनि प्रदूषण की समस्या गंभीर हो जाती है और इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से भी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति सजगता और लोगों से जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाने की अपील करना एक सकारात्मक पहल है। सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों का दायित्व है कि वे समाज में जागरूकता फैलाने वाले संदेशों को प्रोत्साहित करें, न कि उन्हें नाहक ही विवाद का विषय बनाएं।

अकादमिक शोध पर एआई का बढ़ता प्रभाव, मौलिक चिंतन और बौद्धिक नैतिकता के सामने चुनौती

इसके उदय ने नीतिगत पहलों और समय-समय पर हिंदी के क्षेत्र में व्यक्तियों द्वारा किए गए सीमित, लेकिन गंभीर प्रयासों से जुड़ी बौद्धिक संभावनाओं तथा भविष्य की उम्मीदों पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।हालांकि, देश में पहले भी ऐसे लोगों की कमी नहीं थी, जो सामने दो पुस्तकें रखकर तीसरी पुस्तक लिख देते थे। अपने शोध और लेखन में पूर्ववर्ती शोध के प्रति सम्मान का अभाव तथा उचित संदर्भ-ग्रंथों का उल्लेख न करना हमारी अकादमिक दुनिया में पहले से ही चिंता का विषय रहा है। कृत्रिम मेधा ने इस समस्या के नकारात्मक प्रभाव को और बढ़ा दिया है।

(अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी)



आज यह व्यापक चिंता का विषय होना चाहिए कि इससे पहले कि भारतीय भाषाओं में चिंतन और लेखन का आधुनिक ढांचा विकसित हो पाता, कृत्रिम मेधा का दौर सामने आ गया। इसके उदय ने नीतिगत पहलों और समय-समय पर हिंदी के क्षेत्र में व्यक्तियों द्वारा किए गए सीमित, लेकिन गंभीर प्रयासों से जुड़ी बौद्धिक संभावनाओं तथा भविष्य की उम्मीदों पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

यह एक दार्शनिक पक्ष है कि कोई रचना अपने आप में इतनी प्रभावशाली हो सकती है कि वह अपने रचनाकार की आभा से मुक्त हो जाए। इसकी तुलना कृत्रिम मेधा यानी एआइ और अकादमिक शोधों के प्रसंग में भी की जा सकती है। वर्तमान में दुनिया भर में एआई का प्रभाव इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि उसमें चिंतन और शोध की मौलिकता लगातार प्रश्नांकित हो रही है।

आज समाज का कोई क्षेत्र एआइ के प्रभाव से अछूता नहीं है और कमोबेश हर क्षेत्र में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में इसकी भूमिका है। इसीलिए समाज में अलग-अलग क्षेत्रों में इसका स्वागत भी किया जा रहा है। मगर जहां तक अकादमिक शोध और लेखन का सवाल है, तो इस पर एआइ का सकारात्मक से अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ना शुरू हो चुका है।

देश के अकादमिक शोधों, बौद्धिक नैतिकता और मौलिक चिंतन के संदर्भ में देखा जाए, तो व्यापक तौर पर यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि आज नवाचार की भावना प्रभावित हो रही है, साथ ही शोधों की पूरी प्रक्रिया में एक सतहीपन देखा जा सकता है।

दूसरी तरफ, कृत्रिम मेधा के विविध आयाम तेजी से अद्यतन हो रहे हैं। इस तेजी को इस रूप में भी देखा जाना चाहिए कि दुनिया की शीर्ष कृत्रिम मेधा कंपनियों के इंजीनियर इस संभावना के साथ इससे स्वयं को अलग करना शुरू कर चुके हैं, जिनमें उनका मानना है कि यह तकनीक भविष्य में इतनी शक्तिशाली हो सकती है कि संभव है वह मनुष्य के नियंत्रण से बाहर हो जाए।

उल्लेखनीय है कि भारत की भाषाई विविधता विश्व में अद्वितीय है और निस्संदेह यह समूची मानवता की अमूल्य धरोहर है। देश में लोक-ज्ञान का विशाल भंडार है, जो सैकड़ों भाषाओं के माध्यम से विविध संस्कृतियों और परंपराओं में अभिव्यक्त होता है। मगर उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अंग्रेजी का वर्चस्व एक स्थापित तथ्य रहा है, जो ज्ञान के भारतीयकरण की दृष्टि से पहले से चुनौती रहा है।

गुणवत्तापूर्ण प्रकाशनों की व्यवस्था, उनके मूल्यांकन की प्रक्रिया और नियामकीय प्रावधान अंग्रेजी-केंद्रित रहे हैं, जिस कारण भारतीय भाषाएं पहले से ही हाशिये पर रही हैं। इनमें प्रकाशित शोध की पहुंच सीमित होने के कारण उसे कम अकादमिक मान्यता मिलती है और उनके उद्धरण भी अपेक्षाकृत कम होते हैं। इससे उस लेखन के प्रभाव का समुचित आकलन नहीं हो पाता। यह स्थिति शोधार्थियों और शिक्षाविदों को अंग्रेजी में लिखने के लिए भी प्रेरित करती है। इससे भारतीय भाषाओं में ज्ञान-सृजन की प्रक्रिया स्वयं चुनौती के घेरे में आ जाती है।

संस्कृत सहित देश की दूसरी शास्त्रीय भाषाओं में निहित ज्ञान पर गर्व करने के बावजूद आज हमारे सामने ज्ञान-परंपरा की सुसंगति और उसकी निरंतरता के संदर्भ में रिक्तता पैदा हो गई है। ऐसी स्थिति में ये प्रश्न अनुत्तरित ही रहे हैं कि भारतीय भाषाओं और देश की व्यापक संपर्क-भाषा हिंदी में शोध एवं मौलिक लेखन को आखिर कब तक दोयम दर्जे पर रखा जाएगा? क्या मौलिक ज्ञान-ग्रंथों के बिना किसी ज्ञानवान राष्ट्र की कल्पना की जा सकती है? निश्चित रूप से नहीं। उपभोक्तावादी राष्ट्र बाजार के लिए उपयोगी हो सकता है, लेकिन वास्तविक प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए उसे ज्ञानवान राष्ट्र के मानदंडों पर स्वयं को खरा उतारना होगा।

आज यह व्यापक चिंता का विषय होना चाहिए कि इससे पहले कि भारतीय भाषाओं में चिंतन और लेखन का आधुनिक ढांचा विकसित हो पाता, कृत्रिम मेधा का दौर सामने आ गया। इसके उदय ने नीतिगत पहलों और समय-समय पर हिंदी के क्षेत्र में व्यक्तियों द्वारा किए गए सीमित, लेकिन गंभीर प्रयासों से जुड़ी बौद्धिक संभावनाओं तथा भविष्य की उम्मीदों पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।हालांकि, देश में पहले भी ऐसे लोगों की कमी नहीं थी, जो सामने दो पुस्तकें रखकर तीसरी पुस्तक लिख देते थे। अपने शोध और लेखन में पूर्ववर्ती शोध के प्रति सम्मान का अभाव तथा उचित संदर्भ-ग्रंथों का उल्लेख न करना हमारी अकादमिक दुनिया में पहले से ही चिंता का विषय रहा है। कृत्रिम मेधा ने इस समस्या के नकारात्मक प्रभाव को और बढ़ा दिया है। एक समय था, जब कोई ईमानदार और जिज्ञासु शोधार्थी अकादमिक दक्षता प्राप्त करने के लिए पुस्तकालय-दर-पुस्तकालय भटकता था, सामग्री संकलित करता था और सैकड़ों शोध-प्रबंधों तथा पुस्तकों का अध्ययन करता था। मगर आज कृत्रिम मेधा की सहायता से पूरा शोध-प्रबंध घंटों में तैयार किया जा सकता है।

ऐसे में शोधार्थी को पहले जैसी मेहनत करने की आवश्यकता महसूस ही नहीं होती। इस तरह भारतीय भाषाओं के शोधों में बौद्धिक ईमानदारी और अकादमिक नैतिकता जैसे मूल्य स्थापित होने से पहले ही क्षीण होते दिखाई दे रहे हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री के अनाधिकृत उपयोग से प्रशिक्षित कृत्रिम मेधा के आयाम लोगों की इच्छानुसार सामग्री प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं।

यह विडंबना ही है कि वर्तमान में शोधों की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक 'कृत्रिम मेधा' आज भारतीय भाषाओं में शोध की संभावित उम्मीदों को कमजोर करने की दिशा में बढ़ रही है। इसमें संदेह नहीं कि औद्योगीकरण के विस्तार और जीवन के अनेक क्षेत्रों में सहयोग की दृष्टि से कृत्रिम मेधा एक क्रांतिकारी आविष्कार है, लेकिन इसकी सहायता से अकादमिक लेखन का जो वर्तमान स्वरूप उभर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है।

कई बार ऐसा भी प्रतीत होता है कि सूचना-क्रांति समाज में आवश्यकता से पहले पहुंच गई है, क्योंकि इंटरनेट पर अधकचरी सूचनाओं का सामना करने की परिपक्वता हमारे समाज में अभी विकसित नहीं हो पाई है। इसी तरह कृत्रिम मेधा के साधनों की हिंदी में उपलब्धता व्यापक सामाजिक मांग या आवश्यकता के विकसित होने से पहले की आपूर्ति है।

आज यदि एआई में हिंदी उपलब्ध नहीं होती, तो किसी शोध या परियोजना-लेखन की तैयारी करते समय सामग्री की खोज, छंटाई और अध्ययन की प्रक्रिया में शोधार्थी बहुत कुछ सीखता और नए ज्ञान से परिचित होता। मगर कृत्रिम मेधा के उपकरणों पर हिंदी की उपलब्धता ने शोधार्थी के बौद्धिक परिपक्वता अर्जित करने की संभावना को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

यह केवल वर्तमान के लिए चिंताजनक नहीं है, बल्कि इससे भविष्य के लिए जो खोखली बुनियाद तैयार हो रही है, वह देश की बौद्धिक विरासत के लिए भी जोखिम भरी हो सकती है। स्पष्ट है कि हमारे बौद्धिक समुदाय को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यदि हम समय से नहीं चेत पाए, तो कृत्रिम मेधा अकादमिक जगत के लिए सकारात्मक होने के बजाय नकारात्मक भूमिका में ज्यादा नजर आएगा।

इसके लिए तकनीक को दोष नहीं दिया जा सकता, जरूरत यह तय करने की है कि इसका इस्तेमाल कब, कैसे और किस कार्य के लिए करना उचित है। एआई पर बढ़ती निर्भरता से शोधकर्ताओं के नए तर्क गढ़ने, गहराई से सोचने और समस्याओं को खुद हल करने की क्षमता क्षीण हो सकती है। शोध के लिए अध्ययन की जगह अगर कृत्रिम मेधा ने ले ली, तो मौलिक रचनात्मकता का ह्रास होना तय है।

दिवाली पर पुरानी लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति प्रयोग करनी चाहिए या नहीं?

(ज्योति साह)

दिवाली की पूजा में पुरानी लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा दोबारा प्रयोग कर सकते हैं या नहीं, इसे लेकर शास्त्रों में क्या नियम बताए गए हैं और मूर्ति कब विसर्जित करें? अगर दिवाली पूजन को लेकर आपके मन में इस प्रकार के प्रश्न आ रहे हैं, तो जानें भगवान की मिट्टी और धातु की प्रतिमा को दोबारा प्रयोग करने के नियम।

दिवाली पूजन में आमतौर पर लक्ष्मी-गणेश की नई मूर्ति खरीदकर प्राण प्रतिष्ठा करके पूजा की जाती है। लेकिन कई बार पुरानी मूर्ति को विसर्जित करने का मन नहीं होता है और हम उसे पूजा में प्रयोग करना चाहते हैं। ऐसे में यह दुविधा मन में बनी रहती है कि पुरानी मूर्ति को दिवाली पूजा में प्रयोग कर सकते हैं या नहीं, इसे लेकर शास्त्रों में क्या विधान बताया गया है? इस विषय में पंडित राकेश झा कहते हैं कि कुछ परिस्थितियों में पुरानी भगवान की मूर्ति को दोबारा प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन कुछ परिस्थितियों में उन्हें विसर्जित ही करना पड़ता है। दिवाली पर भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की धातु तथा मिट्टी से बनी मूर्ति को दोबारा प्रयोग करने के क्या नियम और विधान है। साथ ही, लक्ष्मी-गणेश की पुरानी प्रतिमा को कब विसर्जित करना चाहिए। दिवाली पर लक्ष्मी-गणेश की पुरानी मूर्ति प्रयोग करने के नियम यह है।



मां लक्ष्मी और गणेशजी की चांदी की मूर्ति : अगर आपके पास भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की चांदी की प्रतिमा रखी है, तो उसे ही दिवाली पर भी आप प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन इस दौरान विशेष नियम का ख्याल जरूर रखें। पूजन से पहले भगवान की प्रतिमा को अच्छी तरह गंगाजल से स्वच्छ जरूर कर लें। इसके बाद, दिवाली पूजन में लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा स्थापित करें। यदि आप चाहें तो, दिवाली पर मिट्टी की मूर्ति भी ला सकते हैं और उसे दिवाली पूजन में रखें। फिर, अगली दिवाली से पहले उनका विसर्जन करें। लक्ष्मी-गणेश की चांदी की प्रतिमा को पूजा घर में ही स्थापित रखकर पूजा कर सकते हैं।

लक्ष्मी-गणेश की पीतल की मूर्ति : जिस प्रकार चांदी की मूर्ति को दिवाली की पूजा में प्रयोग कर सकते हैं, उसी प्रकार लक्ष्मी-गणेश की पीतल की प्रतिमा को भी गंगाजल से स्नान कराकर दिवाली पूजन में स्थापित किया जा सकता है। उन्हें नए वस्त्र आदि अर्पित करके विधि-विधान से पूजा करें। पंडित राकेश झा बताते हैं कि धातु की मूर्ति को स्वच्छ करके दोबारा पूजा में प्रयोग किया जा सकता है, जब तक की वो खंडित न हो। खंडित होने पर ही धातु की मूर्ति को विसर्जित किया जाता है। दिवाली पूजन के बाद आप दोबारा लक्ष्मी माता और गणेशजी की मूर्ति को पूजा घर में स्थापित कर सकते हैं।

माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्ति : आमतौर पर दिवाली पूजा में भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की नई मूर्ति खरीदकर प्राण प्रतिष्ठा करके पूजा करने की परंपरा चली आ रही है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कोई मूर्ति अपने पास रखने के बाद, उन्हें विसर्जित करने की इच्छा नहीं होती और मोह आने लगता है। ऐसे में मन में यह दुविधा आने लगती है कि पुरानी मूर्ति का प्रयोग दोबारा किया जा सकता है और इसके बारे में शास्त्रों में क्या बताया गया है? इसे लेकर पंडित राकेश झा कहते हैं कि अगर पुरानी मूर्ति कांतिहीन हो यानी जिसकी आभा समाप्त हो गई हो उसे विसर्जित कर देना चाहिए। ऐसी प्रतिमा का प्रयोग करना शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन अगर मूर्ति सही और उसकी आभा न खत्म हुई हो, तो उसे दोबारा रंगवाकर व पॉलिश करके प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन उसके साथ छोटी सी लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति भी जरूर रखें।

पुरानी लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति को कब विसर्जित करना चाहिए? : अगर आप पर धातु की मूर्ति है, तो दिवाली के दिन एक छोटी मिट्टी की लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति जरूर खरीदें। दिवाली पूजन में विधि-विधान से उनकी पूजा करें। फिर, पूरे अगले साल दिवाली पूजा के बाद ही उस मूर्ति को विसर्जित करना चाहिए। कभी भी दिवाली से पहले लक्ष्मी-गणेश की मिट्टी की मूर्ति को विसर्जित नहीं करना चाहिए। उसे अपने पूजा घर में सालभर जरूर रखें।

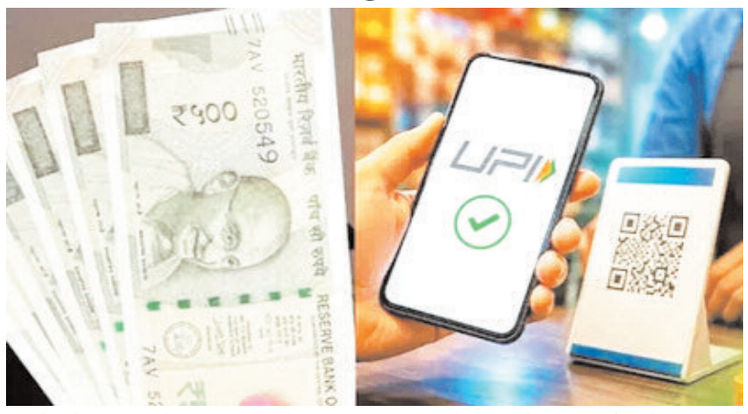
कैशलेस अर्थव्यवस्था की हकीकत, डिजिटल भुगतान के दौर में भी कायम है नकदी पर भरोसा

दुनिया भर में नकद भुगतान की हिस्सेदारी अलग-अलग है। अधिकांश विकासशील देशों में लोग लगभग पूरी तरह से नकद मुद्रा पर निर्भर हैं, जबकि नॉर्डिक और डिजिटल-फर्स्ट अर्थव्यवस्थाओं में यह फीसद ज्यादातर एक अंक में है। स्वीडन और नॉर्वे में नकदी का इस्तेमाल दुनिया में सबसे कम है। थाईलैंड, ग्रीस, मेक्सिको, इटली और वियतनाम जैसे देशों में पर्यटन एवं सेवा क्षेत्र में नकदी का इस्तेमाल अभी भी आम है। यह खासतौर पर यात्रा के दौरान छोटे-मोटे खर्चों के मामले में देखा जा सकता है।

(मनीष कुमार चौधरी)

भले ही डिजिटल माध्यम से भुगतान मुख्य रूप से रोजमर्रा के लेन-देन के लिए नकद पैसे की जगह ले रहा है, लेकिन यह उन सभी वजहों को खत्म नहीं करता, जिनके कारण लोग भौतिक रूप में पैसा रखना चाहते हैं। ज्यादातर लोगों के लिए आज भी नकद पैसा अनिश्चितता के समय के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह है। देश में डिजिटल भुगतान प्रणाली बड़ा बदलाव लेकर आई है। इससे नकद लेन-देन भले ही कम हुआ है, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था का पूरी तरह नकद रहित होना शायद अभी संभव नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि नकद पैसे का मकसद भी अब बदल रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, देश में यूपीआइ के जरिए प्रतिदिन औसतन 66 करोड़ रुपए का लेन-देन होता है। इस वर्ष मार्च में 2,264 करोड़ रुपए के लेन-देन का उच्चतम स्तर दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2025-26 में डिजिटल माध्यम से 24,161.7 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान हुआ। देश के कुल 'डिजिटल रिटेल पेमेंट वॉल्यूम' में यूपीआइ की हिस्सेदारी लगभग 85 फीसद है। इसके बावजूद नकद लेन-देन अर्थव्यवस्था में अपनी पैठ बनाए हुए है। आखिर क्या वजह है कि ऑनलाइन भुगतान के प्रति रुझान बढ़ने के साथ-साथ नकदी का महत्त्व बना हुआ है?

भले ही डिजिटल माध्यम से भुगतान मुख्य रूप से रोजमर्रा के लेन-देन के लिए नकद पैसे की जगह ले रहा है, लेकिन यह उन सभी वजहों को खत्म नहीं करता, जिनके कारण लोग भौतिक रूप में पैसा रखना चाहते हैं। ज्यादातर लोगों के लिए आज भी नकद पैसा अनिश्चितता के समय के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह है। बिजली जाने, नेटवर्क ध्वस्त होने, साइबर ठगी या डिजिटल भुगतान प्रणाली में खराबी आने पर पैसों का लेन-देन भी रुक जाता है। जबकि नकद पैसे के लिए किसी स्मार्टफोन, पासवर्ड, बैटरी या इंटरनेट की जरूरत नहीं होती।



इसका एक व्यापक सामाजिक पहलू भी है। बुजुर्गों, गरीब परिवारों, छोटे व्यापारियों और इंटरनेट की कम पहुंच वाले इलाकों में रहने वाले लोगों से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे पूरी तरह से स्मार्टफोन और बैंक खाते पर आधारित अर्थव्यवस्था में शामिल हो पाएंगे। नकद पैसा कुछ हद तक सुरक्षा और निजता के पहलू से भी जुड़ा है। लोग इस बात को भी समझने लगे हैं कि हर भुगतान डिजिटल तरीके से करने पर सुविधा और निगरानी साथ-साथ चल सकते हैं। दुनिया भर में नकद भुगतान की हिस्सेदारी अलग-अलग है। अधिकांश विकासशील देशों में लोग लगभग पूरी तरह से नकद मुद्रा पर निर्भर हैं, जबकि नॉर्डिक और डिजिटल-फर्स्ट अर्थव्यवस्थाओं में यह फीसद ज्यादातर एक अंक में है। स्वीडन और नॉर्वे में नकदी का इस्तेमाल दुनिया में सबसे कम है। थाईलैंड, ग्रीस, मेक्सिको, इटली और वियतनाम जैसे देशों में पर्यटन एवं सेवा क्षेत्र में नकदी का इस्तेमाल अभी भी आम है। यह खासतौर पर यात्रा के दौरान छोटे-मोटे खर्चों के मामले में देखा जा सकता है। जैसे टैक्सी का किराया, पर्यटन शुल्क, बीच पर खरीदारी, किराने की दुकान और रेस्तरां में भुगतान इत्यादि, जहां अक्सर नकदी ही सबसे सुविधाजनक या एकमात्र भुगतान का तरीका होता है।

विश्व के कुछ अन्य विकसित देशों की बात करें, तो जापान में नकद लेन-देन 42 फीसद, जबकि जर्मनी जैसे देश में 45 फीसद तक होता है। अमेरिका में यह लगभग 14 फीसद, तो ब्रिटेन में 8-9 फीसद तक होता है। वहीं, चीन में मात्र 5 से 9 फीसद लोग ही नकद लेन-देन करते हैं। विकासशील और छोटे देशों की बात की जाए, तो इनमें से कुछ में नकद लेन-देन 90-95 फीसद तक होता है। इनमें नेपाल, पाकिस्तान, लेबनान, म्यांमा, जाम्बिया, इथियोपिया और लाओस जैसे देश शामिल हैं। ऑस्ट्रिया, फिनलैंड, स्वीडन और नीदरलैंड की सरकारों ने तो अपने नागरिकों को सलाह दी है कि वे घर पर कुछ नकदी अवश्य रखें, ताकि बिजली आपूर्ति ठप होने, साइबर हमले या युद्ध जैसी स्थितियों में उन्हें किसी तरह की परेशानी से न जूझना पड़े। भारत की नकद पैसे पर निर्भरता का एक नकारात्मक पहलू भी है। इससे एक बड़ी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था पूरी तरह से वित्तीय पारदर्शिता के दायरे से बाहर काम करती है। संपत्ति की खरीद-फरोख्त इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जहां सरकारी मूल्यांकन यानी सर्कल रेट और असल बाजार कीमत के बीच का अंतर नकद भुगतान को बढ़ावा देता है। इससे जाहिर होता है कि नोटबंदी जैसे बड़े कदम के जरिए मौजूदा मुद्रा के भंडार को खत्म करने से ही वे आर्थिक कारण खत्म नहीं हो सकते, जो बिना रिकॉर्ड वाले भुगतान को जन्म देते हैं। इसलिए डिजिटल माध्यमों से भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल को देश के नकद ढांचे को खत्म करने की वजह मानना सही नहीं होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) को अभी भी नोट छापने वाली मशीनों, मुद्रा बांटने वाले तंत्र, एटीएम और नोटों के पर्याप्त रिजर्व की जरूरत है।

किसी भी अर्थव्यवस्था की मजबूती कुछ हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि जब उसकी मुख्य प्रणाली काम करना बंद कर दे, तो उसके पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था मौजूद हो। यूपीआइ ने भारत में लोगों के भुगतान करने के तरीके को जरूर बदला है, लेकिन अनिश्चित स्थिति के लिए नकद बचाकर रखने की मानवीय प्रवृत्ति को नहीं बदला है। इसलिए देश के डिजिटल बदलाव की असली परीक्षा यह नहीं है कि नकद लेन-देन खत्म हो जाए, बल्कि यह है कि क्या नागरिक बिना किसी प्रणाली के कमजोर पड़ने पर डिजिटल और नकद पैसे के बीच चुनाव कर सकते हैं। वर्ष 2016 की नोटबंदी ने देश की कुल नकद मुद्रा का 86 फीसद हिस्सा बेकार कर दिया था। कहा जा रहा था कि नोटबंदी से कालाधन बाहर आएगा, लेकिन औपचारिक तौर पर ऐसा कुछ होता हुआ नहीं दिखा। कुछ ही समय में यह सारा पैसा वापस वित्त व्यवस्था में लौट आया था। ऐसे में नोटबंदी के उद्देश्य को समझ पाना आम आदमी के लिए मुश्किल है।

भगवान वाल्मीकि चौक के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

वाल्मीकि क्रान्ति दल का सपना हुआ साकार, वाल्मीकि हितैषी भाजपा सरकार – गम्भीर



मुजफ्फरनगर - वाल्मीकि क्रान्ति दल के नेतृत्व मे समाज के गणमान्य लोगों ने भगवान वाल्मीकि चौक की स्थापना व वार्ड 9 मे वाल्मीकि धर्मशाला के जीर्णोद्धार के 28 लाख 65 हजार 790 रुपये की लागत से सौन्दर्य करण का प्रस्ताव पास किए जाने व माननीय कपिल देव अग्रवाल राज्य मंत्री स्वतंत्रत प्रभार द्वारा भगवान वाल्मीकि के तीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए 10 - 10, लाख रुपए दिए जाने की घोषणा की जिससे समाज मे अति हर्ष की अनुभूति हो रही है। वाल्मीकि क्रान्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक गम्भीर ने बताया कि संगठन व समाज का ने एक सपना देखा था कि शहर मे भी अन्य जिलों की भांति रामायण रचिता भगवान वाल्मीकि के चौराहे की स्थापना हो 2023 से वाल्मीकि क्रान्ति दल चौक की स्थापना के लिए निरन्तर प्रयास करता रहा। 23 नवम्बर 2021 मे वी के डी के द्वारा टाऊन हॉल रोड़ के तिराहे पर भगवान वाल्मीकि चौक की स्थापना कर दी जिसे पुलिस प्रशासन द्वारा 26 नवम्बर मे धराशाही कर दिया था। समाज व संगठन के निरंतर प्रयासों से आज भगवान वाल्मीकि चौक कु स्थापना का प्रस्ताव सीटी बोर्ड मे सर्वसम्मति से पास हो गया है। इसका श्रेय माननीय मंत्री कपिल देव अग्रवाल जी व चैयर्परसन मीनाक्षी स्वरुप जी को जाता है। समाज की दृष्टि से देखे तो भाजपा के द्वारा वाल्मीकि समाज को सर्वाधिक सम्मान मिला जैसे अयोध्या के राम मंदिर मे भगवान वाल्मीकि जी मूर्ति की स्थापना, अयोध्या धाम एयरपोर्ट का नाम भगवान वाल्मीकि के नाम से शिशोभित किया गया। वाल्मीकि समाज के व्यक्तियों को लोकसभा, विधानसभा मे जाने का असर दिया। संगठन मे हिस्सेदारी तय की। वहीं चैयर्परसन मीनाक्षी स्वरुप ने वाल्मीकि समाज के बेरोजगार युवा ,महिलाओं को रिकार्ड तोड़ रोजगार प्रदान किये व कर्मचारियों का वेतन माह की 5 तारिख से पूर्व देना सुनिश्चित किया। कर्मचारियों का बकाया नहीं है सभी कर्मचारियों को बीमा ईपीएफ की सुविधा दी गई है। जिससे कर्मचारियों को भविष्य मे कोई परेशानी का सामना न करना पड़े और आपना जीवन सुखमय व्यतीत कर सके। भाजपा की समाज हितैषी नितियों से प्रभावित होकर वाल्मीकि क्रान्ति ने चैयरपर्सन मीनाक्षी स्वरुप जी व माननीय सम्मानित सदन एवं माननीय मंत्री कपिल देव अग्रवाल जी का आभार प्रकट स्वरुप सदन के माननियो का पुष्प गुच्छ भेंट कर मिष्ठान वितरण कर ढोल ताशे के साथ स्वागत व सभी का आभार प्रकट किया।

बागपत के बड़ौत में जनपद स्तरीय रक्षक कार्यशाला आयोजित, 32 महिलाओं को बाल विवाह के खिलाफ किया जागरूक

बाल अधिकारों और बाल संरक्षण की दी गई जानकारी; बाल विवाह से प्रभावित साइमा और नईमा ने साझा किए अपने अनुभव, ग्रामीण समाज विकास केंद्र ने सामुदायिक सहभागिता पर दिया जोर

बागपत। जनपद के विकासखंड बड़ौत में जनपद स्तरीय रक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं को बाल विवाह की रोकथाम, बाल अधिकारों और बाल संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यशाला में कुल 32 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण में सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करना रहा।

कार्यशाला में महिला एवं बाल कल्याण विभाग से मोहित कुमार, ग्राम प्रधान रूबी, ग्रामीण समाज विकास केंद्र के जिला समन्वयक अमित कुमार, सीएस-डब्ल्यू अनमोल गुप्ता और प्रिंस कुमार उपस्थित रहे।

बाल विवाह के दुष्परिणामों की दी जानकारी

कार्यशाला के दौरान महिलाओं को बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और उनके सुरक्षित भविष्य को प्रभावित करता है। प्रतिभागियों को बाल विवाह की पहचान, इसकी रोकथाम और बाल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। साथ ही उन्हें अपने आसपास बाल विवाह जैसी घटनाओं को रोकने के लिए जागरूक रहने और जरूरत पड़ने पर



संबंधित विभागों तक सूचना पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि परिवार और समुदाय की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है।

साइमा और नईमा ने साझा किए बाल विवाह के अनुभव

कार्यशाला का महत्वपूर्ण पहलू बाल विवाह से प्रभावित महिलाओं की आपबीती रही। इस दौरान साइमा और नईमा ने अपने बाल विवाह से जुड़े व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कम उम्र में विवाह होने के कारण उन्हें किन कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। दोनों महिलाओं के अनुभवों ने उपस्थित प्रतिभागियों को बाल विवाह के वास्तविक दुष्परिणामों से रूबरू कराया। उनकी कहानियों से प्रेरित होकर महिलाओं ने इस सामाजिक कुरीति के खिलाफ आवाज उठाने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

बाल विवाह मुक्त समाज के लिए सामुदायिक सहभागिता जरूरी

ग्रामीण समाज विकास केंद्र के सचिव मेहर चंद ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का अवसर देना सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यशाला के अंत में महिलाओं को बाल विवाह रोकने, बाल अधिकारों के संरक्षण और अपने समुदाय में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

मुजफ्फरनगर केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन का दीपावली मिलन समारोह संपन्न, इस अवसर पर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के गठन की घोषणा

मुजफ्फरनगर। आज मुजफ्फरनगर केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा सिविल लाइन स्थित होटल गैलेक्सी इन में भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री सुभाष चौहान ने संगठन की नई कार्यकारिणी के गठन की विधिवत घोषणा की। नवनियुक्त पदाधिकारियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया तथा सभी को संगठन की जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के संस्थापक चेयरमैन प्रमोद मित्तल ने कहा कि सभी दवा व्यापारियों को ड्रग एक्ट के नियमों का पालन करते हुए ईमानदारी और



जिम्मेदारी के साथ अपना व्यवसाय करना चाहिए। वहीं, अध्यक्ष श्री सुभाष चौहान ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से अपने-अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए संगठन को मजबूत बनाने और नियमों के अनुरूप दवा व्यवसाय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन सही तरीके से दवा व्यवसाय करने वाले व्यापारियों का किसी भी प्रकार का उत्पीड़न नहीं होने देगा तथा उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा। समारोह में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

उत्कृष्ट कार्य के लिए मुजफ्फरनगर की 102 एम्बुलेंस टीम लखनऊ में सम्मानित

मुजफ्फरनगर। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में तत्परता और निष्ठा से कार्य करने वाले मुजफ्फरनगर के दो स्वास्थ्य कर्मियों ने जिले का मान बढ़ाया है। 102 एम्बुलेंस सेवा में तैनात इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) राजवीर और पायलट मोनू यादव को लखनऊ में आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह के दौरान उनके उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

प्रदेश स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में सेवा प्रदाता कंपनी ह्यईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेजह्ल के उच्च अधिकारियों व निदेशक द्वारा दोनों कर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं 3,000 रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान कंपनी प्रबंधन ने दोनों कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, मरीजों के प्रति त्वरित प्रतिक्रिया और सेवा भावना की खुलकर सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर अस्पताल पहुंचाकर मरीजों की



जान बचाना एक पुनीत कार्य है, जिसे इन दोनों कर्मियों ने बखूबी निभाया है। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। लखनऊ से सम्मान पाकर जब दोनों कर्मी मुजफ्फरनगर लौटे, तो जिला स्वास्थ्य विभाग में भी उत्साह का माहौल देखने को मिला। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय पहुंचने पर सीएमओ साहब ने दोनों कर्मचारियों की पीठ थपथपाई और उनके कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सीएमओ ने कहा कि आपातकालीन सेवाओं में लगे कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ हैं। कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को समय पर उचित उपचार दिलाना बेहद जिम्मेदारी का काम है। जिले का नाम रोशन करने पर सीएमओ ने भी ईएमटी राजवीर और पायलट मोनू यादव को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस सम्मान से जिले के अन्य एम्बुलेंस कर्मियों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी पूरी लगन, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ मरीजों की सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी। सम्मान मिलने के बाद ईएमटी राजवीर और पायलट मोनू यादव ने कहा कि यह सम्मान उनकी जिम्मेदारी को और अधिक बढ़ा देता है। वे भविष्य में भी इसी निष्ठा और समर्पण के साथ आमजन की सेवा करते रहेंगे। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और एम्बुलेंस सेवा से जुड़े अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पंचपर्वों की दिव्यता, पंचदीपों का संदेश और स्वच्छता का संकल्प लेकर जगमगाया भागवन्ती विद्यालय



मुजफ्फरनगर। 'मिट्टी के दीपों, स्वदेशी अपनाने और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाया दीपोत्सव;' भागवन्ती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नई मंडी में दीपावली के पावन पर्व को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए विशेष कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। स्वच्छता विभाग, इको क्लब एवं पर्यावरण क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता जागरूकता एवं पंचदीपों के माध्यम से स्वस्थ, स्वच्छ और सुरक्षित दीपावली का संदेश दिया गया। विद्यालय के प्रार्थना सभा स्थल पर दीपावली की पूर्व बेला एवं पंचपर्वों का उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता विभाग प्रमुख एवं वरिष्ठ आचार्या श्रीमती रितु जी ने विद्यार्थियों को कचरे के उचित निस्तारण की जानकारी देते हुए हरे, नीले एवं लाल रंग के डस्टबिन की उपयोगिता समझाई। उन्होंने बताया कि कचरे को उसके प्रकार के अनुसार अलग-अलग डस्टबिन में डालना स्वच्छता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विद्यार्थियों ने गतिविधि में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

इसके पश्चात इको क्लब एवं पर्यावरण क्लब के विद्यार्थियों ने 'पंचदीपों के साथ स्वस्थ, स्वच्छ एवं सुरक्षित दीपावली' विषय पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने मिट्टी के दीपकों के महत्व, स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने, स्थानीय बाजार एवं छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहन देने तथा ऑनलाइन खरीदारी के कारण स्थानीय व्यवसाय पर पड़ने वाले प्रभाव को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया।

साथ ही पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूक करते हुए पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का संदेश दिया। छात्राओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुति से कार्यक्रम में उत्सव का रंग भर दिया।

इस अवसर पर पंचदीपों का संदेश विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। विद्यार्थियों ने पाँच दीप प्रज्वलित करने का आह्वान करते हुए कहा– प्रथम दीप शहीदों के नाम, द्वितीय दीप अन्नदाताओं के नाम, तृतीय दीप मातृभूमि के नाम,चतुर्थ दीप मानवता के नाम, पंचम दीप पर्यावरण के नाम। विद्यार्थियों ने भावपूर्ण संदेश दिया कि जिनके प्रति हमारा कृतज्ञता भाव शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता, उनके सम्मान एवं स्मरण में एक दीप प्रज्वलित करना हमारी संवेदनशीलता और श्रद्धा का प्रतीक है।

ईको गार्डन में भाकियू तोमर की महापंचायत में उमड़ा किसानों का जनसैलाब, फर्जी मुकदमे वापस लेने का मिला मजबूत आश्वासन

21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की वन विभाग के उच्चाधिकारियों से 45 मिनट तक हुई वार्ता, बिजनौर के किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने के लिए मुरादाबाद के कंजरवेटर को दिए निर्देश

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर के नेतृत्व में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर लखनऊ पहुंचे हजारों किसानों ने ईको गार्डन में महापंचायत कर अपनी आवाज बुलंद की। महापंचायत के दौरान वन विभाग के अधिकारियों के साथ हुई महत्वपूर्ण वार्ता में बिजनौर के किसानों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने का मजबूत आश्वासन मिलने के बाद किसान संतुष्ट होकर अपने-अपने जनपदों के लिए रवाना हो गए।

रामपुर तिराहा स्थित संगठन के राष्ट्रीय कार्यालय पर मीडिया से बातचीत करते हुए चौधरी संजीव तोमर ने बताया कि गत 7 सितंबर को जनपद बिजनौर में वन विभाग द्वारा किसानों के खिलाफ कथित रूप से फर्जी मुकदमे दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया था। इसी के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (तोमर) ने 4 नवंबर को लखनऊ में प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय पर महापंचायत करने और मुकदमे समाप्त होने तक धरना-प्रदर्शन जारी रखने का ऐलान किया था।



इसी क्रम में 3 नवंबर को संगठन ने लखनऊ कूच किया। हजारों किसानों के लखनऊ पहुंचने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर से वार्ता कर ईको गार्डन में पंचायत करने का प्रस्ताव रखा। प्रशासन ने वन विभाग के उच्चाधिकारियों से वार्ता कराकर समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया। काफी बातचीत और मशक्कत के बाद प्रशासन संगठन को ईको गार्डन में पंचायत करने के लिए राजी करने में सफल रहा।

इसके बाद संगठन से जुड़े हजारों किसान ईको गार्डन पहुंचे, जहां लखनऊ प्रशासन की ओर से किसानों के लिए नहाने, चाय और पानी की व्यवस्था भी कराई गई। इसके बाद महापंचायत शुरू हुई।

महापंचायत के उपरांत संगठन के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने महाराणा प्रताप मार्ग स्थित वन विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल की अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक दीपक कुमार, मुख्य वन संरक्षक नीति विश्लेषण एवं समन्वय अदिति शर्मा तथा मुख्य वन संरक्षक कोर्ट केस प्रमोद कुमार गुप्ता के साथ करीब 45 मिनट तक वार्ता हुई।

वार्ता के दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं का समाधान कराने और बिजनौर में किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को वापस कराने का मजबूत आश्वासन दिया। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक दीपक कुमार ने मुरादाबाद के कंजरवेटर को निर्देशित किया कि बिजनौर वन विभाग द्वारा किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को वापस लेने की कार्रवाई जल्द से जल्द की जाए। अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसान संतुष्ट नजर आए।

चौधरी संजीव तोमर ने बताया कि संगठन का 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पुलिस विभाग से जुड़ी समस्याओं को लेकर आईजी कानून व्यवस्था बबलू कुमार से भी मिला। इस दौरान पुलिस से संबंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान पर चर्चा हुई। साथ ही रोहन हत्याकांड का मामला भी प्रमुखता से उठाया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (तोमर) किसानों के सम्मान और उनके अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी। किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमों की वापसी और उनकी समस्याओं का समाधान संगठन की प्राथमिकता है। अधिकारियों से मिले आश्वासन के बाद किसान अपने-अपने जनपदों के लिए वापस रवाना हो गए।

पंचपर्व की पूर्व संध्या/रमा एकादशी पर गीतापाठ, भजन संध्या का भव्य आयोजन हुआ



मुजफ्फरनगर। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार मुजफ्फर नगर के सचिव अतुल कुमार गर्ग ने बताया कि साप्ताहिक/एकादशी/विशेष पर्व पर गीतापाठ की श्रृंखला मे पंच पर्व की पूर्व संध्या तथा रमा एकादशी का पाठ सायं 06:00 बजे से उत्तरी सिविल लाइन्स,सतीश होटल रेलवे-स्टेशन वाली गली में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम गुप्ता परिवार ने दीप प्रज्वलित कर,विधिवत पूजा- अर्चना के उपरांत अतुल गर्ग द्वारा गणेश वन्दना,सरस्वती/गुरू वन्दना, महामंत्र ओम नमो भगवते वासुदेवाय का जाप,अष्टादश श्लोकी गीतापाठ श्रद्धाभाव पूर्वक कराया गया।भजन भाव की श्रृंखला में सुभाष गर्ग,अजय गर्ग,विपिन गुप्ता,विभा शर्मा,संजय अरोरा,महेन्द्र रावत तथा राजेश वर्मा द्वारा कृष्ण राधा , दीपावली के भजनो की प्रस्तुतियों पर उपस्थित श्रद्धालुजन भक्ति भाव मे सराबोर होकर झूम उठे।वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबीर सिंह ने बताया कि ऐसी धार्मिक मान्यता है कि रमा एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख- समृद्धि का स्थायी वास होता है तथा उन्होने सभी के लिए ईश्वर से मंगल कामना की। गीताजी की आरती के उपरांत कार्यक्रम को विश्राम दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुभाष गोयल, प्रो संजय सचदेवा,मुन्नालाल, ग्रीष्म गुप्ता,ममता गोयल, राधा मिश्रा,मंजू कश्यप, भारती वर्मा,अदिति गुप्ता, मोहिनी,सुमन,रजनी गुप्ता, आज्ञा अग्रवाल,सुमन,ज्योति आदि श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त मे प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम को विश्राम दिया गया।

रंग संसार

'ईठा' की मुश्किलें बढ़ाएंगे सलमान खान, श्रद्धा की फिल्म से होगा 'मातृभूमि' का क्लैश; 4 दिसंबर को होगी टक्कर



नई दिल्ली। बॉलीवुड में नवंबर के बाद दिसंबर के महीने में कई बड़ी फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। इन बड़ी फिल्मों में शाह रुख खान की किंग से लेकर एंवेजसः डूम्सडे समेत श्रद्धा कपूर की ईठा का नाम भी शामिल है और अब लीजिए दिसंबर के महीने में ही बॉक्स ऑफिस पर आंधी तूफान मचाने आ रहे हैं सलमान खान, क्योंकि दबंग खान की मचअवेटेड फिल्म मातृभूमि की रिलीज का एलान हो चुका है। दरअसल हाल ही में ही सलमान ने मुंबई में मातृभूमि के ट्रेलर इवेंट के दौरान खुद फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है। सलमान ने कहा है कि उनकी फिल्म 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म की रिलीज डेट में बार-बार देरी हुई और अब इस देरी के चलते आखिरकार फिल्म को ग्रीन सिग्नल मिला है और फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है।अब इसमें ट्विस्ट ये है कि 4 दिसंबर को ही श्रद्धा कपूर की मचअवेटेड फिल्म 'ईठा' भी रिलीज होने जा रही है। मतलब ये है कि भाईजान अब श्रद्धा की फिल्म की मुश्किलें बढ़ाने वाले हैं। अभीतक 4 दिसंबर को श्रद्धा की फिल्म आ रही थी और वो भी किंग से पहले, लेकिन अब श्रद्धा की फिल्म से सलमान की फिल्म टकराने वाली है इवेंट पर क्या बोले सलमान खान? फिल्म के इस ट्रेलर लॉन्च पर सलमान ने बताया कि, फिल्म में आखिर इतनी देरी क्यों हुई है। दरअसल कहा जा रहा था कि वीएफएक्स और फिल्म की एडिटिंग के चलते देरी हुई है।इस पर सलमान ने कहा कि, फिल्म की देरी का कारण ये है कि, वो होता है ना वो, श्रृ.. आजकल हर कोई वीएफएक्स का एक्सपर्ट हो गया है। जहां पर वीएफएक्स का शॉट डाला नहीं गया है, तो वहां पर भी देखते हैं कि ये वीएफएक्स का शॉट अच्छा नहीं हुआ है... वगैरह, वगैरह... ये हम किसी को मौका नहीं देना चाह रहे हैं कि, वह जूम इन करके देखे और बोले कि वीएएफ, हम्म्म !

राज काज

बालने शाह का यू-टर्न, पहले मिलने से किया था इनकार; अब भारत दौरे से ठीक पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। विदेश नीति और व्यक्तिगत कूटनीतिक प्रोटोकॉल में एक बड़ा बदलाव लाते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने गुरुवार को काठमांडू में भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी से औपचारिक वार्ता की। लगभग छह महीने पहले विदेश सचिव स्तर के अधिकारियों से मिलने से इनकार करने वाले शाह का यह यू-टर्न नेपाल के आर्थिक हितों और क्षेत्रीय वास्तविकताओं को दशार्ता है। यह बैठक बालेन शाह की आने वाली 22 नवंबर को संभावित भारत यात्रा से ठीक पहले हुए है, जो मार्च में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा होगी। प्रोटोकॉल का यू-टर्न और बैठक का एजेंडा मई 2025 में विक्रम मिसरी की नेपाल यात्रा इसलिए टल गई थी क्योंकि शाह ने विदेश मंत्री स्तर से नीचे के राजनयिकों से आमने-सामने की मुलाकात न करने का नया प्रोटोकॉल बनाया था। उस समय उन्होंने अमेरिकी प्रतिनिधियों से भी मिलने से इनकार कर दिया था।हालांकि, गुरुवार को हुई बैठक में जल संसाधनों, ऊर्जा, व्यापार और बुनियादी ढांचे के विकास पर व्यापक चर्चा हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, नेपाल का अपने सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार भारत की ओर यह झुकाव आर्थिक और व्यावहारिक जरूरतों से प्रेरित है।12 अरब डॉलर का आर्थिक पैकेज रिपोर्ट्स के अनुसार, बैठक के दौरान नेपाल ने ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण और हालिया प्राकृतिक आपदाओं के बाद पुनर्निर्माण के लिए भारत से 2 अरब डॉलर के आर्थिक पैकेज की मांग की है। इस पैकेज की आधिकारिक घोषणा शाह की नई दिल्ली यात्रा के दौरान होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2025 में तिब्बत से आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान भारत ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 140 टन से ज्यादा आपातकालीन राहत सामग्री, बेली ब्रिज और हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए टनलिंग विशेषज्ञ भेजे थे। इस मदद के बाद सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान बालेन शाह ने सार्वजनिक रूप से भारत के प्रयासों की सराहना की थी। भारत और नेपाल के संबंधों में सीमा विवाद और अग्निपथ योजना के कारण गोरखा सैनिकों की भर्ती पर लगी रोक प्रमुख अड़चनें रही हैं।

दैनिक राशिफल शनिवार 07 नवम्बर 2026

मेष – सुख-आनंद कारक समय है। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

वृष – शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। मनोविनोद बढ़ेगे। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा।

मिथुन : नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी।

कर्क – आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

सिंह– प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें।

कन्या – आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

तुला – स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें।

वृश्चिक – आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें।

धनु – धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

मकर – अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा।

कुंभ – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मीन – ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ड़े में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें।

दैनिक पंचांग

7 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.56 ब.से.
चंद्र	कन्या में	धनु	09.12 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.17 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.04 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	14.36 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.07 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.47 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.45 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.59 बजे से
		सिंह	00.15 बजे से
		कन्या	02.27 बजे से
		तुला	04.37 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 311 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक



किसानों सहित आप सभी जनपद वासियों को
दीपावली
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
राकेश शर्मा –सभापति
जय प्रकाश शर्मा –सचिव
रवि कुमार, कुलदीप शर्मा एवं संचालक मण्डल
बी. पैक्स लि. यारपुर, थानाभवन

सभी जनपदवासियों को दीपावली, गोवर्धन व भैयादूज की
हार्दिक शुभकामनाएं
दीपावली का प्रकाश आपके जीवन में सुख-समृद्धि एवं अपार खुशियां लेकर आये
सन्दीप कुमार गुप्ता
प्रबन्धक-एस.डी. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, थानभवन
शिक्षा प्रसारणी सभा, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
दिली मुबारकवाद
महबूब
सभासद नगर पंचायत
थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
अम्बरीश कुमार राणा
एडवोकेट
कैराना कोर्ट, सीट नं. 201
मौ0 शाहलाल, थानाभवन



आजाद समाज पार्टी कार्यकर्ताओं सहित सभी प्रदेश वासियों को
दीपावली
की
हार्दिक शुभकामनाएं



राजकुमार सैनी
सदस्य प्रदेश कोर कमेटी
आजाद समाज पार्टी थानाभवन



सभी जनपदवासियों को दीपावली, गोवर्धन व भैयादूज की
हार्दिक शुभकामनाएं
दीपावली का प्रकाश आपके जीवन में सुख-समृद्धि एवं अपार खुशियां लेकर आये
प्रदीप शर्मा
लक्ष्मी स्वीट्स चौक बाजार, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर विज्ञापन दाताओं पाठको सहित आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
सोहन लाल सैनी
संवाददाता -दैनिक रायल बुलेटिन थानाभवन
सौरभ सैनी आयकर विभाग भारत सरकार, नागपुर



सभी जनपद वासियों को किसान इंटर कॉलेज थानाभवन की ओर से
दीपावली
की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्री निवास सैनी प्रबंधक
डा. प्रतिभा सैनी प्रधानाचार्या
एवं प्रबंध कार्यकारिणी किसान इंटर कॉलेज थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
अमित सैनी
बैंक मित्र केन्द्र पीएनबी
मौ0-छिपियान, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
ठाकुर दिग्विजय सिंह
एडवोकेट
चैम्बर नं. 12 कलेक्ट्रेट कम्पाउण्ड, शामली
मौ0-शाहलाल, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
डा0 लालपेथ लैब
शुभम् गोयल
सर्विस ट्री कलैक्शन सैंटर
हलवाई हट्टा, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
डा0 अभिषेक गौतम
ओम नेत्र परीक्षण केन्द्र
अम्बेडकर मार्किट, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
पवन कुमार सैनी
एडवोकेट
अध्यक्ष-प्रबन्ध कार्यकारिणी
किसान इंटर कॉलेज, थानाभवन



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
डा0 संजय सैनी
आरोग्य होम्योपैथिक क्लीनिक
एवं मैडिकल स्टोर
एकता मार्किट, चरथावल बस स्टैण्ड, थानाभवन



i केयर डेंटल क्लीनिक
थानाभवन की ओर से आप सभी को
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं
डा. मनीष चौहान
बी.डी.एस. (दंत चिकित्सक)
XRAY सुविधा
डा. ज्योति चौहान बी.डी.एस. (दंत चिकित्सक)
राव अरशद मार्किट, थानाभवन । मो0 9267174149, 9149268083



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
रामपाल सिंह
डेलीगेट सहकारी गन्ना विकास समिति लि. थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
संजीव राणा
प्रधान पति
अम्बेहटा याकूबपुर, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
अंकुर सैनी
अंकुर रेडीमेड गारमेंटस
मीना बाजार, थानाभवन



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
नगेन्द्र शर्मा
पूर्व तहसील अध्यक्ष-लेखपाल संघ तहसील ऊन
निवासः मौ0 कानूनगोयान, थानाभवन



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
संजय कश्यप
जिला मठ मन्दिर प्रमुख थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
विजय दत्त आर्य
आर्य पेन्ट्स स्टोर
मेन रोड़, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
कविराज कंसल
तिलक मिल्स स्टोर
मेन रोड़, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
विमल आर्य
राजकुमार एंड संस
मेन रोड़ थानाभवन
ऐशियन पेन्ट्स, डिटरजेन्ट, सर्मोसम, आदि के विक्रेता



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
मोहित कुच्छल कैल वाले
श्री राधे इलैक्ट्रनिक एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी
नई घास मण्डी, थानाभवन मो. 9760773505



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
डीलर-अम्बानी टाइल्स सेनेट्री वेयर्स
हरे कृष्णा मार्बल्स एंड सेनेट्री हाऊस, ऊन रोड़, थानाभवन
अशोक कुमार - मो0 7018176568 संकित कुमार



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
श्रवण सैनी
अध्यक्ष- श्री शिव गोरक्षनाथ जहारवीर गोगाजी म्हाडी ट्रस्ट, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
चौ. रवि कुमार
पूर्व उपचेयरमैन सहकारी गन्ना विकास समिति लि., थानाभवन
ग्राम-ज्ञानामाजरा रोड़ान

दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
मनोज शर्मा
प्रबंधक- डी.एन. पब्लिक स्कूल
मौ0 जोगियान, कुम्हारों वाली गली
थानाभवन



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
मा0 रमेश चन्द सैनी
सदस्य प्रबंध कार्यकारिणी, किसान इन्टर कॉलेज थानाभवन
ग्राम- मुल्लापुर
संजीव कुमार सैनी, गीतांजलि प्लास्टिक स्टोर
घण्टाघर चौक थानाभवन



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
विनोद सैनी
पूर्व सभासद
थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
सोनू अग्रवाल
थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
राहुल सैनी
वरिष्ठ सपा नेता
ग्राम-रसीदगढ़, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
मुकुल बंसल
भारत पेन्ट्स
थाने के सामने, मेन रोड़ थानाभवन
मो. 7906617937



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
रविन्द्र सैनी चेयरमैन (रसीदगढ़ वाले)
सैनी टैक इंजीनियर्स • ग्लोबल ट्रेडिंग कम्पनी लुधियाना, पंजाब
स्पेस्लिस्ट टू मैन्यूफैक्चर एन सप्लाई पाउडर कोटिंग पेंट
एंड पेंट शॉप इन इन्डस्ट्रीज, श्री कार्तिक इंडिया



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
नीरज सैनी
सैनी बैट्री एण्ड कम्प्यूटर
पंचतीर्थ मन्दिर के सामने, मेन रोड़, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
मा. नरेश कुमार-
पूर्व जिलाउपाध्यक्ष
भारतीय किसान यूनियन ग्राम यारपुर, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
अनूप सिंह
सिद्धार्थ सिंह
वी0 देवी सिंह ट्रेडर्स -ग्राम-कुतुबगढ़
निवासः निकट खान नर्सरी मुल्लापुर रोड़, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
ठा0 चरण सिंह
डायरेक्टर
साधन सहकारी समिति लि. यारपुर
थानाभवन



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
ओमपाल सैनी
पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन
ग्राम-रसीदगढ़, थानाभवन



दीपावली
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
ठा0 राजकुमार
पूर्व चेयरमैन
सहकारी गन्ना विकास समिति लि0 थानाभवन



सुख एवं स्मृद्धि की कामना के साथ
दीपावली, गोवर्धन व भैयादूज
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं



दीपावली का प्रकाश आपके जीवन में सुख एवं समृद्धि लेकर आयें

ठा0 प्रदीप कुमार
वरिष्ठ भाजपा नेताए ग्राम गोगवान जलालपुर, थानाभवन



सुख एवं स्मृद्धि की कामना के साथ
दीपावली, गोवर्धन व भैयादूज
के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं



दीपावली का प्रकाश आपके जीवन में सुख एवं समृद्धि लेकर आयें

मुकेश सैनी (वरिष्ठ सपा नेता)
गढ़ी अब्दुल्ला खां, थानाभवन



किसान भाईयों की सेवा में हमेशा
तत्पर सहकारी गन्ना विकास समिति लि0,
थानाभवन की ओर से
दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं



–: उपलब्धियाँ :–
- गन्ने की पर्चियों का वितरण शत–प्रतिशत एसएमएस द्वारा कराया जा रहा है।
- गन्ना भुगतान आर.टी. जी. एस. द्वारा अविलम्ब कराया जा रहा है।
- किसानों की समस्याओं का निराकरण पूर्ण पारदर्शिता के साथ अविलम्ब कराया जा रहा है।

राजेश राणा चेयरमैन
रणजीत सिंह कुशवाह जिला गन्ना अधिकारी
भास्कर सिंह रघुवंशी सचिव

सहकारी गन्ना विकास समिति लि0, थानाभवन, जिला-शामली



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
ठा. रामभूल फौजी
मठ मंदिर प्रखण्ड प्रमुख
निकट जलसूवाला मन्दिर, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
विशाल गर्ग
एडवोकेट
मौ. मुजावरान, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
जाबिर मलक
डायरेक्टर (सा.सह. समिति लि. थारपुर) थानाभवन
जिला महासचिव किसान यूनियन (संविद मलिक)



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
मुकुल गोयल
श्री राधे कृष्णा कलैक्शन
कॉस्मैटिक लेडीज गारमेंट्स
हलवाई हट्टा, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
भूमेश नारंग
भाजपा मण्डल कोषाध्यक्ष
थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
सभी प्रकार के लोन लेने हेतु सम्पर्क करें
मित्तल फाईनेंस सर्विस
कार्यलय पीएनबी के सामने, थानाभवन
मो. 8279427745



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
धीरज नारंग
वरिष्ठ भाजपा नेता
थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
शशी किरण सैनी
मून लाईट होटल एंड रेस्टोरेन्ट
ऊन रोड़, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
ठा. कृपाल सिंह
पूर्व सभापति गन्ना समिति
थानाभवन, ग्राम ख्यावडी



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
गुलशन टेलर
यशपाल प्रजापति
गुलशन टेलरिंग मैटरीयल हाऊस
नगला जसोई वाले, मौ. शाहलाल
निकट देवी भवन, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
सुशील सैनी
सुशील सैनी ऑटो रिपेयर
टावर मार्किट, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
बबलू सैनी
हैप्पी डी.जे. एंड लाईट
मौ. खैल, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
हरजीत चौधरी
वार्ड नं. 2 जिलापंचायत सदस्य
पद हेतु सम्भावित उम्मीदवार
ग्राम-खेड़ा गदाई, थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
प्रभात कुमार
मौ. छिपियान
थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
पंकज गोयल
नगर उपाध्यक्ष विहिप
थानाभवन



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
डा. विपिन कुमार सैनी
प्रकाश होम्योपैथिक सैंटर
राणा मार्किट, शामली बस स्टैण्ड थानाभवन

धनतेरस के पर्व पर थानाभवन के बाजारों में रही रौनक

अपनी अपनी जरूरतों के अनुसार ग्राहको ने जमकर की खरीदारी

थानाभवन – धनतेरस का पर्व थानाभवन बाजार के लिए सौगात लेकर आया ।

शुक्रवार को दिन भर बाजरों में खरीदारों की भीड़ उमड़ी रही । लोगों ने अपनी जरूरतों के अनुसार जमकर खरीदारी की ।

धनतेरस के पर्व पर सुबह से ही नगर के बाजारों चहल पहल शुरू हो गई । पिछले कुछ दिनों से मन्दी कर मार झेल रहे थानाभवन के बाजार में रौनक दिखाई दी ।

कस्बे के चौक बाजार मिना बाजार, मेन बाजार दिन दयाल मार्किट आदि में लोगों ने अपनी अपनी जरूरतो के अनुसार सामानों की खरीदारी की । सर्राफा से लेकर ऑटो मोबाइल, इलैक्ट्रोनिक गिफ्ट, सजावट का सामान बर्तनों सहित रिडमेड कपड़ों की दुकानों पर रौनक रही।

धनतेरस पर परम्परागत रूप से सोना चाँदी खरीदने की मान्यता के चलते सर्राफो की दुकानों पर अपेक्षा अधिक भीड़ देखी गई। उक्त दुकानों पर चाँदी की मूर्तियां, लक्ष्मी गणेश के सैट, चाँदी के सिक्के, ज्वैलरी आदि की भी पूर्व दिनों के मुकाबले अधिक खरीदारी देखने को मिली । टी.वी. फ्रीज, वाशिंग मशीन होम अप्लायसेंज, मोबाईल, ऑटो मोबाइल व मोबाइल आदि की दुकानों पर उत्साह का माहौल रहा । यहाँ ग्राहक जरूरत के सामनों के लिए मोल भाव करते नजर आयें ।

धीरज गारमेन्ट्स मेन बाजार के स्वामी धीरज नारंग ने बताया की धनतेरस के पर्व पर नगर के बाजारों में उत्साह का माहौल बना हुआ है। कुछ दिनों से मन्दी की मार झेल रहे थानाभवन के बाजार को शुक्रवार के दिन काफी सकून मिला है। ग्राहको ने सर्दीयों के मौसम के चलते ऊनी कपड़ो व रेडिमेड की वस्तुओं की जमकर खरीदारी की । धनतेरस के पर्व पर पुरे दिन व्यवस्ता का माहोल बना रहां । इन सबके बीच घरों में प्रतिदिन काम आने वाली झाड़ू ने मानों खरीदारी के सभी रिकोर्ड तोड़ दिये। नगर व क्षेत्र के लोगों ने किरायाना की दुकानों पर जाकर झाड़ू की जमकर खरीदारी की । धार्मिक मूर्तिया खरीदने को लेकर भी लोगों में उत्साह देखा गया, धनतेरस के दिन नगर के बाजार गुलजार रहें।

धनतेरस के पर्व पर नगर के बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग मे भी बेहद सजीदगी देखी गई। थानाप्रभारी विजेन्द्र सिंह रावत के निर्देशन में पुलिस कर्मियों ने नगर के मेन बाजारों में पुरे दिन घुम-घुमकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

सभी नगरवासियों को दीपावली, गोवर्धन व भैयादूज की हार्दिक शुभकामनाएं

सबका संकल्प, सबका प्रयास पॉलिथीन हटाओ, थानाभवन बचाओ

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

अपील

स्वच्छ भारत मिशन : आओ हम सब नगरवासी मिलकर थानाभवन को साफ–स्वच्छ, हरित और स्वस्थ बनाने का संकल्प लें ।

* दैनिक प्रयोग से पॉलिथीन दूर हटायें, पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले को अपनायें । * पॉलिथीन का प्रयोग न करें, यह दण्डनीय अपराध है । इसमें जुर्माना व जेल दोनों हो सकती है।* अपने समस्त करों का समय पर भुगतान कर नगर के विकास में सहयोग प्रदान करें ।
* पॉलिथीन/प्लास्टिक को शासन द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया है। * पानी की टंकियों को खुला न छोड़ें व यदि सरकारी स्टैण्ड पोस्ट कहीं पर खुला पाये तो उसे तुरन्त बंद कर दें ।* प्रकृति की इस अनमोल देन को व्यर्थ न बहावे।* सरकारी भूमि पर अतिक्रमण न करें व अतिक्रमाण हटाने में नगर पंचायत थानाभवन को सहयोग करें ।* अपने नगर को साफ एवं स्वच्छ रखने में नगर पंचायत थानाभवन का सहयोग करें व अपने घर से निकलने वाले कूडे को सफाई कर्मचारी के रेहडे अथवा कूडेदान में ही डालें ।* सार्वजनिक सम्पत्ति आपकी अपनी सम्पत्ति है, इसको किसी भी प्रकार से हानि न पहुंचायें ।* नगर को हरा–भरा तथा प्रदूषण रहित रखने हेतु वृक्षारोपण करें । * शांति व्यवस्था बनायें रखने में प्रशासन की मदद करें । अपने आस–पास के स्थानों पर पानी न जमा होने दें क्योंकि इससे मच्छर पनपते हैं, जो कई रोगो का कारण बनता है।

जितेन्द्र कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत थानाभवन
राव मुशयदा अध्यक्ष नगर पंचायत थानाभवन
सत्येन्द्र सिंह ए.डी.एम, शामली
आलोक कुमार जिलाधिकारी, शामली

समस्त सभासदगण एवं कर्मचारीगण, नगर पंचायत थानाभवन, जनपद-शामली (उ0प्र0)



दीपावली के पावन पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
सौरभ सैनी
आयकर विभाग
भारत सरकार
नागपुर

थानाभवन चीनी मिल में गन्ना पेराई शुरू

बजाज हिन्दुस्थान चीनी मिल में गुरूवार को किसानों चीनी मिल अधिकारियों गन्ना समिति कर्मचारियों व गन्ना समिति बोर्ड के पदाधिकारियों की उपस्थिति में हवन यज्ञ व मंत्रोचार के साथ गन्ना पेराई सत्र 2026–27 का विधिवत शुभारम्भ हो गया । मिल प्रबंधन ने सबसे पहले गन्ना लेकर आये किसान का स्वागत किया । जिससे क्षेत्र के किसानों में खासा उत्साह देखने को मिला ।

पेराई सत्र के शुभारम्भ अवसर पर क्षेत्र के गांव तितारसी निवासी किसान पारासिंह अपनी बैलगाड़ी में गन्ना लेकर पहुँचे । मिल प्रबंधन व अधिकारियों ने बैलगाडी का विधि विधान से पूजन कर किसान को सम्मानित किया ।

इस दौरान यूनिट हेड वी.पी. सिंह, उप गन्ना आयुक्त सहारनपुर ओ.पी. सिंह , जिला गन्ना अधिकारी रंजीत सिंह कुशवाह, गन्ना समिति चेयरमैन राजेश राणा सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक व किसान उपस्थित रहें । इस अवसर मिल अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया कि किसानों के मान सम्मान से कोई समझोता नही किया जायेगा।



एचएमपीवी से हो सकता है बचाव, पिएं यह सूप

एचएमपीवी वायरस से बचाव के लिए इम्यूनिटी का मजबूत होना बेहद जरूरी है। आप इस खास सूप को पीकर इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं।

सर्दियों में संक्रमण का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। वहीं इन दिनों एचएमपीवी जैसे वायरस का प्रकोप देखने को मिल रहा है। यह उन लोगों को अटैक करता है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। खासतौर पर बच्चों बुजुर्ग या जिन लोगों को कोई बीमारी हो। ऐसे में सही खान-पान और पौष्टिक भोजन के जरिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। सूप एक बेहतरीन विकल्प है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकता है। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए आप मिक्सड वेज सूप का सेवन कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बढ़ाने की विधि और इसके फायदे।

मिक्सड वेज सूप बनाने की रेसिपी

1 कप गाजर, ½ कप शिमला मिर्च
1 कप मटर, 1 कप लौकी, आधा कप पालक
1 टमाटर कटा हुआ, 1 प्याज बारीक कटा हुआ
2 से 3 लहसुन की कलियां, 1 इंच अदरक
1 तेज पत्ता, 2-3 लौंग, एक चम्मच घी
काली मिर्च पाउडर ½ चम्मच, स्वादानुसार नमक
2 कप पानी

विधि

- सूप बनाने के लिए गाजर, शिमला मिर्च, मटर, लौकी, टमाटर और पालक को अच्छी तरह से धोकर उबाल लें।
- उबली हुई सब्जियों को ठंडा होने के लिए रख दें।
- उसके बाद इसे ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट तैयार कर लें।
- अब एक कड़ाही में घी गर्म करें।
- इसमें जीरा, कटा हुआ प्याज, लहसुन अदरक लौंग और तेज पत्ता डालकर भून लें।
- अब इसमें पिसी हुई सब्जियां डालें और अच्छी तरह से मिलाएं ।
- सूप को पतला करने के लिए इसमें पानी डालें और 8 से 10 मिनट तक पकने दें।
- स्वाद अनुसार नमक और काली मिर्च डालें।
- तैयार है आपका मिक्सड वेज सूप चाट मसाला डालें और गरमा-गरम सर्व करें।

मिक्सड वेज सूप के फायदे

- मिक्सड वेज सूप सभी तरह के विटामिन और खनिजों का अच्छा स्रोत है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है, जब इम्यूनिटी मजबूत होती है तो किसी भी तरह के इंफेक्शन को बढ़ने का खतरा काफी कम हो जाता है, आपका शरीर संक्रमण से लड़ता है।
- वहीं यह सूप पाचन को भी दुरुस्त रखता है। इसके अलावा यह शरीर को गर्माहट देता है।
- इसमें इस्तेमाल अदरक लहसुन और हल्दी जैसे मसाले में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरस गुण होते हैं जो संक्रमण को कम करते हैं। सूप शरीर को हाइड्रेट रखता है श्वसन तंत्र को सही तरीके से काम करने में मदद करता है।



सिर की खुजली को दूर करने में असरदार हैं ये आसान उपाय, हेयर फॉल कम करने में भी हैं असरदार



सिर में खुजली की समस्या रूसी, पसीना, फंगल इन्फेक्शन या एलर्जी के कारण हो सकती है, जिससे बाल झड़ने का खतरा बढ़ता है।

नई दिल्ली। सिर में खुजली की समस्या कई लोगों को परेशानी करती है। अक्सर लोग मान लेते हैं कि रूसी की वजह से सिर में खुजली हो रही है, लेकिन इसके पीछे पसीना, फंगल इन्फेक्शन, स्कैल्प पर धूल-मिट्टी का जमाव, एलर्जी और कोई स्किन की समस्या भी हो सकती है। लगातार स्कैल्प पर खुजली करने से घाव, इन्फेक्शन और बाल झड़ने की समस्या भी बढ़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि स्कैल्प में इचिंग की वजह को समझें और फिर उसके मुताबिक उस-का इलाज किया जाए। कुछ मामलों में कुछ आसान घरेलू उपाय भी कारगर साबित हो सकते हैं। सिर में खुजली की वजह

ज्यादा पसीना आने की वजह से स्कैल्प पर नमी बढ़ जाती है, जिससे फंगस बढ़ सकता है। इसके कारण स्कैल्प में खुजली के साथ-साथ जलन भी हो सकती है। इसके अलावा, स्कैल्प पर एक्स्ट्रा ऑयस, धूल-मिट्टी और प्रदूषण जमा होने से भी खुजली शुरू हो सकती है। स्कैल्प में खुजली होने की एक वजह शैम्पू, हेयर डाई या किसी स्टाइलिंग प्रोडक्ट से एलर्जी भी हो सकती है। सेंसिटिव स्किन वालों में इसका खतरा ज्यादा रहता है।

सिर की खुजली दूर करने के असरदार उपाय

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें- ताजा एलोवेरा जेल को सीधे स्कैल्प पर लगाकर 25-30 मिनट बाद हल्के शैंपू से बाल वॉश करें। एलोवेरा में मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेटरी और मॉइश्चराइजिंग गुण स्कैल्प को ठंडक पहुंचाते हैं, जलन कम करते हैं और खुजली से राहत दिलाते हैं। नीम के पानी से बाल- एक मुट्ठी नीम की पत्तियों को पानी में 10-15 मिनट तक उबालें। पानी ठंडा होने पर उससे बालों और स्कैल्प को धोएं। नीम के एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण, इन्फेक्शन को कम करते हैं और स्कैल्प को साफ रखते हैं।

दही का हेयर पैक लगाएं- एक कटोरी सादा दही को स्कैल्प पर अच्छी तरह लगाकर 20 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से बाल वॉश करें। दही स्कैल्प को ठंडक देती है, रूखापन कम करती है और खुजली से राहत दिलाती है।

नारियल तेल में टी ट्री ऑयल मिलाएं- दो चम्मच नारियल तेल में 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल मिलाकर हल्के हाथों से स्कैल्प की मालिश करें। लगभग आधे घंटे बाद बाल वॉश करें।

स्कैल्प की नियमित सफाई रखें- गर्मियों में हफ्ते में 2-3 बार अपनी स्कैल्प के अनुसार माइल्ड शैंपू का इस्तेमाल कर बाल वॉश करें और अच्छी तरह सुखाएं और दूसरों की कंघी या तौलिया इस्तेमाल करने से बचें।

पीसीओएस की समस्या को नेचुरली करना है मैनेज तो फॉलो करें इंटरमिटेंट फास्टिंग

अगर आप पीसीओएस की शिकायत से जूझ रहे हैं तो ऐसे में आपको इंटरमिटेंट फास्टिंग का ऑप्शन चुनना चाहिए। इससे आपको यकीनन फायदा होगा।

आज के समय में अधिकतर महिलाएं पीसीओएस की समस्या से जूझ रही हैं। पीसीओएस की समस्या होने पर ना केवल आपको अधिक वजन के कारण परेशान होना पड़ता है, बल्कि इसके साथ-साथ आपको मूड स्विंग से लेकर अनियमित पीरियड्स जैसी कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। ऐसे में यह बेहद जरूरी हो जाता है कि आप पीसीओएस को मैनेज करें और इसका सबसे पहला व बेसिक स्टेप है अपने लाइफस्टाइल को बदलना।

अगर आप भी पिछले काफी समय से पीसीओएस को मैनेज करने की जद्दोजहद में जुटी हैं तो ऐसे में इंटरमिटेंट फास्टिंग करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। अक्सर पीसीओएस को मैनेज करने के लिए हम सभी वजन कम करना चाहती हैं और इसके लिए अपने खाने को प्रतिबंधित करती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग आपके खाने की टाइमिंग पर अधिक फोकस करती है। जिससे इंसुलिन सेंसेटिविटी बेहतर होने से लेकर हार्मोन बैलेंस करने और वजन घटाने में भी मदद मिलती है। जिससे आपको पीसीओएस में काफी फायदा मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको बता रही हैं कि पीसीओएस की समस्या होने पर इंटरमिटेंट फास्टिंग किस तरह फायदा पहुंचा सकती है-

इंसुलिन सेंसेटिविटी होती है बेहतर

जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग को फॉलो करती हैं तो इससे आपकी इंसुलिन सेंसेटिविटी बेहतर होती है। जिससे आपको पीसीओएस में लाभ होता है। दरअसल, पीसीओएस वाली अधिकतर महिलाओं में इंसुलिन का स्तर अधिक होता है। ऐसे में उनके शरीर के लिए ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। इससे ना केवल वजन तेजी से बढ़ता है, बल्कि हार्मोनल असंतुलन की शिकायत भी होती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग के जरिए जब आप अपने खाने की टाइमिंग को सेट करती हैं तो इससे इंसुलिन लेवल को बेहतर बनाने में भी मदद मिलती है।

हार्मोन होते हैं बैलेंस

पीसीओएस की समस्या होने पर हार्मोन असंतुलित होने लगते हैं। लेकिन जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं तो इससे हार्मोन बैलेंस करने में मदद मिलती है। दरअसल, इंटरमिटेंट फास्टिंग फॉलो करने से आपका वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है, जिससे आपके हार्मोन बैलेंस होने लगते हैं। इसके अलावा, इंटरमिटेंट फास्टिंग से आपके शरीर में ऐसे परिवर्तन होते हैं जो इंसुलिन और एण्ड्रोजन के स्तर को कम करते हैं। यह बालों के विकास या मुंहासे जैसे पीसीओएस लक्षणों को कम कर सकता है।

मेटाबॉलिज्म होता है बूस्ट

अक्सर वजन कम करने के लिए लोग क्रैश डाइट फॉलो करते हैं, लेकिन यह आपको काफी सुस्त महसूस करवाती है। लेकिन जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं तो फास्टिंग पीरियड के दौरान आपका शरीर में पहले से ही स्टोर फैट को एनर्जी में बदलता है। इससे ना केवल आपका वजन कम होता है, बल्कि मेटाबॉलिज्म भी बूस्टअप होता है। अतिरिक्त भूख होती है नियंत्रित पीसीओएस में आपके भूख से जुड़े हार्मोन ग्रेलिन और लेप्टिन का तालमेल बिगड़ सकता है, जिससे आपको अत्यधिक खाने की इच्छा हो सकती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग इन भूख हार्मोन को रीसेट करने में मदद कर सकती है, जिससे यह पहचानना आसान हो जाता है कि आपको वास्तव में कब भूख लगी है और कब आपको बस यूं ही क्रेविंग्स हो रही है। इससे जब आप अपनी अतिरिक्त भूख को नियंत्रित कर पाते हैं तो इससे आपकी ओवर ऑल हेल्थ सुधरती है।





भाजपा विधायक ने शाहरुख खान को दी चेतावनी

किंग के गाने में दीपिका पादुकोण की भगवा ड्रेस पर विवाद





नईदिल्ली, एजेंसी। शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' रिलीज से पहले ही विवादों में घिरती नजर आ रही है। फिल्म के गाने 'तू मिल जाए' में दीपिका पादुकोण के भगवा रंग की ड्रेस पहनने को लेकर दिल्ली के पटपड़गंज से भाजपा विधायक रविंदर सिंह नेगी ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इस दृश्य को सनातन धर्म से जोड़ते हुए फिल्म के अभिनेता शाहरुख खान पर निशाना साधा है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि गाने से संबंधित दृश्य में बदलाव नहीं किया गया तो देशभर में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे।

रविंदर सिंह नेगी ने आरोप लगाया कि फिल्म में भगवा रंग का इस तरह इस्तेमाल करना सनातन धर्म को बदनाम करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि दीपिका पादुकोण इस मामले में केवल एक चेहरा हैं, जबकि इसके पीछे शाहरुख खान जैसे लोग हैं। विधायक ने शाहरुख खान को जिहादी कहते हुए कहा कि वह उन्हें इसी नाम से संबोधित करेंगे। इस विवाद के बीच शाहरुख खान की वर्ष 2023 में आई फिल्म 'पठान' भी चर्चा में आ गई है। फिल्म के गाने 'बेशरम रंग' में दीपिका पादुकोण भगवा रंग की बिकिनी में नजर आई थीं। उस समय भी उनके पहनावे को लेकर कई संगठनों ने विरोध जताया था। अब 'किंग' के गाने में भगवा रंग की ड्रेस को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है।

नेगी ने अभिनेत्री दीया मिर्जा के दिवाली पर पटाखे नहीं जलाने की अपील का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि ईद के दौरान जानवरों की कुर्बानी को लेकर ऐसे कलाकार अपनी राय क्यों नहीं रखते।

दृश्य नहीं बदला तो होगा विरोध

विधायक ने फिल्म निर्माताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि गाने में दिखाए गए दृश्य को बदला जाना चाहिए। ऐसा नहीं होने पर देशभर में प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के खिलाफ किसी भी तरह की गतिविधि स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने दीपिका की ड्रेस और गाने में उसके इस्तेमाल के तरीके पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने इसे धार्मिक मामलों में दोहरे रवैये से जोड़ते हुए कलाकारों से देश और धर्म का सम्मान करने की बात कही।

प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के खूंटी में सात लोगों की मौत पर जताया दुख, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना

नई दिल्ली , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के खूंटी जिले में एक सड़क दुर्घटना के दौरान सात लोगों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि झारखंड के खूंटी में हुए हादसे में लोगों की जान जाने से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' यह घटना झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 10 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, कर्रा-तोरपा मुख्य सड़क पर जोने-लुदरू मोड़ के पास एक स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। स्कूटी सवार की मदद के लिए आसपास के ग्रामीण सड़क किनारे जुटे थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे 18 पहिए वाले ट्रेलर-ट्रक ने वहां मौजूद लोगों को कुचल दिया था। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 12 वर्षीय एक बच्चे ने खूंटी सदर अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। इस दुर्घटना में एक बच्ची घायल हुई है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के करोल बाग में भीषण अग्निकांड, गफ्फार मार्केट की दुकान में भड़की आग

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के प्रसिद्ध बाजार करोल बाग स्थित गफ्फार मार्केट में



शुक्रवार देर रात एक दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। शुक्रवार देर रात घनी मार्केट में आग लगने की इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। आग विकराल रूप धारण करते हुए तेजी से फैलने लगी, जिसके बाद तुरंत दमकल विभाग को इसकी सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलने पर दिल्ली अग्निशमन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दमकल की गाड़ियों को मौके पर रवाना किया। आग की गंभीरता को देखते हुए धीरे-धीरे राहत और बचाव कार्यों का दायरा बढ़ाया गया। स्थिति की नजाकत को भांपते हुए घटनास्थल पर कुल 22 यूनिटों को तैनात किया गया, जिसमें वाटर टेंडर, वाटर बाउजर और अन्य आधुनिक वाहन शामिल रहे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) एके मलिक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के साथ आग पर काबू पाने का अभियान चलाया। रात से शुरू हुआ यह राहत अभियान सुबह तक जारी रहा। गनीमत यह रही कि इस भीषण हादसे में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों और दुकान को हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

दिल्ली एसीबी को मिला नया चीफ, आईपीएस संजय कुमार त्यागी बने संयुक्त आयुक्त

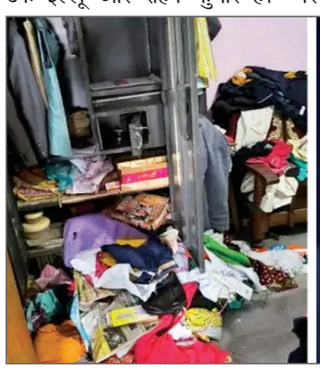
नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस में तैनात संयुक्त आयुक्त संजय कुमार त्यागी को दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) का नया संयुक्त आयुक्त नियुक्त किया गया है। एसीबी में संयुक्त आयुक्त का पद विक्रम जीत सिंह के तबादले के बाद खाली था। संजय कुमार त्यागी 2008 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह लंबे समय तक दो बार दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता भी रह चुके हैं। इसके अलावा वह दिल्ली एयरपोर्ट में डीसीपी और एनडीएमसी में भी उच्च पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। एसीबी के संयुक्त आयुक्त विक्रम जीत सिंह का तबादला होने के बाद यह पद खाली हो गया था। अब संजय कुमार त्यागी को इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

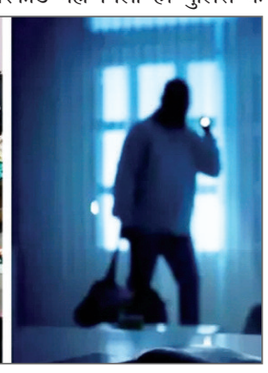
प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के खूंटी में सात लोगों की मौत पर जताया दुख

नई दिल्ली , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के खूंटी जिले में एक सड़क दुर्घटना के दौरान सात लोगों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि झारखंड के खूंटी में हुए हादसे में लोगों की जान जाने से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' यह घटना झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 10 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, कर्रा-तोरपा मुख्य सड़क पर जोने-लुदरू मोड़ के पास एक स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। स्कूटी सवार की मदद के लिए आसपास के ग्रामीण सड़क किनारे जुटे थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे 18 पहिए वाले ट्रेलर-ट्रक ने वहां मौजूद लोगों को कुचल दिया था। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 12 वर्षीय एक बच्चे ने खूंटी सदर अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

दिल्ली में कमांडेंट के घर पहुंचे चोर ने सीसीटीवी बंद किया, रास्ते में कई बार बदले कपड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी आवास में चोरी करने के बाद आरोपितों ने पुलिस से बचने के लिए पूरी सावधानी बरती। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को बंद किया और वारदात के बाद रास्ते में अलग-अलग स्थानों पर कई बार कपड़े बदले, ताकि उनकी पहचान न हो सके। इसके बावजूद दक्षिणी जिला पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किए गए सभी आभूषण, कलाई घड़ी और चश्मे बरामद कर लिए हैं। वारदात में इस्तेमाल चोरी की बाइक भी बरामद की गई है। खादर के राजनगर निवासी सुमित कुमार उर्फ इल्लू और रोहन कुमार हैं।





सुमित के खिलाफ पहले से चोरी और चोरी का सामान रखने से जुड़े 19 मामले दर्ज हैं, जबकि रोहन का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक, 26 अक्टूबर को डिफेंस कॉलोनी थाने में सरकारी आवास में चोरी की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को शिकायतकर्ता ने बताया कि वह सरकारी फ्लैट में केयरटेकर है। अज्ञात लोगों ने कमांडेंट के आवास में घुसकर कीमती सामान चोरी कर लिया है। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें दो संदिग्ध घर में प्रवेश करते दिखाई दिए। वारदात के बाद उनमें से एक ने घर में लगा सीसीटीवी कैमरा भी बंद कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने आसपास के कैमरों की फुटेज के जरिए दोनों की आवाजाही का रास्ता तलाशना शुरू किया।

मूलचंद से कालिंदी कुंज तक खंगाली फुटेज

फुटेज में दोनों आरोपित काले रंग की स्प्लेंडर प्लस बाइक पर मूलचंद से ओखला होते हुए कालिंदी कुंज की तरफ जाते दिखाई दिए। इस दौरान अलग-अलग स्थानों पर उनके कपड़े बदले हुए नजर आए। पुलिस टीम ने अलग-अलग कैमरों की फुटेज का मिलान कर उनकी गतिविधियों को जोड़ते हुए पहचान की। जांच में पता चला कि वारदात में इस्तेमाल बाइक 14 अक्टूबर को हौजखास थाना क्षेत्र से चोरी किया गया था। तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के पास से चार ऑक्सीडाइज्ड ब्रांडेड हार, दो जेम्स ब्रांड के हार, कानों के आठ जोड़ी टॉप्स, एक ब्रांडेड कलाई घड़ी और दो ब्रांडेड चश्मे बरामद किए हैं।

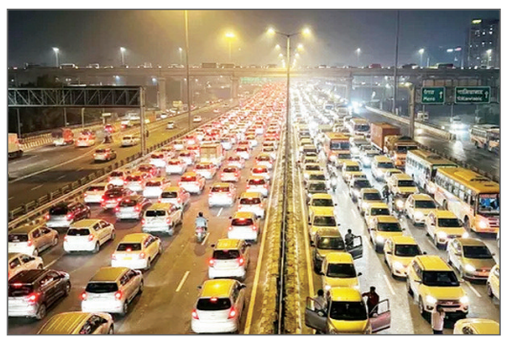
एनडीएमसी खान मार्केट, गोल मार्केट और अकबर भवन समेत 4 परिसरों को बनाएगी मॉडर्न; पीपीपी मॉडल पर तैयार होगी योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। लुटियंस दिल्ली के प्रमुख व्यावसायिक परिसरों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त करने और उनकी उपयोगिता बढ़ाने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने पुनर्विकास की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत खान मार्केट कम्युनिटी सेंटर समेत चार प्रमुख परिसरों का कायाकल्प किया जाएगा। इनमें चाणक्यपुरी का अकबर भवन, गोल मार्केट स्थित शहीद भगत सिंह प्लेस और कनॉट प्लेस के पास स्थित पुराना सुपर बाजार भवन शामिल हैं। एनडीएमसी इन्हें सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर विकसित करने पर काम कर रहा है। इसके लिए एनडीएमसी ने इन परिसरों के पुनर्विकास की रूपरेखा तैयार करने के लिए ट्रांजेक्शन एडवाइजर नियुक्त करने के लिए अभिरूचि आमंत्रित की है। यह ट्राजेक्शन एडवाइजर इन संपत्तियों की मौजूदा स्थिति, व्यावसायिक संभावनाओं, निवेश और आर्थिक व्यवहार्यता का आकलन करेंगे। इसके आधार पर पुनर्विकास की विस्तृत योजना तैयार की जाएगी। एनडीएमसी के अनुसार करीब 15 एकड़ में फैले इन परिसरों को एकीकृत व्यावसायिक और खुदरा केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। इसमें लोकनायक भवन, एनडीएमसी और सीपीडब्ल्यूडी के कर्मचारी आवास, बहुस्तरीय पार्किंग और पृथ्वीराज मार्केट का क्षेत्र शामिल है। योजना के तहत करीब एक लाख वर्गफुट निर्मित क्षेत्र विकसित करने की संभावना है। एनडीएमसी की योजना के अनुसार परिसर में पुराने और जर्जर कर्मचारी आवासों के पुनर्विकास पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए मौजूदा पार्किंग स्थल को भूमिगत बहुस्तरीय पार्किंग में बदलने का विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है।



दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भयंकर जाम, रात 2 बजे तक वाहन फंसे रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली की खरीदारी और त्योहारी भीड़ के चलते गुरुवार को मेरठ एक्सप्रेसवे (जिसे एनएच-24 भी कहा जाता है) पर भयंकर जाम लग गया। यात्री रात 2 बजे तक वाहनों में फंसे रहे। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और इससे जुड़ी दिल्ली रोड पर सुबह से ही वाहनों का दबाव बढ़ना शुरू हो गया था। बेगमपुल से परतापुर इंटरचेंज तक लंबे समय तक गाड़ियां रेंगती रहीं। मिनटों का सफर घंटों में पूरा हो रहा था। शहर के अन्य प्रमुख मार्गों माल रोड, रेलवे रोड, जीरो माइल और आसपास के इलाकों में भी भारी जाम देखा गया।



ट्रैफिक पुलिस के प्रयासों के बावजूद स्थिति नियंत्रण में नहीं आ पाई। कई जगहों पर लोग वाहन छोड़कर पैदल निकलने को मजबूर हुए। पुलिस प्रशासन ने दीपावली, धनतेरस, गोवर्धन पूजा और भैया दूज के मद्देनजर 5 से 11 नवंबर तक रोज सुबह 7 बजे से रात 2 बजे तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया है। प्रमुख बाजारों में वाहनों की एंट्री प्रतिबंधित है और रोडवेज बसों तथा भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक रूट तय किए गए हैं। फिर भी त्योहारी भीड़ के कारण जाम की समस्या बनी रही। एसपी ट्रैफिक राजेश श्रीवास्तव ने लोगों से अपील की है कि घर से निकलने से पहले वैकल्पिक मार्गों की जानकारी ले लें और अनावश्यक यात्रा से बचें। त्योहारों के दौरान मेरठ और आसपास के इलाकों में यातायात व्यवस्था चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। यात्रियों को सलाह दी जा रही है कि वे धैर्य रखें और पुलिस निर्देशों का पालन करें।

दिल्ली में इमारत हादसे में बड़ा एक्शन, फरीदाबाद से तीन ठेकेदार गिरफ्तार

मलबे में अब भी 5 लोगों के दबे होने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने चावड़ी बाजार की गली शीश महल में निर्माणाधीन इमारत के ढहने के मामले में तीन ठेकेदारों सिराज, ताजुद्दीन और फुरकान को फरीदाबाद जिले के गांव सिरोही से गिरफ्तार किया है। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, उन्हें इस घटना के संबंध में दर्ज 105 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के मामले (हत्या की श्रेणी में न आने वाले आपराधिक मानव वध के लिए सजा) में गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान एसडीएम मनोज कुमार ने गुरुवार को बताया कि चावड़ी बाजार क्षेत्र में ढही इमारत के बेसमेंट में अभी भी पांच लोगों के फंसे होने की आशंका है, जबकि अब तक चार लोगों को बचाया जा चुका है।



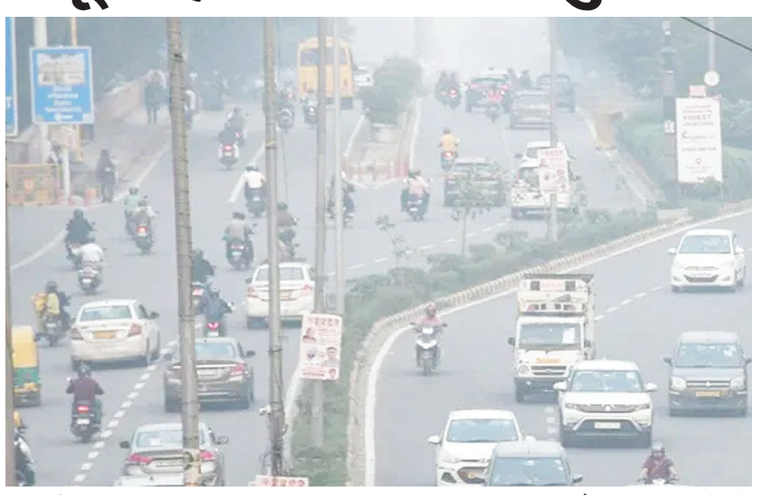
उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मी बचाव अभियान में लगे हुए हैं। इमारत ढहने के संभावित कारण की व्याख्या करते हुए कुमार ने कहा कि यह संरचना एक छोटे प्लॉट पर बनाई गई थी और अस्थायी सहारे शायद कंक्रीट और मलबा सूखने से पहले ही हटा दिए गए थे।

उन्होंने कहा, 'एक छोटे प्लॉट पर चार मंजिला संरचना बनाई गई थी। ऐसा लगता है कि सेंटरिंग (अस्थायी सहारा) हटा दिया गया था जबकि मलबा/कंक्रीट अभी गीला था, जिसके कारण ढह गई। गीला मलबा अब जम गया है और बेसमेंट में फंसा हुआ है। आशंका है कि 5 लोग फंसे हुए हैं। वर्तमान में एनडीआरएफ और एमसीडी के 30 कर्मी अभियान में लगे हैं। चार लोगों को बचाया जा चुका है।' निर्माणाधीन इमारत के ढहने के मामले में तीन ठेकेदारों (बाएं से दाएं) ताजुद्दीन, फुरकान और सिराज को फरीदाबाद जिले के गांव सिरोही से गिरफ्तार किया है। सौ. दिल्ली पुलिस बता दें कि गुरुवार सुबह लगभग 10:30 बजे पुरानी दिल्ली के चावड़ी बाजार क्षेत्र में एक निर्माणाधीन इमारत ढहने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए थे।

दिल्ली की हवा हुई जहरीली, नोएडा-ग्रेटर नोएडा में एक्यूआई 773 तक पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और इससे सटे नोएडा-ग्रेटर नोएडा में धनतेरस के दिन शुक्रवार 6 नवंबर की सुबह वायु प्रदूषण गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। सुबह के समय धुंध और स्मॉग की घनी चादर छाई हुई है, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई है। कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खतरे के निशान को पार करते हुए 700 के आंकड़े को भी पार कर गया है, जिससे सांस लेना दूभर हो गया है। गले में खरांस और सांस लेने में दिक्कत बढ़ गई है।

कैसा रहेगा आज का मौसम: आज शुक्रवार 6 नवंबर को दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आसमान साफ (धूप) रहने के बावजूद प्रदूषण के कारण हवा में धुंधलापन बना हुआ है। दिल्ली में इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (आईजीआई) एयरपोर्ट पर शुक्रवार 6 नवंबर को सुबह के समय रनवे पर विजिबिलिटी 1300 मीटर से 1700 मीटर के बीच दर्ज की गई। वहीं, सामान्य विजिबिलिटी 1000 मीटर के आसपास रही। उड़ानों पर फिलहाल कोई बड़ा असर नहीं है, लेकिन धुंध बनी हुई है। बढ़ते प्रदूषण के कारण लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश और सांस लेने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बुजुर्गों, बच्चों और सांस के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने तथा सुबह के समय घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।



दिल्ली से मुंबई का हवाई सफर 2027 से बदलेगा, कुछ उड़ानें नवी मुंबई शिफ्ट होंगी; टिकट पर टर्मिनल जरूर जांचें

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से मुंबई के बीच हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों को 2027 से उड़ानों के टर्मिनल और एयरपोर्ट को लेकर सतर्क रहना होगा। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के पुनर्विकास के कारण कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानांतरित की जाएंगी। हालांकि, दिल्ली-मुंबई की अधिकांश घरेलू उड़ानें मुंबई के मौजूदा एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 से ही संचालित होंगी। दिल्ली-एनसीआर से मुंबई की नियमित यात्रा करने वालों के लिए 2027 के बाद टिकट बुक करते समय टर्मिनल की जानकारी जांचना जरूरी होगा। टर्मिनल-1 के बंद रहने के दौरान दिल्ली से मुंबई आने-जाने वाली अधिकांश घरेलू उड़ानें छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर रहेंगी। यानी इन उड़ानों से जाने वाले यात्रियों की लैंडिंग मुंबई शहर के मुख्य एयरपोर्ट पर ही होगी। हालांकि, कुछ चुनिंदा घरेलू रूट और खाड़ी देशों समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेने वाले यात्रियों को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचना पड़ सकता है। ऐसे में 2027 के बाद टिकट बुक करने से पहले उस पर दर्ज टर्मिनल कोड की जांच करना जरूरी होगा। मुंबई एयरपोर्ट का करीब छह दशक पुराना टर्मिनल-1 वर्ष 1964 में बनाया गया था। इसकी जर्जर स्थिति और सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर चिंताएं जताई गई थीं। इसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने पुराने ढांचे को पूरी तरह ध्वस्त कर चार-स्तरीय अत्याधुनिक टर्मिनल बनाने की योजना को अंतिम रूप दिया है। योजना के मुताबिक, जनवरी 2027 से निर्माण कार्य शुरू होगा और अप्रैल 2027 से पुराने टर्मिनल को ढहाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। दिसंबर 2030 तक नया टर्मिनल चालू करने का लक्ष्य है। निर्माण के दौरान हवाई यातायात सुचारू रखने के लिए करीब 50 लाख यात्रियों और कई उड़ानों को अस्थायी रूप से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानांतरित किया जाएगा। समर 2027 शेड्यूल के तहत 50 में से 38 अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ही स्लॉट आवंटित किए गए हैं। वहीं, 14 गंतव्यों के लिए रोजाना 16 उड़ानें संचालित करने वाली 12 अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस को मार्च 2027 के अंत से नवी मुंबई से सेवाएं देनी होंगी।

बेंगलुरु में खूनी खेल, कैब ड्राइवर ने पत्नी और बेटा समेत ससुराल के 7 लोगों का किया मर्डर

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है जिसमें एक सात साल के लड़के समेत एक परिवार के सात लोगों की हत्या कर दी गई। आरोपी कैब ड्राइवर इंदुशेखर ने दावा किया है कि उसने अपनी पत्नी समेत 7 लोगों की पारिवारिक विवाद के बाद हत्या कर दी है। पुलिस ने सात साल के लड़के पुनीत की लाश बरामद कर ली है, लेकिन बाकी लाशों की तलाश अभी भी जारी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी ने पारिवारिक विवाद के चलते हत्याएं की हैं। जानकारी के मुताबिक आरोपी इंदुशेखर अपनी पत्नी के मायके वालों से लगातार संपर्क से खुश नहीं था, पुलिस को शक है कि इसी वजह से हत्याएं हुईं। सूत्रों के मुताबिक, शेखर का अपनी पत्नी सुनीता के साथ अक्सर झगड़ा होता था। उनकी



शादी करीब 20 साल पहले हुई थी। झगड़े की वजह सुनीता का अपने मायके जाना था। परिवार के सदस्यों ने दोनों के बीच सुलह कराने की कोशिश की, लेकिन उनके बीच मतभेद बने रहे। जानकारी के मुताबिक सुनीता को उसकी मां और भाइयों का समर्थन मिलने से शेखर नाराज था, इसलिए उसने उसके पूरे परिवार को खत्म करने का फैसला किया। सूत्रों के अनुसार, ये हत्याएं राजाजीनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले बसरूम सर्कल के पास, 59वें क्रॉस के एक रिहायशी इलाके में हुईं। , फिर उसके शव को कपड़े में लपेटकर नंदी हिल्स के पास फेंक दिया। अगले दिन, उसने अपने साले शिवकुमार और शंकर को पार्टी के बहाने अपने घर बुलाया और सिलबट्टे से उनकी हत्या कर दी। सूत्रों के मुताबिक, इसके बाद उसने उनकी पत्नियों - दिव्या और नालिनी, अपनी सास रूपावती और शिवकुमार के 7 साल के बेटे पुनीत की भी हत्या कर दी। इन हत्याओं का खुलासा तब हुआ जब गुरुवार को नालिनी की मां ने श्रीरामपुरा पुलिस स्टेशन में उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने मृतकों की पहचान की

पीड़ितों की पहचान इंदुशेखर की पत्नी सुनीता, सास रूपवती, साले शिवकुमार और शंकर, साली दिव्या और नलिनी, और शंकर के सात साल के बेटे के रूप में हुई है। शुरुआती जांच के मुताबिक, आरोपी ने हत्याओं की प्लानिंग की और पहले अपनी पत्नी को मारा। बाद में उसने अपने दो साले को पार्टी देने के बहाने घर बुलाया और उनकी हत्या कर दी। इसके बाद उसने उनकी पत्नियों, अपनी सास और शंकर के छोटे बेटे को भी मार डाला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शेखर ने सबसे पहले सिलबट्टे (पत्थर) से सुनीता की हत्या की।

एक ही परिवार के छह सदस्यों के नाम मतदाता सूची में फिर से जोड़ने का आदेश', बांबे हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

पणजी, एजेंसी। बांबे हाई कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग को आदेश दिया कि वह गोवा के रहने वाले परेश सालगांवकर और उनके परिवार के पांच सदस्यों के नाम मतदाता सूची में फिर से जोड़े। इन नामों को एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हटा दिया गया था। हाई कोर्ट की गोवा पीठ ने यह निर्देश सांता क्रूज़ विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले सालगांवकर और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। सालगांवकर



परिवार ने आयोग द्वारा एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से अपने नाम हटाए जाने को चुनौती दी थी। यह तब हुआ जब पता बदलने के लिए उनके द्वारा भरे गए 'फार्म 8' आवेदन को खारिज कर दिया गया था। सालगांवकर और उनके परिवार की ओर से पेश वकील विवेक रोड्रिग्स ने बताया कि हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि याचिकाकर्ताओं के नाम 10 दिनों के भीतर मतदाता सूची में फिर से जोड़ दिए जाएं।

संक्षिप्त समाचार

सुसाइड के लिए नदी में कूदी महिला, मगरमच्छ ने काटा तो चिल्लाई; पुलिस ने बचाई जान

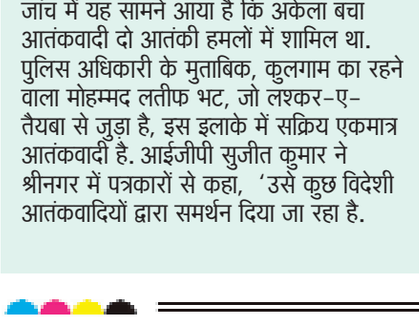
बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उडुप्पी जिले में एक महिला ने आत्महत्या करने के इरादे से



कुमारधारा नदी में छलांग लगा दी। नदी में मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया, जिसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से उसे बचा लिया गया। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना बुधवार रात कुक्के सुब्रह्मण्य में कुमारधारा पुल के पास हुई। जानकारी के मुताबिक महिला अपनी निजी समस्याओं को लेकर परेशान थी और उसने अपनी जान देने के इरादे से नदी में छलांग लगा दी। पुलिस ने बताया कि जब वह पानी में थी, तब एक मगरमच्छ ने उसे काट लिया, जिससे उसे मामूली चोटें आईं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले की सूचना देते हुए बताया कि हमले के बाद महिला मदद के लिए चिल्लाई। एक कर्मचारी ने महिला की चीख सुनीं और सुब्रह्मण्य पुलिस को सूचना दी। पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से महिला को नदी से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बाद उसे एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना के बाद पुलिस ने महिला के परिवार वालों को घटना की सूचना दी और महिला की काउंसलिंग के बाद उसे उनके साथ घर भेज दिया। इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस ने बताया कि परिवार के अनुरोध पर उन्होंने महिला की पहचान उजागर नहीं की है।

गोली नहीं, शांति चाहिए: मणिपुर में हिंसा के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिले में में गुरुवार को सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली।



प्रदर्शनकारियों ने राज्य में हिंसा समाप्त करने, उग्रवादी संगठनों के साथ हुए सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) समझौते को रद करने और उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन को पद से हटाने की मांग की। उखरुल जिला मुख्यालय में आयोजित इस 'जन रैली' में महिलाओं समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। एसओओ समझौता केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और कुकी-जोमी के कई उग्रवादी संगठनों के बीच हुआ त्रिपक्षीय समझौता है।प्रदर्शनकारियों ने मणिपुर के राजनीतिक संकट का समाधान करने, नगा बहुल क्षेत्रों से असम राइफल्स को हटाने और राज्य में कथित छद्म युद्ध रोकने की भी मांग की।

कश्मीर में सिर्फ एक स्थानीय आतंकवादी सक्रिय, कुलगाम का रहने वाला है लतीफ भट

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर में अब सिर्फ एक स्थानीय आतंकवादी सक्रिय है. कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (ङ्घन्नक्क) सुजीत कुमार ने गुरुवार को यह जानकारी दी और बताया कि जांच में यह सामने आया है कि अकेला बचा आतंकवादी दो आतंकी हमलों में शामिल था. पुलिस अधिकारी के मुताबिक, कुलगाम का रहने वाला मोहम्मद लतीफ भट, जो लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा है, इस इलाके में सक्रिय एकमात्र आतंकवादी है. आईजीपी सुजीत कुमार ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा, 'उसे कुछ विदेशी आतंकवादियों द्वारा समर्थन दिया जा रहा है.

गोकुल मामले में बीजेपी पर दोहरे मापदंड का आरोप

सत्ताधारी पार्टी विपक्ष के खिलाफ निकाल रही मोर्चा, ऐसा दुनिया में कहीं नहीं देखा: राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। देश में इन दिनों राजनीतिक पार्टियों द्वारा सड़क पर विरोध और आंदोलन का दौर चल रहा है. कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक के नेता चुनाव आयोग में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए सरकार पर हमलावर है, जबकि सत्तारूढ़ बीजेपी भी विपक्ष के आरोपों के खिलाफ मार्च निकाल रही है. इस बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने बीजेपी को घेरा है. और हार के डर से ऐसे हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया. राज ठाकरे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए विपक्ष के खिलाफ मार्च निकलाने को लेकर बीजेपी पर तीखा हमला बोला. मनसे प्रमुख ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी एक अजीब पार्टी है.



जो नीचे से लेकर ऊपर तक सत्ता में है, फिर भी लोकतंत्र बचाओ के नाम पर मोर्चे निकाल रही है. यह दुनिया का शायद एकमात्र उदाहरण होगा, जहां सत्ताधारी पार्टी विपक्ष के खिलाफ मोर्चा निकालती है.' राज ठाकरे ने गोकुल मामले का हवाला देकर बीजेपी पर दोहरे मापदंडों को लेकर भी हमला बोला. उन्होंने कहा, 'अच्छा, अगर वास्तव में लोकतंत्र का सम्मान करने की इतनी ही इच्छा है, तो गोकुल मामले में आपके बीजेपी पैनल के 12 और सतेज पाटील पैनल के 13 उम्मीदवार चुनाव जीतकर आए, तो उसके तुरंत बाद आपने सरकार के (यानी अपनी ही पार्टी के) 5 संचालक क्यों नियुक्त किए?' आप आखिर क्या साबित करना चाहते हैं? वे सभी बैलेट पेपर से और लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़कर जीतकर आए थे. अगर आपको सच में लोकतंत्र की परवाह या चिंता होती, तो आप इस तरह का काम नहीं करते.

बीजेपी में समझदारी का भीषण सूखा है- राज ठाकरे

ठाकरे ने बीजेपी को 'समझदारी का भीषण सूखा' बताया. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में इस समय पानी का भीषण सूखा है और भारतीय जनता पार्टी में समझदारी का भीषण सूखा है. ये दोनों सूखे एक साथ कैसे पड़ सकते हैं, यही हैरानी की बात है. सत्ता में रहते हुए ये लोग लोकतंत्र बचाओ के नाम पर मोर्चे निकालेंगे और खुद ही लोकतंत्र का गला घोंटेंगे. उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था बदहाल हो गई है, अब इसके लिए भी मोर्चे निकालेंगे. साथ ही कहा कि बीजेपी को हार के डर से अपनाए जाने वाले ऐसे हथकंडे बंद करने चाहिए. किसी भी तरीके से आपने जो बहुमत हासिल किया, उसे सभी विपक्षी दलों ने 12 साल तक सहन किया. अब जब देश की जनता विपक्षी दलों की ओर झुकने लगी है।

सीएम अंकल ने वादा पूरा किया...', बेटी के आंसुओं का 24 घंटे में असर; हिमाचल में 700 किमी दूर तैनात मां का घर के पास तबादला

शिमला, एजेंसी। बेटी के आंसू 700 किलोमीटर दूर से मां को घर के पास ले आए। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के सामने बच्ची की भावुक गुहार के अगले ही दिन वीरवार को उसकी मां के तबादले का आदेश जारी हो गया। चंबा जिला के देहग्रां में सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम के दौरान बुधवार को तीसा की राजकीय प्राथमिक पाठशाला सत्यास में पांचवीं कक्षा की छात्रा वंशिका मुख्यमंत्री से लिपटकर फूट-फूटकर रो पड़ी थी। दो साल से मां से दूर रहने की पीड़ा आंसुओं के रूप में छलक पड़ी। उसकी एक ही गुहार थी कि मां बहुत दूर नौकरी करती हैं, जिन्हें घर के पास तैनात



करवा दीजिए ताकि वह उनके साथ रह सके। मुख्यमंत्री ने बच्ची को उसकी मां को घर के निकट तैनात करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया था। दैनिक जागरण ने इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। मुख्यमंत्री के आश्वासन के करीब 24 घंटे के भीतर स्कूल शिक्षा निदेशालय ने पांच प्रतिशत स्थानांतरण नीति के तहत जेबीटी शिक्षिका नरो देवी के अंतर जिला तबादला आदेश जारी कर दिए। वह शिमला जिले के शिक्षा खंड नेरवा की राजकीय प्राथमिक पाठशाला सोवल में तैनात थीं। उन्हें चंबा जिले के शिक्षा खंड तीसा की राजकीय प्राथमिक पाठशाला चंडरू में तैनाती दी गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष कोहली ने बताया कि तबादला स्थानांतरण प्रतिबंध में छूट देकर किया गया है। वंशिका के पिता गिरीश कुमार किसान हैं। वंशिका और उसका भाई पिता के साथ गांव में रहते हैं। वंशिका ने मुख्यमंत्री को बताया था कि वह जवाहर नवोदय विद्यालय में पढ़ना चाहती है और आइपीएस अधिकारी बनना उसका सपना है। मां के तबादले के आदेश जारी होने पर वंशिका के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

नवी मुंबई में घर के बाहर दो युवतियों पर अंधाधुंध फायरिंग, दोनों गंभीर रूप से घायल; पुलिस ने मुख्य आरोपी दबोचा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में त्योहारों के माहौल के बीच नवी मुंबई से एक बेहद चौंकाने वाली और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। नवी मुंबई के कोपरखैरणे इलाके में गुरुवार रात अज्ञात कारणों से दो युवतियों पर अंधाधुंध फायरिंग की गई, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। वारदात के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।



जानकारी के अनुसार, यह वारदात कोपरखैरणे सेक्टर 1 के स्स्3 इलाके में गुरुवार रात करीब 9:30 बजे हुई। एक घर के बाहर दो सहेलियां खड़ी थीं, तभी आरोपियों ने उन पर गोलियां चला दीं। इस जानलेवा हमले में एक युवती के कान के पास और उसकी दूसरी सहेली की पीठ में गोली लगी है। फायरिंग की आवाज सुनकर इलाके में चीख-पुकार मच गई और दोनों युवतियां लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ीं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और घायल युवतियों को वाशी के नवी मुंबई महानगरपालिका अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही कोपरखैरणे पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

नवंबर में दिन का पारा पहुंच रहा 31 डिग्री, पिछले साल से 5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा

प्रदूषण के मामले में फिलहाल राहत

चंडीगढ़, एजेंसी। नवंबर का पहला सप्ताह बीतने को है, लेकिन चंडीगढ़ में अभी भी दिन के समय गर्मी का अहसास हो रहा है। सुबह और रात को हल्की ठंड महसूस होने लगी है, जबकि दोपहर में तेज धूप के कारण तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच रहा है। वीरवार को अधिकतम तापमान करीब 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम में ठंडक आने की रफ्तार फिलहाल धीमी बनी हुई है। पिछले साल इसी समय शहर में अपेक्षाकृत ठंडक थी। 5 नवंबर 2025 को अधिकतम तापमान करीब 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहा था। इस लिहाज से इस बार दिन का तापमान करीब पांच डिग्री अधिक है। सुबह-शाम और दिन के तापमान में अंतर के कारण लोगों को दोहरे मौसम का अहसास हो रहा है।



वायु प्रदूषण के मोर्चे पर चंडीगढ़ को फिलहाल राहत मिली हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 4 नवंबर के आंकड़ों के अनुसार शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 74 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। वहीं पिछले साल 5 नवंबर को एक्यूआई करीब 152 था। पिछले साल नवंबर के शुरुआती दिनों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ा था।

पिछले साल गुरुपर्व पर बिगड़ी थी हवा

पिछले साल पांच नवंबर को गुरुपर्व के दौरान आतिशबाजी के कारण रात में प्रदूषण का स्तर अचानक बढ़ गया था। शाम पांच बजे संतोषजनक श्रेणी में चल रहा एयर क्वालिटी इंडेक्स रात 11 बजे 240 तक पहुंच गया था। अगली सुबह इसमें सुधार हुआ और यह 112 पर आ गया था। इस बार दीवाली पर पटाखे चलाने के लिए रात 8 से 10 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। ऐसे में त्योहार के बाद प्रदूषण के स्तर में होने वाले बदलाव पर नजर रहेगी।

हेमंत सोरेन के मंत्री इरफान अंसारी के खिलाफ बीजेपी ने क्यों खोला मोर्चा? इस्तीफे और कानूनी कार्रवाई की मांग

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार में कांग्रेस के मंत्री इरफान अंसारी के एक विवादित बयान पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है. अंसारी ने दावा किया था कि दिल्ली में 40 लाख युवा और छात्र सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं और उन्होंने राहुल गांधी के इशारे का इंतजार कर रहे हैं. उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सचेत नहीं हुए तो भारत का हाल बांग्लादेश और नेपाल से भी बदतर हो जाएगा.उनके इस बयान को बीजेपी ने 'राष्ट्रविरोधी' और देश में अराजकता फैलाने की कोशिश करार दिया है. पार्टी ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है.

बीजेपी ने आरोप लगाया कि पिछले तीन चुनाव में नाकाम रहने के बाद कांग्रेस देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है. पार्टी ने अंसारी के कथित बयान का हवाला दिया कि 40 लाख युवा राहुल गांधी के आदेश का इंतजार कर रहे हैं ताकि वो आगे की कार्रवाई कर सकें. बीजेपी के प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा, 'इरफान अंसारी अराजकता की भाषा बोल रहे हैं। वह कह रहे हैं कि 40 लाख छात्र सड़कों पर उतरेंगे और वे राहुल गांधी के इशारे का इंतजार कर रहे हैं. कांग्रेस ने अपना इरादा साफ कर दिया है. पिछले तीन चुनावों में लगातार नाकाम रहने के बाद कांग्रेस



देश में अराजकता फैलाना चाहती है'. उन्होंने कहा कि हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि राष्ट्रविरोधी बयानों के लिए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए. दरअसल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इंटरव्यू में बातचीत के दौरान दावा किया था कि बीजेपी के शासन में युवा, किसान, मध्यम वर्ग, दलित, आदिवासी और मुस्लिम परेशान हैं तथा उनके बीच गुस्सा बढ़ रहा है. उन्होंने कहा 'मैं दिल्ली गया था और वहां छात्रों से बात की. उन्होंने कहा कि 40 लाख युवा सड़कों पर हैं. वो सिर्फ एक आदेश का इंतजार कर रहे हैं. वो राहुल गांधी की बात से आगे नहीं जाएंगे. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने इन युवाओं को रोके रखा है. मंत्री ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री सतर्क नहीं हुए तो देश में आपातकाल जैसी स्थिति पैदा हो जाएगी. उन्होंने कहा कि स्थिति बांग्लादेश और नेपाल से भी बदतर होगी. वहीं विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी पर भड़काऊ बयान देने और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाते हुए उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की है. विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने अंसारी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि झारखंड के मंत्री अपनी जिहादी मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं और भारत में भी बांग्लादेश एवं नेपाल जैसे हालात पैदा करने का सपना देख रहे हैं. बंसल ने कहा, 'उन्हें शर्म आनी चाहिए और तुरंत माफी मांगनी चाहिए. आपकी यह कहने की हिम्मत कैसे हुई कि केवल इसलिए कि राहुल गांधी के साथ बहुत सारे लोग हैं।

अहमदाबाद का कालूपुर स्टेशन बनेगा 'सुपर हब': ऊपर बुलेट ट्रेन, बीच में रेगुलर ट्रेन और नीचे मेट्रो!

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद का कालू पुर रेलवे स्टेशन अब सिर्फ यात्रियों के चढ़ने-उतरने की जगह नहीं, बल्कि एक बड़े ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित होने जा रहा है. इस स्टेशन में सबसे ऊपर बुलेट ट्रेन, उसके नीचे भारतीय रेलवे की रेगुलर ट्रेनें और सबसे निचले स्तर पर मेट्रो की सुविधा होगी. कालू पुर रेलवे स्टेशन पर अभी एक बड़ा बदलाव चल रहा है और पूरे प्रोजेक्ट को 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. बुलेट ट्रेन स्टेशन का ऊपरी ढांचा अब बनकर तैयार हो गया है और अगले चरण में यहां पटरियां बिछाने का काम होगा. इसके अलावा, बुलेट ट्रेन स्टेशन और मेट्रो के बीच कनेक्टिविटी भी जोड़ी जा रही है. स्टेशन के दक्षिणी हिस्से में 'मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब' का काम पूरा हो चुका है, जबकि उत्तरी हिस्से में काम तेजी से चल रहा है. कालू पुर में चल रहे विकास कार्यों के बारे में रेलवे डिविजनल मैनेजर वेद प्रकाश ने जानकारी दी. उन्होंने ईटीवी भारत से बातचीत में बताया, 'स्टेशन के अलग-अलग हिस्सों में कई चरणों में काम चल रहा है. दक्षिणी हिस्से में मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब का काम पूरा हो गया है, जबकि उत्तरी हिस्से में काम तेजी से आगे बढ़ रहा है. बुलेट ट्रेन स्टेशन का ऊपरी ढांचा भी लगभग पूरा हो चुका है. अगले चरण में पटरियां बिछाने का काम शुरू होगा.' कालू पुर रेलवे स्टेशन के विकास की सबसे खास बात इसकी कनेक्टिविटी है. आमतौर पर रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन और अन्य ट्रांसपोर्ट सुविधाएं अलग-अलग जगहों पर होती हैं, लेकिन कालूपुर में इन तीनों प्रणालियों को एक ही परिसर में जोड़ने का लक्ष्य है. मौके पर प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए डीआरएम वेद प्रकाश ने बताया कि वे अभी जहां खड़े हैं, वह बुलेट ट्रेन स्टेशन की पहली मंजिल का हिस्सा है. दक्षिण दिशा में मौजूद पहली मंजिल के हिस्से का इस्तेमाल यात्रियों के लिए 'होल्डिंग एरिया' (प्रतीक्षा क्षेत्र) के तौर पर किया जा रहा है. इस कॉम्प्लेक्स को इस तरह डिजाइन किया गया है कि सबसे ऊपर बुलेट ट्रेन स्टेशन होगा, उसके नीचे भारतीय रेलवे के प्लेटफॉर्म होंगे, और सबसे निचले स्तर पर मेट्रो स्टेशन होगा. उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे के प्लेटफॉर्म 10, 11 और 12 ठीक इसी हिस्से के नीचे स्थित हैं. इस तरह बुलेट ट्रेन के यात्रियों और सामान्य रेल यात्रियों के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं तो होंगी ही, साथ ही दोनों के बीच एक संपर्क भी बना रहेगा.

संक्षिप्त समाचार

व्हाइट हाउस में दिवाली मनाएंगे ट्रंपः ओवल ऑफिस में जलाएंगे दीप

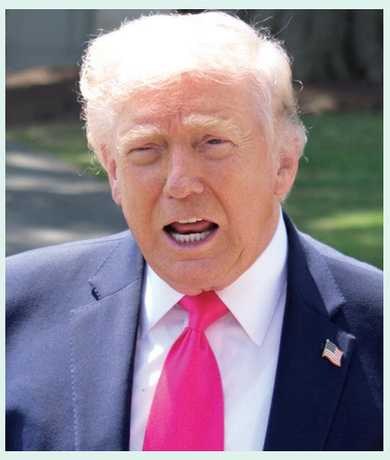
वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को व्हाइट हाउस में दिवाली



समारोह में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम ओवल ऑफिस में होगा। इसके साथ ही एक पुरानी परंपरा जारी रहेगी। इस परंपरा की शुरुआत राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने की थी। व्हाइट हाउस में कब शुरू हुई दीप जलाने की परंपरा? पहले दिवाली के कार्यक्रम ज्यादातर आइजनहावर एग्जीक्यूटिव ऑफिस बिल्डिंग में होते थे। इन कार्यक्रमों में भारतीय मूल के अमेरिकी समुदाय के लोग और भारतीय राजनयिक शामिल होते थे। साल 2009 में राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में पहली बार दीप जलाया था। यह कार्यक्रम ईस्ट रूम में आयोजित किया गया था। इसके बाद व्हाइट हाउस में अलग-अलग जगहों पर दीप जलाने के समारोह होने लगे। इनमें ओवल ऑफिस और रूजवेल्ट रूम भी शामिल हैं। पिछले साल ट्रंप के साथ किसने मनाई थी दिवाली? पिछले साल अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा भी ट्रंप के साथ दिवाली समारोह में शामिल हुए थे। यह कार्यक्रम ओवल ऑफिस में हुआ था। इस दौरान पारंपरिक तरीके से दीप जलाया गया था।

शेयर बाजार में गिरावट के लिए डेमोक्रेट्स को ठहराया जिम्मेदार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट पर



प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर इसे इतिहास के सबसे बुरे दिनों में से एक बताया। ट्रंप ने कहा कि यह सब देखना बहुत दुखद है। ट्रंप ने लिखा, चुनाव के नतीजों के आधार पर शेयर बाजार ने इतिहास के सबसे बुरे दिनों में से एक देखा। यह देखना बहुत दुखद है। हमें उस स्तर तक पहुंचाने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी थी, जिसे पहले कभी किसी ने नहीं देखा था। और फिर यह सब हो गया। इसलिए आपके 401(के) खातों में जमा रकम भी घट गई है। याद रखिए, इसके लिए रिपब्लिकन जिम्मेदार नहीं थे, बल्कि डमोक्रेट्स (डेमोक्रेट्स) जिम्मेदार थे। उन्होंने आगे लिखा, हालांकि, डरने की जरूरत नहीं है। हम जल्द ही, किसी न किसी तरह, पहले से कहीं ज्यादा बड़े और मजबूत होंगे। अमेरिका को फिर से महान बनाएं। राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में सामने आई है, जब उनको हालिया मध्यावधि चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। यह चुनाव अमेरिकी राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा मील का पत्थर साबित हुआ है, जहां दशकों पुराने सियासी समीकरण पूरी तरह पलट गए हैं। देश भर के मतदाताओं ने अभूतपूर्व विविधता दिखाते हुए कई ऐतिहासिक और जमीनी बदलावों पर अपनी मुहर लगाई है। संसद और गवर्नर्स के पदों पर हुए इस बड़े फेरबदल से आने वाले समय में राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन के खिलाफ एक मजबूत राजनीतिक मुकाबला देखने को मिलेगा।

चीन बांग्लादेश को 22 हजार करोड़ के फाइटर जेट देगा

पाकिस्तान पायलट्स को उड़ाना सखाएगा; भारत की सीमा से 40 किमी दूर होगी ट्रेनिंग

ढाका, एजेंसी। चीन अगले साल बांग्लादेश को करीब 22 हजार करोड़ रुपए के जे-सीरीज फाइटर जेट देगा। इन विमानों को उड़ाने की ट्रेनिंग पाकिस्तान की एयरफोर्स देगी। इसके लिए पाकिस्तानी ट्रेनर भारत की सीमा से करीब 40 किलोमीटर दूर बांग्लादेश के जेस्सोर एयरबेस पर पायलट्स को प्रशिक्षण दे सकते हैं। पाकिस्तान की एयरफोर्स 2022 से चीन में बने जे-सीरीज फाइटर जेट उड़ा रही है। चीन के बाद पाकिस्तान के पास इन विमानों का सबसे बड़ा बेड़ा है। इसी वजह से उसके पास इन विमानों को उड़ाने का सबसे ज्यादा अनुभव भी है।

चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की वायुसेना के अफसरों की दिसंबर में ढाका में बैठक भी होगी। ढाका में होने वाले जॉइंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तानी एयरफोर्स बांग्लादेशी पायलट्स को ट्रेनिंग देगी। इसके अलावा रडार से दुश्मन के विमानों की पहचान और उन पर नजर रखने वाले कंट्रोलर्स को भी ट्रेनिंग दी जाएगी। ग्राउंड क्रू के लिए भी अलग कोर्स चलाए जाएंगे।

पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद के नेतृत्व में पांच



सदस्यों की एक टीम ढाका पहुंच चुकी है। इस टीम ने वहां के एयरबेस और दूसरी जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही तकनीकी ट्रेनिंग और सिम्युलेटर के लेन-देन की योजना भी तैयार की। चीन की वायुसेना के साथ उसकी तकनीकी टीमें और डेटा लिंक सिस्टम भी काम करते हैं। ऐसे में आशंका है कि भविष्य में एलएसी पर भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ने पर बांग्लादेश के रडार से मिलने वाली जानकारी चीन के सैन्य नेटवर्क तक पहुंच सकती है। चीन की सेना टैक्टिकल डेटा लिंक तकनीक का इस्तेमाल करती है। इसके जरिए फाइटर जेट और जमीन पर मौजूद सैन्य कमान एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। वे रडार से मिली तस्वीरें और दुश्मन के ठिकानों की जानकारी आपस में साझा कर सकते हैं। रक्षा विश्लेषकों के मुताबिक, चीन ने एक्सएस-3 नाम का हाई-बैंडविड्थ ब्रॉडबैंड लिंक भी तैयार किया है। इसका इस्तेमाल लड़ाकू विमानों, बमवर्षक विमानों और ड्रोन को एक नेटवर्क से जोड़ने के लिए किया जाता है। विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश भी चीन की इस तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। भारत के लिए इस सैन्य सहयोग से जुड़ी एक बड़ी चिंता सिलीगुड़ी कॉरिडोर है। यह करीब 20 से 22 किलोमीटर चौड़ी पट्टी है, जो पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ती है। इस इलाके पर पहले से चीन का दबाव है। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट या कुर्मीटोला जैसे एयरबेस पर लंबी दूरी तक हमला करने वाले फाइटर जेट तैनात होने से यह पूरा इलाका उनकी पहुंच में आ सकता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में कई उग्रवादी संगठन सक्रिय हैं।

इस्राइल में नई सरकार की कवायदः पूर्व पीएम बेनेट की पार्टी ने आइजेनकोट को दिया समर्थन; नेतन्याहू की बढ़ी चुनौती

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के नेतृत्व वाली बी'याचाद पार्टी ने गादी आइजेनकोट को अगली सरकार बनाने के लिए अपना समर्थन दे दिया है। गुरुवार को राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के साथ हुई मुलाकात के दौरान पार्टी के प्रतिनिधियों ने आधिकारिक तौर पर आइजेनकोट के नाम की सिफारिश की। इस्राइल की 120 सदस्यीय संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। राजनीतिक गठबंधनों के आंकड़े बताते हैं कि सरकार गठन का रास्ता अभी आसान नहीं है। विपक्षी दलों के बीच भी कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं, खासकर अरब दलों और अन्य धार्मिक दलों के साथ संभावित गठबंधन को लेकर। ऐसे में आइजेनकोट को समर्थन मिलने के बावजूद सरकार बनाने के लिए जरूरी राजनीतिक सहमति तैयार करना अहम चुनौती होगी। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने 5 नवंबर को घोषणा की कि वह रविवार को किसी एक सांसद को सरकार बनाने का औपचारिक जिम्मा सौंपने का फैसला करेंगे। नियमानुसार, जिसे सरकार बनाने का मौका मिलेगा, उसे गठबंधन तैयार करने के लिए शुरुआती तौर पर 28 दिन का समय दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर 14 दिनों का अतिरिक्त समय भी मिल सकता है। अक्तूबर 27 को हुए चुनावों में 120 सदस्यीय सदन में नेतन्याहू के नेतृत्व वाले गुट ने 53 सीटें जीती थीं। नेतन्याहू विरोधी गुट, जिसे 'परिवर्तन गुट' भी कहा गया, को 48 सीटें मिलीं। शेष 19 सीटें अरब दलों के खाते में गईं, जिससे खंडित जनादेश सामने आया। नेतन्याहू गुट की यूनाइटेड तोराह जूडाइज्म पार्टी ने उन्हें सिफारिश नहीं दी, जिससे प्रधानमंत्री के लिए सिफारिशों की संख्या 46 हो गई।

मस्क ने ट्रंप की पार्टी के समर्थन वाले पोस्ट हटाएः प्रचार में किया था 4400 करोड़ का खर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली बड़ी हार के बाद दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन



मस्क एक बार फिर चर्चा में हैं। चुनाव से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में खुलकर प्रचार करने वाले मस्क को लेकर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने अपनी चर्चित सोशल मीडिया पोस्ट 'वोट रेड टुडे!' को डिलीट कर दिया है। खास बात यह है कि मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक ने भी पूछे जाने पर पोस्ट हटाए जाने की बात कही।

चुनाव परिणाम सामने आने के बाद बुधवार सुबह एलन मस्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर काफी सक्रिय दिखाई दिए। उन्होंने चुनावी नतीजों और उनके विश्लेषण से जुड़ी कई पोस्ट को रीपोस्ट किया। रात करीब 1 बजे ईस्टर्न टाइम पर उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा, 'लगता है मेरे चुनाव में दखल देने वाले स्पेस लेजर इस बार काम नहीं आए।' इससे पहले उन्होंने अंतरिक्ष में डेटा सेंटर बनाने को लेकर भी टिप्पणी की थी। बाद में एक यूजर की उस पोस्ट पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी, जिसमें दावा किया गया था कि मतदाताओं ने रिपब्लिकन की नीतियों का समर्थन करने के बावजूद डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को वोट दिया। मस्क ने जवाब में कैलिफोर्निया के वोटर आईडी प्रस्ताव की हार का जिक्र किया। उनका इशारा उस प्रस्ताव की ओर था, जिसके तहत मतदान के लिए सरकारी फोटो पहचान पत्र या मेल-इन बैलेट के लिए पहचान संबंधी जानकारी देना अनिवार्य किया जाना था। अमेरिकी चुनाव में एलन मस्क की भूमिका केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही। उन्होंने रि पब्लिकन उम्मीदवारों और कंजर्वेटिव संगठनों के समर्थन में कम से कम 458 मिलियन डॉलर खर्च किए। चुनाव आयोग की फाइलिंग और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मस्क अमेरिकी आधुनिक राजनीतिक इतिहास के सबसे बड़े व्यक्तिगत राजनीतिक दानदाताओं में शामिल हो गए। उनके खर्च का बड़ा हिस्सा अमेरिका पीएसी नाम के सुपर पीएसी को मिला। इस संगठन ने मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने, जमीनी स्तर पर प्रचार अभियान चलाने और डिजिटल विज्ञापनों के जरिए रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में माहौल बनाने का काम किया।

पाकिस्तान में भीषण सड़क हादसाः बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत, 33 घायल

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। पाकपट्टन के पास एक यात्री बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 33 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, हादसे में 11 लोगों की जान गई। आठ लोगों को मामूली चोटें आईं, जबकि 25 अन्य को पाकिस्तान के पाकपट्टन स्थित अस्पताल ले जाया गया। जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान के अनुसार, हादसा डेपालपुर रोड पर हुआ। यात्री बस मुल्तान से कसूर की ओर जा रही थी, जबकि ट्रक विपरीत दिशा से आ रहा था। इसी दौरान दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। हादसे के बाद करीब तीन घंटे तक बचाव अभियान चलाया गया। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए क्रेन और अन्य भारी मशीनों की मदद ली गई। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अक्तूबर के दौरान कुल 44,797 सड़क हादसे हुए। इनमें 464 लोगों की मौत हुई, जबकि 23,543 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। स्थानीय मीडिया ने बचाव अधिकारियों के हवाले से बताया कि इन हादसों में करीब तीन-चौथाई दुर्घटनाएं मोटरसाइकिल से जुड़ी थीं। ये आंकड़े पंजाब के जिलों में रेस्क्यू 1122 के आपातकालीन अभियानों की मासिक समीक्षा के दौरान साझा किए गए। विभाग के मुताबिक, अक्तूबर में बचाव दलों ने कुल 2,31,056 आपातकालीन घटनाओं पर कार्रवाई की और 2,33,210 लोगों की जान बचाई। इन घटनाओं में सड़क हादसे, आग लगने, मेडिकल इमरजेंसी, डूबने और अन्य बचाव अभियान शामिल थे। विभाग ने अक्टूबर में आग लगने की 1,726 और डूबने की 94 घटनाएं दर्ज कीं। पंजाब में सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं लाहौर में दर्ज की गईं। यहां मोटरसाइकिल से जुड़े 7,874 हादसे हुए। इसके अलावा मुल्तान में 3,312 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,838 हादसे, फैसलाबाद में 2,896 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,615 हादसे और गुजरांवाला में 2,250 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,092 हादसे दर्ज किए गए।

एक प्रदर्शनी से कहीं बड़ा है सीआईआईई

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं, अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और व्यापारिक संगठनों की नजरें एक बार फिर चीन के शांगहाई शहर पर टिकी हैं। 5 से 10 नवंबर तक यहां नौवें चीन अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो (चाइना इंटरनेशनल इंपोर्ट एक्सपो-सीआईआईई) का आयोजन होने जा रहा है। यह दुनिया का पहला राष्ट्रीय स्तर का ऐसा एक्सपो है, जो विशेष रूप से आयात पर केंद्रित है। वर्ष 2018 में शुरू हुए इस आयोजन का उद्देश्य चीन के विशाल घरेलू बाजार को दुनिया के लिए खोलना, विदेशी उत्पादों के आयात को प्रोत्साहित करना और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। हर साल आयोजित होने वाला सीआईआईई अब वैश्विक कंपनियों के लिए चीन के बाजार में अपनी संभावनाएं तलाशने का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। इस वर्ष के एक्सपो में 162 देशों, क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी होगी। 4,142 विदेशी कंपनियां इसमें हिस्सा लेंगी, जबकि प्रदर्शनी का कुल क्षेत्रफल 4.40 लाख वर्ग मीटर से अधिक होगा। 480 से ज्यादा नए उत्पादों, तकनीकों और सेवाओं की पहली प्रस्तुति भी इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगी। एक्सपो के बिजनेस एग्जिबिशन को छह प्रमुख क्षेत्रों में बांटा गया है। इनमें तकनीकी उपकरण और बुद्धिमान उद्योग, उपभोक्ता उत्पाद, खाद्य एवं कृषि उत्पाद, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण एवं स्वास्थ्य उत्पाद और सेवा व्यापार शामिल हैं। इसके अलावा स्टार्टअप और उभरती कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए इनोवेशन इनक्यूबेशन जोन भी बनाया गया है। सीआईआईई के दो प्रमुख हिस्से हैं- कंट्री एग्जिबिशन और एंटरप्राइज एंड बिजनेस एग्जिबिशन। जहां कंट्री एग्जिबिशन में विभिन्न देश अपनी आर्थिक उपलब्धियों, निवेश के अवसरों और सांस्कृतिक विशेषताओं को प्रस्तुत करते हैं, वहीं बिजनेस एग्जिबिशन में कंपनियां अपने उत्पादों और तकनीकों के जरिए नए कारोबारी साझेदार तलाशती हैं। आज जब वैश्विक अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक प्रतिबंधों, टैरिफ़ और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों से गुजर रही है, तब सीआईआईई जैसे मंचों का महत्व बढ़ जाता है। यह अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को चीन के बाजार तक पहुंचने, संभावित खरीदारों से जुड़ने और नए व्यापारिक अवसर तलाशने का मौका देता है। वर्ष 2018 में शुरू हुआ सीआईआईई अब अपने नौवें संस्करण तक पहुंच चुका है।

हत्या नहीं की मैंने तो पत्नी के शव के टुकड़े किए, अमेरिका में भारतीय मूल व्यक्ति का अजीबोगरीब कबूलनामा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अपनी पत्नी की हत्या के आरोपी भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने अमेरिका के वर्जीनिया की अदालत में गवाही दी है कि पत्नी को मृत पाकर उसने उसके शव के टुकड़े कर दिए थे। नरेश भट्ट ने अदालत को बताया कि उसकी पत्नी ममता कफले भट्ट ने आत्महत्या की थी।

भट्ट ने दावा किया कि उसने अपनी पत्नी को बिस्तर के पास बेहोशी की हालत में पाया, जहां उसके आस-पास उल्टी पड़ी थी। ऐसा लगता था कि उसने कुछ गोलियां और एक अत्यंत जहरीला कीटनाशक खा लिया था।

क्या है आरोप?: भट्ट पर अपनी 28 वर्षीय पत्नी की हत्या करने, शव को विकृत करने और उसे छिपाने का आरोप है। उनकी पत्नी 2024 में लापता हो गई थी और माना जा रहा है कि उसकी हत्या कर दी गई है। उसे आखिरी बार 29 जुलाई, 2024 को एक वीडियो कॉल के दौरान देखा गया था। उसने खुद को इन आरोपों से बेकसूर बताया। उसने कहा कि उसने अपनी पत्नी को बचाने के लिए सीपीआर दिया और अन्य उपाय किए, लेकिन बाद में आरी से उसके शरीर के टुकड़े कर दिए। एक रिपोर्ट के अनुसार, भट्ट ने यह भी दावा किया कि इसके बाद उसने खुद अपनी जान लेने के बारे में भी सोचा था।

जब उससे पूछा गया कि अपनी पत्नी को बेहोश पाकर उसने 911 पर कॉल क्यों नहीं किया तो भट्ट ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसा क्यों नहीं किया। मैंने कॉल करने की कोशिश की थी। मैं बहुत डर गया था... जैसे मुझ पर कोई और चीज हावी हो गई हो। मैं बुरी तरह घबरा गया था। यह चौंकाने वाला दावा उनके मुकदमे के पांचवें हफ्ते में सामने आया है, जबकि उसकी पत्नी का शव दो साल से भी ज्यादा समय से लापता था। 5 अगस्त को ममता के काम पर न पहंचने के



बाद उनके लापता होने की खबर सामने आई थी। शुरुआत में भट्ट ने पुलिस से कहा कि उसे नहीं लगता कि उसकी पत्नी लापता है, लेकिन बाद में उसने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

22 अगस्त 2024 को उसे तब गिरफ्तार कर लिया गया, जब पुलिस को दंपति के बेडरूम और बाथरूम में खून के धब्बे मिले। जांच के दौरान पुलिस को एक पावर सॉ (आरी) भी मिली, जिस पर बाल लगे हुए थे।

अब भट्ट ने अदालत को बताया कि 29 जुलाई 2024 की शाम को वह अपनी बेटी के साथ रात करीब 8 बजे सोने चला गया था, लेकिन उसे अपनी पत्नी के ऊपर आने की आहट नहीं मिली। उसने दावा किया कि अगले दिन सुबह करीब 4 बजे जब वह बाथरूम जाने के लिए उठा तो देखा कि ममता बिस्तर के निचले हिस्से में पीठ के बल लेटी हुई थी। उसके चारों ओर उसकी ही उल्टी पड़ी थी, जिसमें कई गोलियां मिली हुई थीं। उसने यह भी बताया कि उसके पास सेल्फोस का एक पैकेट भी पड़ा था।

भट्ट ने अपनी गवाही में बताया कि उसने ममता को होश में लाने की एक घंटे तक कोशिश की। जब यह साफ हो गया कि उनकी मौत हो चुकी है तो वह उसे उठाकर बाथरूम में ले गए। जब यह साफ हो गया कि उसकी मौत हो चुकी है तो उसने शव को छिपाने और फिर खुदकुशी करने का फैसला किया। उसने दावा किया कि वह खुद को फांसी लगाने के लिए तैयार था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। नरेश भट्ट ने कहा, मैंने तार का केबल और बाकी सब चीजें ले ली थीं, लेकिन फिर मैंने ऐसा नहीं किया। भट्ट ने बताया कि उसने ममता के पूरे शरीर को कचरे में डालने का फैसला किया था, लेकिन वह उसमें फिट नहीं आया, इसलिए उसने आरी से उसे काट दिया। अदालत में उसने कहा, मैं उसके शरीर के टुकड़े करने की कोशिश कर रहा था... शरीर से पैरों को अलग करने की कोशिश कर रहा था। उसने दावा किया कि वह उसके शरीर को पूरी तरह से अलग-अलग टुकड़ों में नहीं काट पाया।

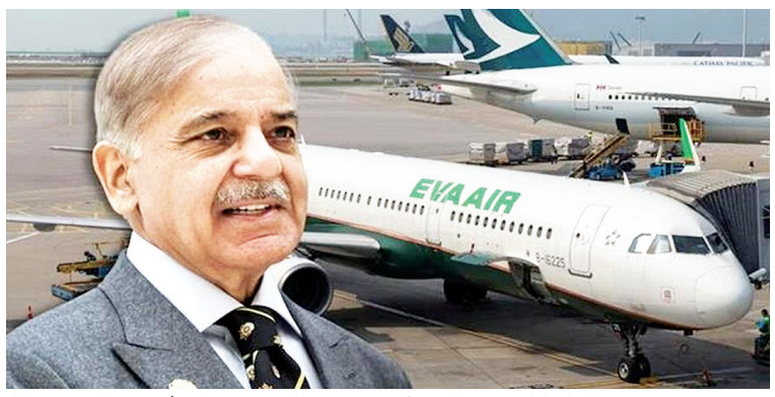
चीन की दोस्ती में पाकिस्तान ने पार की हद, ताइवान की एयरलाइंस पर लगाया बैन

बीजिंग, एजेंसी। पिछले महीने ऐसी खबरें सामने आई थीं कि पाकिस्तान ने ताइवान की दो प्रमुख एयरलाइंस- सरकारी कंपनी चाइना एयरलाइंस और निजी एयरलाइन इवीए एयर को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने की अनुमति देने से इंकार कर दिया था। इस फैसले से पाकिस्तान की वन चाइना पॉलिसी को लेकर समझ और चीन के उसके निर्णयों का पालन करता है और केवल मुख्य भूमि चीन की एयरलाइंस को ही उड़ान की अनुमति दी जाती है। हालांकि, यह फैसला इसलिए भी हैरान करने वाला था क्योंकि चीन खुद ताइवान की व्यावसायिक एयरलाइंस पर इस तरह की पाबंदी नहीं लगाता है।

हालांकि, पाकिस्तान ने बाद में अपना फैसला बदलते हुए दोनों एयरलाइंस पर लगा प्रतिबंध हटा दिया। अब चाइना एयरलाइंस और इवीए एयर को 27 मार्च 2027 तक पाकिस्तानी एयरस्पेस से उड़ान भरने की अनुमति मिल गई है। लेकिन यह राहत फिलहाल अस्थायी है। मार्च 2027 के बाद इन एयरलाइंस को फिर से उड़ान की अनुमति मिलेगी या नहीं, इस पर पाकिस्तान की ओर से अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

पाकिस्तान और ताइवान के बीच कुछ ही पक्के रिश्ते हैं। इस्लामाबाद वन चाइना पॉलिसी का सख्ती से पालन करता है और चीन के साथ पक्की दोस्ती बनाए रखता है। पाकिस्तान के ताइवान के साथ सीमित लिंक में सिर्फ़ 900 से ज़्यादा पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं, जिनमें स्टूडेंट, रेस्टोरेंट मालिक और दूसरे प्रोफेशनल शामिल हैं। कोई रिप्रेज़ेंटेटिव ऑफिस नहीं है, और न ही कभी रहा है। दोनों तरफ से कोई डायरेक्ट फ़्लाइट भी नहीं है। साउथ एशिया और ताइवान के बीच एकमात्र एयर कनेक्शन ताइपे-दिल्ली रूट है, जो 1 दिसंबर को फिर से शुरू होने वाला है।

यह बैन पाकिस्तान के वन चाइना पॉलिसी को मानने की आम जरूरत से कहीं ज़्यादा है। इस्लामाबाद इसके सबसे मजबूत मानने वालों में से है, जो रेगुलर तौर पर अपनी कमिटमेंट को दोहराता है और ताइवान पर अपनी स्थिति सहित चीन की सॉवरेनिटी और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी का बिना शर्त समर्थन करता है। एक मुश्किल मुद्दे को आसान बनाने के रिस्क पर, पाकिस्तान की तरह सख्ती से मानने का मतलब आम तौर पर ताइवान की आजादी का विरोध करना, बीजिंग के इस दावे को मानना ??कि ताइवान चीन का हिस्सा है और ताइपे के साथ ऑफिशियल संबंध नहीं रखना है। हालांकि, देश इस पॉलिसी का अलग-अलग मतलब निकालते हैं। कुछ जो इसे मानते हैं, वे अभी भी ताइवान में ट्रेड संबंध और अनऑफिशियल ऑफिस बनाए रखते हैं। पॉलिसी का यह मतलब नहीं है कि देश ताइवान की कमर्शियल एयरलाइन को अपने एयरस्पेस से गुज़रने की इजाजत न दें। ऐसी इजाजत सिविल एविएशन अरेंजमेंट का मामला है। देशों ने पॉलिटिकल वजहों से ताइवान की फ़्लाइट पर रोक लगाई है। इस साल अप्रैल में,



सेशेल्स, मॉरिशस और मेडागास्कर ने ताइवान के मौजूदा प्रेसिडेंट लाई चिंग-ते की अफ्रीका में ताइवान के एकमात्र बचे हुए डिप्लोमैटिक साथी, इस्वातिनी की प्लान की गई यात्रा के लिए ओवरफ्लाइट की इजाजत वापस ले ली थी। लेकिन, प्रेसिडेंशियल फ़्लाइट पर रोक लगाना कमर्शियल एयरलाइन को ओवरफ्लाइट के अधिकार न देने से बिल्कुल अलग मामला है। तो, इस फैसले के पीछे क्या वजह हो सकती है? क्या यह चीन की ग्रे-ज़ोन एक्टिविटी का एक्सटेंशन था, या चीन-पाकिस्तान की सदाबहार दोस्ती से पैदा हुई वफादारी का दिखावा था ? पाकिस्तान के इस फैसले के दो संभावित कारण हो सकते हैं। पहला यह कि चीन ने पाकिस्तान से वन चाइना पॉलिसी को मजबूत करने, ताइवान के साथ इंटरनेशनल जुड़ाव को कम करने और अपने पार्टनर पर बीजिंग के असर को दिखाने के लिए बैन लगाने को कहा। पाकिस्तान, ताइवान पर चीन की स्थिति के सबसे भरोसेमंद सपोर्टर्स में से एक है। वफादारी दिखाने के लिए खुद ही यह बैन लगाया हो, खासकर ऐसे समय में जब वह यूनाइटेड स्टेट्स के साथ करीबी रिश्ते बनाना चाहता है। मक्का पैक्ट ने बीजिंग को भरोसा दिलाने के लिए इस्लामाबाद के इंसेंटिव को और बढ़ाया होगा। इस बीच, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का एक अहम हिस्सा, चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर, बीजिंग के लिए एक स्ट्रेटेजिक और इकोनॉमिक एसेट के बजाय एक सिक्योरिटी लायबिलिटी बन गया है। इस बैकग्राउंड में, यह बैन शायद यह दिखाने के लिए एक इशारा था कि वाशिंगटन के करीब जाने की पाकिस्तान की कोशिशें चीन के साथ उसके रिश्तों की कीमत पर नहीं हुई हैं।



डेवोन भारत के खिलाफ वनडे मैचों से बाहर

चोटिल होने के कारण हुए बहार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड को एक और झटका लगा है। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ट्रेनिंग के दौरान सिर में चोट लगने के कारण बाकी बचे चार मैचों से बाहर हो गए हैं। पहले से ही रचिन रविंद्र और मार्क चैपमैन जैसे दो अहम खिलाड़ियों के बिना खेल रही मेजबान टीम को अब सीरीज के पहले मैच में मिली हार से उबरने के लिए एक और समस्या का सामना करना पड़ेगा। मंगलवार को ईडन पार्क में फील्डिंग सेशन के दौरान मैट हेनरी से टकराने के कारण कॉनवे पहले वनडे में नहीं खेल पाए। उनकी जगह शीर्ष पर टिम सीफर्ट को मौका मिला और उन्होंने 38 रन बनाए, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर ऑल आउट हो गई। अर्शदीप सिंह ने चार विकेट और गुरनूर बराड़ ने तीन विकेट लिए, जिसके बाद ब्लेयर टिकनर के 34 रनों के योगदान से न्यूजीलैंड इस लक्ष्य तक पहुंच पाई। बारिश के कारण भारत की पारी बाधित हो गई और डीएलएस पद्धति के तहत लक्ष्य को 32 ओवरों में 143 रन कर दिया गया। रोहित शर्मा शून्य पर आउट हो गए, लेकिन विराट कोहली के 51 गेंदों पर 74 रन और शुभमन गिल के 37 रनों की बदौलत भारत ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। अंततः मेहमान टीम ने 22.4 ओवरों में 143 रन बनाकर पांच विकेट खो दिए और पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को पुष्टि की कि कॉनवे शेष मैचों में नहीं खेल पाएंगे। निक केली, जिन्हें मूल रूप से चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था, को उनके स्थान पर टीम में शामिल किया गया है और वे वेलिंगटन में टीम से जुड़ेंगे। वहीं, ऑकलैंड एसेस के बल्लेबाज डेल फिलिप्स को भारत ए के खिलाफ अंतिम चार दिवसीय मैच के लिए न्यूजीलैंड ए टीम में शामिल किया गया है।

कॉनवे को चोट कैसे लगी?

यह घटना मंगलवार को ईडन पार्क में एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान घटी, जब कॉनवे और हेनरी एक ही कैच लेने की कोशिश में आपस में टकरा गए। दोनों खिलाड़ियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई और उनके सिर की चोटों का आकलन किया गया। कॉनवे को ऑकलैंड स्थित एक चिकित्सा केंद्र के आपातकालीन विभाग में ले जाया गया, जहां आगे की जांच में सिर में चोट की पुष्टि हुई। हेनरी को सिर में चोट नहीं आई है और वे दूसरे वनडे के लिए चयन हेतु उपलब्ध हैं। चोटों के कारण न्यूजीलैंड की टीम में खिलाड़ियों की कमी हो गई है। कॉनवे, रविंद्र और चैपमैन के साथ न्यूजीलैंड की चोटिल खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। रविंद्र कंधे की चोट से उबर रहे हैं, जबकि चैपमैन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। दोनों को सीरीज शुरू होने से पहले ही बाहर कर दिया गया था। हेनरी की उपलब्धता मेजबान टीम के लिए एक सकारात्मक बात है, हालांकि इस तेज गेंदबाज ने भारत के खिलाफ अंतिम तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि उनके दाहिने क्वाड्रिसेप्स में हल्की चोट थी। न्यूजीलैंड को अब सीरीज बराबर करने के लिए अपनी बल्लेबाजी संयोजन पर पुनर्विचार करना होगा। दूसरा वनडे शनिवार, 7 नवंबर को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाएगा।

प्रीमियर लीग में कोई भी मैच आसान नहीं होता: जाबी अलोंसो

नई दिल्ली,एजेंसी। चेल्सी के मैनेजर जाबी अलोंसो ने कहा है कि प्रीमियर लीग का कोई भी मैच आसान नहीं होता और टीमें एक पल के लिए भी फोकस नहीं खो सकतीं। चेल्सी ने 2026-27 प्रीमियर लीग सीजन की जबरदस्त शुरुआत की है। टीम नौ मैचों में 16 पॉइंट्स के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है। जियोस्टार द्वारा साझा एक इंटरव्यू में अलोंसो ने प्रीमियर लीग की चुनौतियों पर बात करते हुए कहा, 'प्रीमियर लीग सच में एक बहुत मुश्किल कॉम्पिटिशन है। चेल्सी जॉइन करने से पहले मुझे इसके बारे में पता था, लेकिन एक बार जब आप इसका अनुभव करते हैं, तो आप सभी टीमों और सभी खिलाड़ियों का स्तर देखते हैं कि हर मैच कितना चुनौतीपूर्ण होता है। इस लीग में कोई भी मैच आसान नहीं होता। हर सप्ताह आपका एक अलग टेस्ट होता है, चाहे वह खिताब के लिए लड़ने वाली टीम हो या ऊपर बने रहने के लिए। इससे हम खुद से बहुत कुछ डिमांड करते हैं और हर गेम के लिए पूरे फोकस के साथ तैयारी करते हैं। आप एक पल के लिए भी स्विच ऑफ नहीं कर सकते, क्योंकि लीग में क्वालिटी आपको सजा देगी।' चेल्सी मैनेजर ने अपनी टीम की रक्षात्मक दिक्कतों को भी माना और जोर देकर कहा कि उनका रक्षात्मक रिकॉर्ड सुधारना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में खाए गए कई गोल निजी गलतियों की वजह से हुए हैं, न कि विरोधी टीमों के उनके रक्षात्मक संरचना को तोड़ने की वजह से। हमारे डिफेंस के बहुत सारे गोल खाने के पीछे सिर्फ एक वजह नहीं है, लेकिन यह पक्का है कि यह एक ऐसा एरिया है जिसमें हम बेहतर करने के लिए समर्पित हैं। मुझे लगता है कि हम करेंगे। हम उस प्रक्रिया में हैं और विकसित हो रहे हैं।



क्रिस लिन का एक महीने का निलंबन पूरा, बीबीएल में खेलने को तैयार



नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के टी20 विशेषज्ञ क्रिस लिन को कोकीन लेने के मामले में एक महीने का बैन झेलना पड़ा है। इंग्लैंड के क्रिकेट रेगुलेटर ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। बैन की अवधि अब पूरी हो चुकी है। बिग बैश लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लिन का 18 जुलाई को इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के दौरान रूटीन एंटी-डोपिंग टेस्ट हुआ था। उस समय वह नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स की ओर से खेल रहे थे। टेस्ट में उनका सैंपल पॉजिटिव पाया गया था।

क्रिकेट रेगुलेटर ने बयान में कहा, 'क्रिकेट रेगुलेटर ने नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स के पूर्व क्रिकेटर क्रिस लिन को एक महीने के लिए निलंबित किया गया है। निलंबन का समय अब पूरा हो गया है।' 36 साल के लिन का कोकीन के मेटाबोलाइट बेंजॉयलेगोनिन के कम लेवल के लिए टेस्ट पॉजिटिव आया था। उन्होंने आरोप स्वीकार कर लिया। जांच में यह माना गया कि यह कॉम्पिटिशन के बाहर इस्तेमाल का मामला था और इसका खेल के प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं था। इसी वजह से उनका बैन तीन महीने की जगह 1 महीने का था। लिन ने इसके साथ ही नशे की लत से जुड़ा रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम भी पूरा कर लिया है। दाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 18 टी20 और 4 वनडे मैच खेले हैं। वह बिग बैश लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं।

14 देशों के 56 विदेशी गोल्फर भारत में दिखाएंगे दम

- 12 नवंबर से होगा इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में गोल्फ के एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। हरियाणा के नूंह स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों समेत कुल 72 गोल्फर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने गुरुवार को प्रतियोगिता की ट्रॉफी का अनावरण किया। इसके साथ ही टूर्नामेंट की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

संभालेंगे मुंबई की कमान

सूर्यकुमार यादव की मैदान पर वापसी की तारीख तय



मुंबई, एजेंसी। भारतीय टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव जल्द ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वह आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 और विजय हजारे ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। इस तरह उनके पास घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी का दावा मजबूत करने का मौका होगा।

चयनकर्ताओं के फैसले पर सूर्यकुमार ने क्या कहा? - टी20 टीम से बाहर होने के फैसले पर सूर्यकुमार ने आकाश चोपड़ा के यूट्यूब चैनल पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, 'जब मैंने टीम में अपना नाम नहीं देखा तो मैं मुस्कुराया। जब भी मैं दबाव में होता हूं या चीजें मेरे पक्ष में नहीं होतीं, तो मैं मुस्कुराता हूं और खुद को शांत रखता हूं।'

रणजी ट्रॉफी में नहीं मिला था मौका

इससे पहले सूर्यकुमार यादव ने मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी 2026-27 का शुरुआती मुकाबला खेलने की इच्छा जताई थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में जगह नहीं दी। मुंबई के चयन समिति प्रमुख राजेश पवार ने कहा था, 'वह निश्चित रूप से बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं और मुंबई के लिए खुद को साबित कर चुके हैं। हम चाहते हैं कि वह कुछ रेड-बॉल मैच खेलकर लय हासिल करें। सूर्य ने पिछले 18 महीनों से कोई रेड-बॉल मैच नहीं खेला है।' सूर्यकुमार यादव को लेकर आईपीएल 2027 से पहले ट्रेड की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई इंडियंस ने उन्हें ट्रेड करने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। वह आगामी सीजन में भी मुंबई की नीली और सुनहरी जर्सी में खेलते नजर आएंगे। हालांकि, टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी उन्हें मिलने की संभावना नहीं है।

14 नवंबर को खेलेंगे पहला मुकाबला

सूर्यकुमार यादव की वापसी 14 नवंबर से होने वाली है। इस दिन मुंबई की टीम सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैदराबाद के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, राजेश पवार की अगुवाई वाली मुंबई की सीनियर चयन समिति ने सूर्यकुमार को कप्तानी सौंपने का फैसला किया है। टीम का ऐलान अगले कुछ दिनों में हो सकता है। सूर्यकुमार यादव को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को खिताब दिलाने के बावजूद टी20 इंटरनेशनल टीम की कप्तानी गंवानी पड़ी। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम चुने जाने के दौरान उन्हें कप्तानी से हटाया गया और बल्लेबाजी में लगातार गिरते प्रदर्शन के कारण टीम से भी बाहर कर दिया गया। अब घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन उनके लिए वापसी का रास्ता खोल सकता है।

विश्व कप तक 100 शतक पूरा करने के लिए कोहली के पास पर्याप्त मैच नहीं: अभिषेक नायर



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि विराट कोहली के पास 2027 वनडे विश्व कप से पहले 100 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा करने के लिए ज्यादा मैच नहीं बचे। अभिषेक नायर ने जियोस्टार से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वर्ल्ड कप तक उनके पास उस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए पर्याप्त मैच है। मैं चाहता हूं कि वह ऐसा करे, लेकिन आपको भी आगे बढ़ने के लिए काफी गेम खेलने होंगे। हो सकता है कि वह वर्ल्ड कप के बाद भी खेलना जारी रखे, लेकिन मैं वर्ल्ड कप तक के समय के बारे में सोच रहा हूं। वर्ल्ड कप के बाद, उनकी प्रेरणा शायद वैसी न रहे।' नायर ने सुझाव दिया कि टीम को हार्दिक पांड्या के साथ एक और विकल्प तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत को भविष्य के बारे में सोचना चाहिए, जहां हार्दिक पांड्या के साथ एक और ऑलराउंडर खेल सकता है। जब आप न्यूजीलैंड जाते हैं, तो हो सकता है कि आपके पास ऐसे दो



ऑलराउंड विकल्प हों क्योंकि गौतम गंभीर को बल्लेबाज पसंद हैं। अगर आप एक और ऑलराउंडर तैयार करते हैं, तो वे एक साथ खेल सकते हैं। और अगर इंडिया दो अच्छे तेज गेंदबाज और दो सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर के साथ खेल सकता है, तो टीम का संतुलन बेहतर होता है और इसमें गहराई मिलती है। दूसरी बात यह है कि जब आप साउथ अफ्रीका जाते हैं, तो यह काम आएगा क्योंकि अब आपके पास बैटिंग के ज्यादा विकल्प हैं।' नायर ने कहा, 'यह मजेदार है क्योंकि उन सीरीज को देखना जहां आप ट्रॉफी जीतने के लिए फाइनल खेल रहे होते हैं, एक बहुत ही अलग एहसास होता है। यह आपको तैयार करता है और बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार करता है। जब आप तीन या चार देशों वाली ट्रॉफी के लिए खेलते हैं, तो आप स्टैंडिंग में ऊपर-नीचे हो सकते हैं और हर गेम मायने रखता है। इसलिए, मुझे लगता है कि ट्राई-नेशन या उससे अधिक देशों के टूर्नामेंट जैसा कुछ नहीं है।'

आमिर जंगू का शतक, वेस्टइंडीज की पहली पारी 356 रन पर सिमटी

सिलहट, एजेंसी। सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज की पहली पारी 356 रन पर सिमटी। वेस्टइंडीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने शतक लगाया। टीम को 356 रन तक पहुंचाने में आमिर जंगू का अहम योगदान रहा। पांचवें नंबर पर आए इस बल्लेबाज ने 212 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 133 रन की पारी खेली। आमिर ने केविन विकम के साथ चौथे विकेट के लिए 131 रन की अहम साझेदारी की। विकम ने 145 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 61 रन बनाए।

इसके अलावा, जस्टिन ग्रिव्स ने 51, जोशुआ बिशप ने 23, और जोमेल वरिकन ने नाबाद 27 रन बनाए। वेस्टइंडीज के आखिरी 2 विकेटों ने 55 रन जोड़े। बांग्लादेश की तरफ से हसन महमूद ने 24 ओवर में 90 रन देकर 6 विकेट लिए। तस्कीन अहमद ने 2 और मेहदी हसन मिराज ने 2 विकेट लिए। रिपोर्ट लिखे जाने तक बांग्लादेश ने 11 ओवर में 22 रन पर अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। तंजीद हसन 16 और नईम हसन 5 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान शांतो 1 और तोहिद हृदोय शून्य पर नाबाद हैं।

बांग्लादेश को दिन के शुरुआत में एक बड़ा झटका भी लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम को टखने में चोट के कारण मैदान से बाहर होना पड़ा। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा।

शादमान इस्लाम को फील्डिंग करते समय इंजरी हुई। उनका टखना मुड़ा गया। दर्द की वजह से वह तुरंत मैदान पर गिर पड़े और कई मिनट तक तड़पते रहे। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। शादमान को एमआरआई स्कैन के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। यह घटना वेस्टइंडीज की पारी के 78वें ओवर में हुई जब आमिर जंगू ने मेहदी हसन मिराज की गेंद को फाइन लेग की तरफ धकेला।



शादमान ने स्लिप से गेंद का पीछा किया, लेकिन जब उन्होंने गेंद उठाने की कोशिश की, तो वह फिसल गए और गिरते समय उनका टखना मुड़ गया।

शादमान टेस्ट मैच के बारी हिस्से के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है। अगर शादमान बाहर होते हैं, तो बांग्लादेश को बाकी मैच सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना होगा।